छत्तीसगढ़ फ्रंटलाइन

RNI Reg.No. - CHHHIN / 2009/36148
डाक पंजीयन क्र. - 49 / रायगढ़ / C.G./2021-2023

वर्ष - 14 ■ अंक - 104 ■ अम्बिकापुर, रविवार 16 अप्रैल 2023 पृष्ठ -8 ■ मूल्य - 1 रूपये

www.cgfrontline.com

पहाड़ी कोरवा बच्चों का भविष्य संवारने के नाम पर खानापूर्ति

प्राथमिक शिक्षा प्राप्ति में सैकड़े का रेसियो उच्च शिक्षा प्राप्ति तक इकाई में सिमट रहा

गिरिजा कुमार ठाकुर

अंबिकापुर। विशेष जनजाति पहाड़ी कोरवाओं के लिए शासन ने अब तक कई योजनाएं बनाईं, लेकिन उसका क्रियान्वयन धरातल में कितना हो पाया, यह शिक्षा के क्षेत्र में पिछड़ेपन से लगाया जा सकता है। इनका भविष्य संवारने के नाम पर की गई खानापूर्ति का परिणाम कहा जाए, आज की स्थिति में पहाड़ी कोरवा परिवारों के बच्चे पीढ़ी दर पीढ़ी अशिक्षा या प्राथमिक शिक्षा तक सीमित रह गए हैं। इनके परिवारों में कम ही ऐसे मिलेंगे, जो आज की स्थिति में उच्च शिक्षित हों। इसे पहाड़ी कोरवाओं के नाम पर उच्च स्तर पर राशि आबंटन से लेकर नीचे तक बंदरबांट की संज्ञा दी जाए तो कोई अतिश्योक्ति नहीं होगी। वर्ष 2019 में किया गया सर्वे इस बात को प्रमाणित करता है कि पहाड़ी कोरवा बच्चों को शिक्षित करने के साथ ही उच्च शिक्षा प्राप्ति की ओर ले जाने वाली योजनाओं की स्थिति जमीनी स्तर पर अंधे को आइना दिखाने के समान है। इनके लिए बनाई गई योजनाएं कार्यालय, छात्रावास जैसी जगहों पर दीवारों में लगे फ्लैक्सी बोर्ड की शोभा बढ़ा रहे हैं। पहाड़ी कोरवा परिवारों के जीवन स्तर को सुधारने की कवायद करते कईयों ने अपना जीवन संवार लिया, लेकिन इनकी स्थिति में किसी प्रकार का बदलाव नहीं आया है।

आदिम जाति तथा अनुसूचित जाति विकास द्वारा संचालित योजनाएं

1. पोस्ट मैट्रिक छात्रवृत्ति.
2. छात्रावास/आश्रमों का संचालन.
3. मुख्यमंत्री बाल भविष्य सुरक्षा योजना, प्रयास आवासीय विद्यालय का संचालन.
4. एकलव्य आदर्श आवासीय विद्यालय का संचालन.
5. राहत योजना (अत्याचार निवारण अधिनियम)
6. जवाहर उत्कर्ष विद्यार्थी योजना.
7. युवा कैरियर निर्माण-पीईटी, नीट हेतु कोचिंग, पीएससी परीक्षा हेतु कोचिंग, यूपीएससी परीक्षा हेतु यूथ हॉस्टल नई दिल्ली, बैंकिंग एवं अन्य परीक्षा हेतु कोचिंग.
8. कन्या क्रीड़ा परिसर का संचालन.
9. स्वच्छ तन स्वच्छ मन.
10. छात्रावासों में विशेष कोचिंग.
11. आदिवासी संस्कृति का परीरक्षण एवं विकास-देवगुड़ी निर्माण, लोक नृत्य दल को सहायता.
12. नि:शुल्क नर्सिंग प्रशिक्षण योजना

आश्रमों में रहकर पांचवीं तक लेते हैं तालीम

शासन की ओर से पहाड़ी कोरवा बच्चों को शिक्षा की धारा से जोड़ने के लिए 40 आश्रमों और 82 छात्रावासों का संचालन किया जा रहा है, जिले में संचालित पहाड़ी कोरवा बच्चों के लिए आश्रमों में 33 बालक और 15 बालिकाओं के हैं। यहां 25 सौ बालक-बालिकाओं के रहने की सुविधा है। बीते वर्ष आश्रमों में रहकर 2423 बालक-बालिकाओं ने शिक्षा ली। कक्षा पांचवीं तक की शिक्षा लेने के बाद ये बच्चे घर वापस लौटे, इसके बाद अधिकांश के कदम घर, गांव की दहलीज तक सिमटकर रह गए। इन्हें आगे की शिक्षा मिले, इसके लिए शाला प्रवेशोत्सव की कवायद के बीच ईमानदार प्रयास नहीं करने का नतीजा है कि काफी कम पहाड़ी कोरवा बच्चे हाईस्कूल व हायर सेकेंडरी तक की शिक्षा ले पाते हैं। इसके बाद भी अफसर गाल बजाने से नहीं थकते कि शैक्षणिक गुणवत्ता को बढ़ाने का प्रयास पहाड़ी कोरवा विकास अभिकरण के द्वारा किया जा रहा है।

2019 की स्थिति में प्राइमरी शिक्षा लेने वाले 674, स्नातक तक पहुंचे 02

वर्ष 2019 की स्थिति में दो पहाड़ी कोरवाओं ने स्नातक तक की शिक्षा प्राप्त की है। विडंबना ही कहा जाए, कक्षा पांचवीं तक शिक्षा हासिल करने वाले पहाड़ी कोरवा बच्चों की संख्या 675 रही। आश्रमों में रहकर शिक्षा हासिल करने के बाद ये बच्चे घर पहुंच गए क्योंकि आगे की शिक्षा के लिए वे यहां नहीं रह सकते थे। इसके बाद हाईस्कूल तक की शिक्षा उक्त वर्ष की स्थिति में मात्र 29 बच्चों ने ली, हायर सेकेंडरी के मुकाम तक 42 पहाड़ी कोरवा पहुंचे। स्नातक तक शिक्षा प्राप्त करने वालों की संख्या मात्र 02 रही। ऐसे में प्राथमिक शिक्षा के बाद उच्च शिक्षा हासिल कितने पहाड़ी कोरवा बच्चों ने किया, इस आंकड़े से स्पष्ट हो जाता है। बता दें कि सरगुजा जिले में बतौली ब्लॉक अंतर्गत बांसाझाल एकमात्र बालक आश्रम पहाड़ी कोरवा बच्चों के लिए है, जहां आठवीं तक की शिक्षा बच्चे आश्रम में रहकर ले सकते हैं।

प्राइमरी शिक्षा के बाद उंगलियों में गिने जाने वाले पहाड़ी कोरवा बच्चों ने हाईस्कूल और हायर सेकेंडरी तक शिक्षा प्राप्त की है। प्रशासनिक सर्वे यह स्पष्ट कर रहा है कि प्राथमिक शिक्षा प्राप्ति में सैकड़ों की संख्या का रेसियो उच्च शिक्षा प्राप्ति के पूर्व पायदान में दहाई तक वहीं स्नातक तक इकाई में पहुंच गया। इसके लिए जिम्मेदार कौन है, यह बताने वाला कोई नहीं है। शासन की मंशा हर किसी को शिक्षित बनाने मात्र की नहीं, बल्कि उच्च शिक्षा हासिल कर वे बेहतर मुकाम हासिल करें, इसकी है। शिक्षा का अधिकार का लाभ बच्चों को दिया जा रहा है। सर्व शिक्षा अभियान का ध्येय सब पढ़े-सब बढ़ें है। कोई बच्चा शिक्षा से वंचित न रहे, इसके लिए शाला प्रवेशोत्सव हर वर्ष मनाया जाता है। बच्चों का फूल-माला से स्वागत कर नए कक्षा में प्रवेश व मुंह मीठा कराने की परिपाटी पूरी की जाती है, इसके बाद भी विशेष पिछड़ी जनजाति के बच्चे उच्च शिक्षा की धारा तक क्यों नहीं पहुंच पाए, इसे लेकर सवाल खड़े हो रहे हैं। स्कूल शिक्षा विभाग की कहीं न कहीं इसमें नाकामी ही सामने आ रही है।

पहाड़ी कोरवा बच्चे प्राथमिक शिक्षा लेने के बाद आगे की शिक्षा ले सकें, इसके लिए शाला प्रवेशोत्सव के दौरान ध्यान देने की जरूरत है। स्कूल शिक्षा विभाग को इस ओर ध्यान देने की जरूरत है। 2019 की स्थिति में कराए गए सर्वे के अनुसार विशेष जनजाति के 5वीं तक शिक्षित 674, हाईस्कूल तक 29, हायर सेकेंडरी तक 42 व स्नातक तक 02 हैं।

डीपी नागेश
एसी ट्रायबल

माता-पिता की फटकार के बाद युवती फांसी लगा की खुदकुशी

पड़ोस में रहने वाले युवक से करती थी बात, मामला प्रेम प्रसंग से जुड़ा

छ.ग.फ्रंटलाइन अंबिकापुर। शहर के मायापुर की एक युवती माता-पिता की नसीहत भरी फटकार के बाद शनिवार की सुबह कमरा बंद करके फांसी लगाकर खुदकुशी कर ली। युवती पड़ोस में किराए के मकान में रहने वाले रिश्तेदार युवक से बातचीत करती थी, उसके माता-पिता को जब इसका पता चला तो उन्होंने युवक से पूछताछ की। युवक ने प्यार व शादी से इन्कार कर दिया, इसी बात पर स्वजनों ने उसे समझाइश देने फटकारा था कि अनावश्यक किसी के चक्कर में पड़कर वह जिंदगी बर्बाद न करे। इससे नाराज युवती ने ऐसा कदम उठाया। सूचना पर कोतवाली पुलिस मौके पर पहुंची और युवती का शव को फांसी के फंदे से उतरवाकर पोस्टमार्टम के लिए मेडिकल कॉलेज अस्पताल भेजी। पुलिस मामले की विवेचना कर रही है।

जानकारी के मुताबिक कोतवाली थाना अंतर्गत मायापुर की 23 वर्षीय एक युवती पड़ोस में किराए के मकान में रहने वाले एक युवक से मोबाइल पर स्वजनों से नजर बचाकर बात करती थी, युवक उसका रिश्तेदार था। युवती के माता-पिता ने एक दिन उसे युवक से बात करते देखा और पूछताछ की। शुक्रवार को युवती के माता-पिता युवक के पास पहुंचे और पूछताछ करते हुए असलियत जानने का प्रयास किया, लेकिन लड़के ने उनकी बातों को एक सिरे से नकार दिया। उसने कहा कि वह उनकी लड़की से प्यार नहीं करता है और न ही शादी करेगा। युवती ही उससे प्यार करती है और बातचीत करती है। युवक की बातों को सुनने के बाद माता-पिता घर पहुंचे और शनिवार की सुबह बेटी को इस बात के लिए फटकार लगाई और बताया कि युवक उससे न तो प्यार करता है और न ही शादी करेगा। फटकार भरे लहजे में की गई यह बात युवती को इतनी नागवार गुजरी की वह खुद को कमरे में बंद कर खुदकुशी कर ली। स्वजन इससे अनजान थे। युवती के पिता काम रोजाना की तरह काम करने चले गए थे, उसकी मां घर पर थी। इस घटनाक्रम के बाद जब काफी देर तक बेटी कमरे से बाहर नहीं निकली तो मां उसे आवाज लगाई। कमरे के अंदर से किसी प्रकार की प्रतिक्रिया नहीं मिलने पर मां ने खिडक़ी से देखा तो उनकी बेटी फांसी के फंदे पर झूल रही थी। इसकी जानकारी वह तत्काल अपने पति को दी। सूचना पर कोतवाली पुलिस मौके पर पहुंची और शव को फांसी से उतरवाकर मौका पंचनामा कराया। पुलिस ने युवती के शव को स्वजनों को सौंप दिया है। मामले में पुलिस मर्ग कायम कर विवेचना कर रही है।

मां से बात कर रविवार को बैंगलुरू से निकलने की दिया जानकारी

अगले दिन खुदकुशी की सूचना मिलने से पसरा मातम

छ.ग.फ्रंटलाइन अंबिकापुर। परिवार का भरण-पोषण करने के लिए सरगुजा से बैंगलुरु गए युवक ने किराए के मकान में फांसी लगाकर खुदकुशी कर ली। वह कपड़ा फैक्ट्री में काम करता था और अपनी बहन की शादी में शामिल होने के लिए रविवार को ट्रेन से गृहग्राम सीतापुर आने के लिए निकलने वाला था। शुक्रवार की रात वह अपनी मां व स्वजनों से लगभग डेढ़-दो घंटे बात किया और घर आने के लिए टिकट लेने की बात कही। इसके बाद ना जाने ऐसा क्या हुआ कि वह पंखा के सहारे फांसी पर लटक कर खुदकुशी कर लिया। इसकी जानकारी मृतक की मां को शनिवार की सुबह मिली, जिससे वह और स्वजन सदमे में हैं। इधर मृत बेटे के शव को बैंगलुरू से लाने के लिए प्रशासन से मदद का आग्रह स्वजनों ने किया है।

- कपड़ा फैक्ट्री में काम कर स्वजनों का करता था भरण-पोषण
- सात मई को था बहन का विवाह
- बैंगलुरू पुलिस शव को पोस्टमार्टम के बाद दोस्त के सुपुर्द की

जानकारी के मुताबिक सीतापुर विकासखंड के ग्राम पेंट का खिजर खान पिता इजराइल खान 30 वर्ष रोजगार की तलाश में दो अन्य दोस्तों के साथ बैंगलुरू जाकर विगत 10-15 वर्षों से कपड़े की फैक्ट्री में काम करता था। सभी अलग-अलग किराए के मकान में रहते थे। शनिवार की सुबह उसका एक दोस्त स्वजनों को फोन पर जानकारी दिया कि खिजर अपने कमरे में फांसी लगाकर खुदकुशी कर लिया है। अचानक इस खबर को सुनकर स्वजन सदमे में आ गए। मृतक खिजर मां-बाप का बड़ा बेटा था, उसके सहारे परिवार का भरण-पोषण होता था। अचानक बेटे की मौत की खबर सुनते ही मां सईदा खातून का रो-रोकर बुरा हाल हो गया। सईदा का कहना है कि बेटे से शुक्रवार की रात को काफी देर तक बात हुई थी। सात मई को उसके बहन ही शादी है। वह शादी में शामिल होने के लिए घर आने ट्रेन में रिजर्वेशन करा चुका था। रविवार को उसने ट्रेन से निकलने की जानकारी दी थी। अचानक घर वापस आने से एक दिन पहले खुदकुशी करने की घटना से पूरा परिवार सदमे में हैं। खिजर ने ऐसा कदम क्यों उठाया, यह फिलहाल अस्पष्ट है।

शव गृहग्राम लाने की जा रही पहल-एसडीओपी

सीतापुर एसडीओपी ध्रुवेश जायसवाल ने बताया कि मृतक के शव को गृहग्राम लाने की पहल की जा रही है। बैंगलुरू के एसएचओ से बात हुई है। शव को सौंपने के लिए वारिस की जरूरत पड़ती है। शव सुपुर्दगी में लेने के लिए मृतक के दोस्त मुस्तफा से बात हुई है। वहां की पुलिस सारी प्रक्रिया पूर्ण कर मुस्तफा को शव सौंप देगी।

कलेक्टर ने की जिला स्तरीय कोविड प्रकरण एवं वर्तमान स्थिति की समीक्षा

छ.ग.फ्रंटलाइन अंबिकापुर। कलेक्टर कुंदन कुमार की अध्यक्षता में शनिवार को कोविड संक्रमण के प्रसार की समीक्षा हेतु जिला पंचायत सभाकक्ष में जिला स्वास्थ्य समिति की बैठक आयोजित की गई। बैठक में कलेक्टर ने जिला स्तर पर दर्ज कोविड प्रकरण एवं वर्तमान स्थिति पर समीक्षा की। कलेक्टर ने जिले में कोरोना संक्रमण के प्रसार की रोकथाम के लिए उपलब्ध चिकित्सकीय सुविधाओं की जानकारी ली और आवश्यक दिशा-निर्देश दिए।

- जिला स्वास्थ्य समिति की बैठक कर कोविड जांच, कांटेक्ट ट्रेसिंग, चिकित्सकीय सुविधाओं की उपलब्धता को लेकर दिए आवश्यक दिशा-निर्देश

कलेक्टर ने स्वास्थ्य विभाग को सतर्क रहने निर्देशित करते हुए कोविड-19 के नियंत्रण हेतु समस्त विभागों के अंर्तविभागीय समन्वय से रैपिड रिस्पांस टीम का गठन कर कोविड पॉजिटिव प्रकरणों का होम आइसोलेशन का पालन कराने एवं कांटेक्ट ट्रेसिंग पर फोकस करने कहा। उन्होंने जिला एवं विकासखंड स्तर पर कंट्रोल रूम स्थापित करने तथा कोविड जांच किट, ऑक्सीजन बेड, आईसीयू एवं वेंटिलेटर बेड, ऑक्सीजन सिलिंडर एवं आवश्यक दवाइयों की उपलब्धता सुनिश्चित करने कहा। साथ ही लोगों को सतर्क रहते हुए मॉस्क पहनने एवं सोशल डिस्टेंसिंग का पालन करने हेतु प्रेरित करने कहा। कलेक्टर ने समीक्षा बैठक में कोविड संक्रमण की रोकथाम पालन करने लोगों को जागरूक करने कहा। बैठक में सीएमएचओ डॉ. पीएस सिसोदिया, नगर निगम आयुक्त प्रतिष्ठा ममगाईं, मेडिकल कॉलेज के डीन डॉ. आर्या, डीपीएम डॉ. पुष्पेंद्र राम के अलावा स्वास्थ्य विभाग एवं जिला स्तरीय अधिकारी उपस्थित रहे।

ऐसे लक्षण वाले प्रकरणों की हो सतत निगरानी

छत्तीसगढ़ शासन, स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण विभाग द्वारा कोरोना संक्रमण दर में वृद्धि को दृष्टिगत रखते हुए संक्रमण के प्रसार की रोकथाम एवं बचाव हेतु आवश्यक दिशा-निर्देश जारी किए हैं। कहा गया है कि जिले में सर्दी, खांसी, जुकाम, बुखार के लक्षण के प्रकरणों की सतत निगरानी की जाए, ऐसे प्रत्येक प्रकरण की कोविड-19 जांच की जाए। वर्तमान में कुछ जिलों में कोविड-19 जांच संख्या अत्यंत कम है, अत: जिले अंतर्गत कोविड-19 जांच की संख्या में वृद्धि किया जाये। प्रत्येक जिले में प्रतिदिन कम से कम 100 जांच अवश्य किया जाए। कोविड-19 पॉजिटिव मरीजों के संपर्क में आए व्यक्तियों की पहचान कर उनका भी जांच कराएं। जांच यथासंभव आरटीपीसीआर विधि से ही किया जाए, जिससे प्रत्येक धनात्मक प्रकरण की जीनोम सीक्वेंसिंग जांच की जा सके। कोविड-19 प्रकरणों के उपचार हेतु अस्पतालों में बिस्तरों, ऑक्सीजन बिस्तर, आईसीयू बिस्तरों, वेंटिलेटर, मेडिकल ऑक्सीजन, दवाईयां इत्यादि की उपलब्धता सुनिश्चित किया जाए।

ऐसे लोग स्वास्थ्य सुरक्षा को लेकर रहें सावधान

वृद्धजनों एवं अन्य बीमारियों (जैसे-डायबिटीज, उच्च रक्तचाप, कैंसर, किडनी की बीमारियों) से ग्रसित एवं कम रोग प्रतिरोधक क्षमता वाले व्यक्तियों को भीड़-भाड़ वाले स्थानों में जाने से बचना चाहिए। किसी भी व्यक्ति को भीड़-भाड़ एवं कम हवादार वाले स्थानों में जाने की आवश्यकता हो, तो मास्क अवश्य लगाएं। खांसते एवं छींकते समय रूमाल या टिश्यू पेपर से मुंह एवं नाक को ढंक लें। सर्दी जुकाम वाले व्यक्तियों के संपर्क में आने से बचें। व्यक्तिगत स्वच्छता का ध्यान रखें एवं समय-समय पर हाथ धोते रहें।

गांधी स्टेडियम और पीजी कॉलेज मैदान में उन्नयन व सुविधाओं का होगा विस्तार

- कलेक्टर ने किया निरीक्षण, कार्ययोजना के बेहतर क्रियान्वयन हेतु दिए जरूरी दिशानिर्देश

छ.ग.फ्रंटलाइन अंबिकापुर। कलेक्टर कुन्दन कुमार ने शनिवार को गांधी स्टेडियम और पीजी कॉलेज ग्राउंड का निरीक्षण किया। गांधी स्टेडियम में 339.07 लाख रुपये की लागत राशि से रिनोवेशन और रूफिंग का कार्य किया जाएगा। कार्य में नागरिकों की सुविधाओं का ध्यान में रखते हुए उन्नयन, मूलभूत सुविधाओं में विस्तार शामिल है। साथ ही पीजी कॉलेज ग्राउंड में 100.60 लाख की लागत से वॉकिंग ट्रैक, लैंडस्केपिंग, सहित नागरिकों के लिए विभिन्न सुविधाओं की व्यवस्था की जाएगी। कलेक्टर कुंदन कुमार ने गांधी स्टेडियम और पीजी कॉलेज ग्राउंड का निरीक्षण कर नागरिकों की सुविधाओं को ध्यान में रखते हुए तय समय में गुणवत्तापूर्ण ढंग से कार्य पूर्ण कराने कहा है। इस दौरान नगर निगम आयुक्त प्रतिष्ठा ममगाईं और निगम के अधिकारी मौजूद थे। विदित हो कि नगर निगम अंबिकापुर में विभिन्न विकास एवं सौंदर्यीकरण कार्य के लिए 20 करोड़ रुपये की स्वीकृति नगरीय प्रशासन एवं विकास विभाग द्वारा जारी की गई है, इसमें गांधी स्टेडियम का उन्नयन तथा पीजी कॉलेज ग्राउंड में जरूरी मूलभूत नागरिक सुविधाओं के विकास एवं उन्नयन के लिए राशि की स्वीकृति भी शामिल है।

एजेंसी देना है
सीतापुर, वाड्रफनगर, चिरिमिरी
में एजेंसी देना है इच्छुक व्यक्ति सुरक्षा धन राशि के साथ संपर्क करें।
दैनिक छत्तीसगढ़ फ्रंटलाइन
अंबिकापुर सरगुजा छ.ग.
फोन नं. 9826142977, 9714108088

गूंज अभियान: चार दिनों के अंदर छह बालिका और एक बालक की दस्तयाबी

छ.ग.फ्रंटलाइन अंबिकापुर। सरगुजा पुलिस ने विशेष अभियान गूंज चलाकर 04 दिनों के अंदर 07 नाबालिगों को दस्तयाब किया है। पुलिस अधीक्षक के निर्देशन में गुम नाबालिगों की दस्तयाबी के लिए विशेष टीम का गठन किया गया था। विशेष पुलिस टीम ने सूरजपुर, रायगढ़ जिले सहित अन्य स्थानों से नाबालिगों को बरामद किया है। इन्हें स्वजनों के सुपुर्द किया गया। पुलिस महानिरीक्षक सरगुजा रेंज राम गोपाल गर्ग के मार्गदर्शन व पुलिस अधीक्षक भावना गुप्ता के निर्देशन में गुम नाबालिग बालक-बालिकाओं की दस्तायाबी के लिए विशेष अभियान गूंज चलाया जा रहा है। द्वय अधिकारियों ने नाबालिगों को बरामद करने के दिशा-निर्देश अपराध की समीक्षा बैठक में दिए थे और अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक विवेक शुक्ला, नगर पुलिस अधीक्षक स्मृतिक राजनाला, प्रशिक्षु आईपीएस चिराग जैन, अनुविभागीय अधिकारी पुलिस अखिलेश कौशिक के नेतृत्व में प्रशिक्षु उप पुलिस अधीक्षक डॉ.प्रशांत देवांगन एवं पुलिस टीम को गुम नाबालिगों के मामलों में दस्तायाबी करने निर्देशित किया गया था। इनके नेतृत्व में विशेष गठित टीम सूरजपुर, रायगढ़ पूंजीपथरा, जिले के सीतापुर, देवगढ़ एवं अन्य स्थानों पर दस्तायाबी हेतु रवाना हुई थी। इनके सतत प्रयास से अभियान अंतर्गत 04 दिनों के अंदर 07 गुम नाबालिग बालक-बालिकाओं की दस्तयाबी की गई, इनमें से 03 नाबालिग बालिकाओं को 48 घंटे के अंदर बरामद कर स्वजनों के सुपुर्द किया गया। दस्तायाब नाबालिगों में 06 बालिका एवं 01 बालक हैं। कार्रवाई में प्रशिक्षु मुख्य रूप से आईपीएस चिराग जैन, प्रशिक्षु उप पुलिस अधीक्षक डॉ. प्रशांत देवांगन, थाना प्रभारी गांधीनगर निरीक्षक धीरेन्द्र दुबे, थाना प्रभारी कोतवाली उप निरीक्षक रुपेश नारंग, सहायक उप निरीक्षक विनय सिंह, बस स्टैंड प्रभारी सहायक उप निरीक्षक अभिषेक पांडेय, रामधनी राम, महिला प्रधान आरक्षक वीना रानी तिर्की, प्रधान आरक्षक जीतेन्द्र भगत, अमित सिंह, आरक्षक विकास मिश्रा, रमेश राजवाड़े शामिल रहे।

शनिवार को कोरोना के 25 केस सामने आए

छ.ग.फ्रंटलाइन अंबिकापुर। सरगुजा जिले में कोरोना संक्रमितों की बढ़ती रफ्तार के बीच शनिवार को 25 केस सामने आए।

पुलिस अधीक्षक रात में अचानक पहुंचे विश्रामपुर व जयनगर थाना

अवैध कार्यों पर सख्ती से कार्रवाई, अपराधों की रोकथाम व आमजन में विश्वास के लिए रात्रि गश्त सतर्कता से करने के निर्देश

प्रतिनिधि छ.ग. फ्रंटलाइन

बिश्रामपुर। पुलिस थानों में कामकाज का जायजा लेने के लिए पुलिस अधीक्षक रामकृष्ण साहू ने शुक्रवार की देर रात बिश्रामपुर व जयनगर थाने का भ्रमण किया। दोनों थानों में पुलिस के कामकाज का जायजा लिया और अपराधों के निकाल एवं लंबित जब्ती माल के निराकरण की धीमी गति देख सख्त लहजे में प्रभारियों को कहा कि जल्द विधि सम्मत निराकरण न हुआ तो कड़ी कार्रवाई के लिए तैयार रहें। शराब पीकर वाहन चलाने वालों के विरूद्ध सख्ती से कार्रवाई करने के निर्देश दिए।निरीक्षण के दौरान थाना का रोजनामचा सही समय पर है अथवा नहीं इसका अवलोकन किया। थाना के रिकार्ड का अवलोकन कर किए गए कार्यवाही का दाखिला को चेक किया। थाना के सीसीटीएनएस कार्यो का जायजा लिया और ऑपरेटर से सभी प्रकार की प्रविष्टियों के बारे में जानकारी ली, सड़क हादसों के प्रकरणों का डाटा आइरेड एप समय का विशेष ध्यान रखते हुए अपलोड करने के निर्देश दिए। कई बार सड़क किनारे लगे दुकानों एवं वहां एकत्रित भीड़ के कारण सड़क दुर्घटना होती है, दुर्घटना से लोगों की सुरक्षा के लिए सड़क किनारे लगने वाले दुकानों को निर्धारित स्थान लगवाने, यातायात नियमों का उल्लघंन, शराब पीकर वाहन चलाने तथा तेज व लापरवाही पूर्वक वाहन चलाने वालों के विरूद्ध सख्त रूख अपनाते हुए मोटर व्हीकल एक्ट के तहत कार्रवाई के निर्देश दिए। पुलिस ने आमजनता से आह्वान किया है

कि सड़क किनारे अव्यवस्थित रूप से किसी प्रकार का दुकान न लगाएं, इससे सड़क दुर्घटना की स्थिति बनी रहती है। एसपी ने प्रभारियों और जवानों को निर्देशित किया कि महिलाओं, बच्चों, वृद्धजन एवं समाज के कमजोर वर्गों के प्रति संवेदनशील रहते हुए उनकी शिकायतों पर तत्काल विधि संगत कार्रवाई करते हुए उन्हें राहत दी जाए। इस व्यवस्था में किसी प्रकार की लापरवाही नहीं होना चाहिए। पुलिस थानों में किसी भी शिकायत अथवा घटना की जांच निष्पक्ष एवं पारदर्शी होनी चाहिए। जिन प्रकरणों में राहत राशि दिलाने का प्रावधान है उन मामलों में पीड़ित को तत्काल राहत राशि दिलाने संबंधी प्रक्रिया पूर्ण कराए। लंबित मामलों की जानकारी लेते हुए निराकरण शीघ्र करने व थाना क्षेत्र के गणमान्य नागरिकों से संवाद करते हुए सूचना संकलन को और मजबूत करने, समंस-वारंट की तामीली सीआरपीसी के निहित प्रावधानों के अनुसार कराने तथा बाहर से आकर क्षेत्र में डेरा लगाने वालों की चेकिंग करने के निर्देश दिए।

अवैध कार्यों पर हो कार्रवाई

पुलिस अधीक्षक श्री साहू ने कहा कि अवैध नशे के कारोबार सहित जुआ, शराब, कोयला चोरों के विरूद्ध सख्ती से कार्रवाई करें। गुंडे व बदमाशों के विरुद्ध आपराधिक रिकार्ड को दृष्टिगत रखते हुए प्रभावी प्रतिबंधात्मक कार्रवाई की जाए। साथ ही चोरी, नकबजनी सहित अन्य मामलों में फरार आरोपियों की पतासाजी कर शीघ्र गिरफ्तारी करने के निर्देश दिए। उन्होंने जवानों से कहा कि कामकाज से संबंधित किसी भी तरह की परेशानी को लेकर उनसे सीधा संपर्क किया जा सकता है।

आमजन में विश्वास के लिए करें सतर्कता से रात्रि गश्त

पुलिस अधीक्षक ने थानों के औचक निरीक्षण के दौरान पुलिस अधिकारियों व जवानों को कहा कि अपराधियों में पुलिस का खौफ, अपराधों की रोकथाम एवं नागरिकों की सुरक्षा और पुलिस के प्रति विश्वास को बढ़ावा देने के लिए क्षेत्र में रात्रि गश्त सर्तकता से करें। शुक्रवार की रात्रि में उन्होंने रात्रि गश्त का भी जायजा लिया और गश्त प्वाईन्ट पर तैनात जवानों से मुलाकात कर गश्त की बारीकियों से उन्हें अवगत कराया और उन्हें कहा कि रात्रि गश्त एक महत्वपूर्ण सुरक्षा ड्यूटी है, आम जनता में सुरक्षा का एहसास हो इसलिए पुलिस गश्त प्वाइंट व अपने बीट पर सजगता सतर्कता एवं पूर्ण सावधानी से लगातार गश्त करते हुए निगरानी रखने को कहा ताकि अपराधों पर अंकुश लगाई जा सके और गांव-शहर की सुरक्षा व्यवस्था बनी रहे। रात्रि में अनावश्यक घुमने वाले लोगों से कड़ाई से पूछताछ कर उनसे इस बात की तस्दीक करने को कहा कि वे कहां गए थे और कहां से वापस आ रहे हैं।

जनपद अध्यक्ष ने ग्रामीणों संग गोदी का काम किया

नगरी। **छ.ग. फ्रंटलाइन।** जनपद पंचायत नगरी के अध्यक्ष दिनेश्वरी नेताम ने अपने जनपद क्षेत्र मेचका के ग्राम ठेनही और तुमड़ीबहार में मनरेगा के तहत बन रहे अमृत सरोवर में ग्रामवासियों के साथ मिट्टी (गोदी) का काम कर उनका उत्साहवर्धन किया।

एनएच 43 किनारे शासकीय भूमि पर अवैध अतिक्रमण करने मची होड़

प्रतिनिधि छ.ग. फ्रंटलाइन

बिश्रामपुर। संभाग मुख्यालय से लगे ग्रामों में शासकीय भूमि पर बेजा कब्जा का कारोबार जमकर चल रहा है। बेजा कब्जाधारियों में प्रशासन का भय भी बिल्कुल न दिखने से स्थानीय लोगों में नाराजगी व्यापत है। सूरजपुर ब्लाक अंतर्गत ग्राम पंचायत सिलफिली, मदनपुर, रविन्द्रनगर, अजबनगर, महावीरपुर व संजयनगर में एनएच 43 किनारे स्थित शासकीय भूखड़ों में अवैध बेजा कब्जा का कारोबार लंबे अरसे से चल रहा है।

इसी तारतम्य में ग्राम पंचायत कमलपुर में राष्ट्रीय राजमार्ग क्रमांक 43 किनारे स्थित खसरा नंबर 137, 176 रकबा 0.40, 2.15 हेक्टेयर भूमि में से रकबा 0.12, 0.12 हेक्टेयर बड़े झाड़ के शासकीय भूमि पर अंबिकापुर निवासी एक व्यक्ति द्वारा अवैध रूप से बेजा कब्जा कर बाउंड्रीवाल करा दिया गया है। मामले में लटोरी तहसीलदार द्वारा 11 अप्रैल को आदेश जारी कर बेजा कब्जा हटाये जाने के निर्देश दिए गए हैं। बावजूद इसके आज तक उक्त शासकीय भूमि से बेजा कब्जा से बेदखली न होने से स्थानीय लोगों में नाराजगी व्याप्त है। स्थानीय लोगों का कहना है कि उक्त शासकीय भूमि से अवैध कब्जा हटाने जल्द ही कोई कार्रवाई नहीं की गई तो मजबूरन उग्र आंदोलन करने विवश होना पड़ेगा।

गांवों की धड़कन सुनाती है किताब- गांव अभी जीयत हे

रायपुर। छ.ग. फ्रंटलाइन। कोई लेखक या कवि जब अपने अनुभवों को शब्दों की मोतियों से पिरोकर उसे साहित्य रूपी माला का स्वरूप देता है तो वह साहित्य स्वयं में जीवंत हो जाता है। कुछ ऐसा ही जीवंत कहानियों का संकलन किया गया है सुप्रसिद्ध रचनाकार, लेखक श्री अशोक नारायण बंजारा द्वारा लिखित पुस्तक 'गांव अभी जीयत हे' में। स्कूल शिक्षा मंत्री डॉ. प्रेमसाय सिंह टेकाम ने बतौर मुख्य अतिथि आज होली हार्ट्स एजुकेशनल अकादमी सिविल लाइन में छत्तीसगढ़ हिंदी साहित्य परिषद रायपुर की ओर से आयोजित गरिमामय समारोह में किताब के अवसर पर इस आशय के विचार व्यक्त किए। उन्होंने कहा कि कहानियों के संकलन अपने आप में गांवों की धड़कन संजोये हुए हैं। इनकी कहानियां गांवों की यादों को तरोताजा करेंगी।

मंत्री डॉ. टेकाम ने कहा कि कोई भी व्यक्ति किसी भी विधा में संघर्ष करने के बाद ही अपना नाम रोशन करता है। लेखक श्री बंजारा ने भी संघर्ष किया है। इस किताब में उनकी कहानी के रूप में उनका संघर्ष भी निहित है। उनके साहित्य में नैसर्गिकता और मौलिकता है। उन्होंने इस अवसर पर श्री बंजारा इस पुस्तक के लेखन और प्रकाशन के लिए बधाई एवं शुभकामना दी।

कार्यक्रम की अध्यक्षता वरिष्ठ साहित्यकार डॉ. जे.आर. सोनी ने की। विशिष्ठ अतिथि के रूप में वरिष्ठ साहित्यकार ईश्वरी प्रसाद यादव, होली हार्ट्स एजुकेशनल अकादमी के अध्यक्ष व संस्थापक आचार्य सुरेंद्र प्रताप सिंह, अतिथि वक्ता में वरिष्ठ साहित्यकार डॉ. मृणालिका ओझा, रामेश्वर वर्मा, डॉ. माणिक विश्वकर्मा, श्री संतोष कश्यप आदि मौजूद थे। सभी ने पुस्तक के साहित्य पर अपने विचार व्यक्त किए।

लेखक श्री अशोक नारायण बंजारा ने कहा कि लेखक के साहित्य की समालोचना भी होनी चाहिए ताकि वह अपनी गलतियों को दोबारा सुधार सके। उन्होंने कहा कि इस ग्रंथ में उनके मित्रों, स्वजनों, उनकी पत्नी की अहम भूमिका रही। श्री बंजारा द्वारा लिखत यह किताब कहानियों का दूसरा संकलन है। इसके कवर पेज की डिजाइन शिवांश इंटरनेशनल स्कूल कुंरा की डायरेक्टर हिमांशी शर्मा ने की है। इसमें 18 कहानियों को चयनित किया गया है। प्रत्येक कहानी विषय बिंदु को विस्तार देती हुई लक्ष्य तक पहुंचती है। संकलन की चार कहानियां 'हिरदे के सपना', 'गढ़ कलेवा', 'मोर चंदा' और 'संगवारी के छइहां' पूरी तरह से नायिका प्रधान है। इसी तरह 'हिरदे के सपना' की रोशनी शादी होने के बाद अपना सपना पूरा करने के लिए घर-गृहस्थी का काम संभालने के लिए अध्ययन जारी रखती है। परीक्षा सफल करने के बाद वह शिक्षिका बन जाती है। कहानी में लेखक ने बखूबी बयां किया है कि किस तरह आजकल छत्तीसगढ़ की कस्बाई भाषा के दर्शन होते हैं। गांवों में अब ठेठ छत्तीसगढ़ी बोलने वाले बुजुर्गों की कमी होने लगी है। जगह-जगह पाठशालाएं खुल गई हैं, जहां शिक्षा के माध्यम हिंदी है। इसी कारण छत्तीसगढ़ी में हिंदी का प्रभाव देखने में आ रहा है।

कुरुवां में युवक ने फांसी लगाकर की आत्महत्या

प्रतिनिधि छ.ग. फ्रंटलाइन

बिश्रामपुर। क्षेत्र के ग्राम पंचायत कुरुवां केनापारा में एक युवक ने बीती रात घर में ही फांसी लगाकर आत्महत्या कर लिया है। पुलिस ने बताया कि ग्राम पंचायत कुरुवां केनापारा निवासी 40 वर्षीय इंद्राज राम राजवाड़े पिता रामप्रसाद राजवाड़े पिछले कुछ समय से जुआ खेलता था, जिस वजह से कर्ज में डूब गया था।

युवक के परिजन द्वारा आएदिन समझाइस भी दिया जाता था, लेकिन युवक सामाजिक कुरीति से दूर नहीं हो सका। कर्ज अधिक हो जाने से युवक ने शुक्रवार की देर रात घर में ही फांसी लगाकर आत्महत्या कर लिया है। सूचना पर पुलिस ने शव पंचनामा पीएम उपरांत शव परिजन के सुपुर्द कर मर्गकायम कर विवेचना शुरू कर दिया है।

छत्तीसगढ़ फसल बीमा के क्रियान्वयन में देश के अग्रणी राज्यों में शुमार

रायपुर। छ.ग. फ्रंटलाइन। छत्तीसगढ़ में प्रधानमंत्री फसल बीमा योजना के बेहतर एवं सफल क्रियान्वयन के लिए भारत सरकार के कृषि एवं कृषक कल्याण विभाग द्वारा छत्तीसगढ़ को उत्कृष्ट पुरस्कार से सम्मानित किया गया है। मुख्यमंत्री श्री भूपेश बघेल एवं कृषि मंत्री श्री रविन्द्र चौबे ने इस सम्मान के लिए कृषि विभाग के अधिकारी-कर्मचारी को बधाई एवं शुभकामनाएं दी। गौरतलब है कि प्रधानमंत्री फसल बीमा के क्रियान्वयन में छत्तीसगढ़ देश भर में अग्रणी राज्यों में शुमार है।

भारत सरकार के कृषि एवं कृषक कल्याण विभाग द्वारा आज राजधानी रायपुर में आयोजित 9 वी राष्ट्रीय समीक्षात्मक कार्यशाला भारत सरकार के सचिव श्री मनोज आहूजा ने छत्तीसगढ़ के कृषि उत्पादन आयुक्त डॉ. कमलप्रीत सिंह को उत्कृष्ट पुरस्कार से सम्मानित करते हुए प्रशस्ति पत्र सौंपा। इस मौके पर कृषि विभाग के विशेष सचिव डॉ. अय्याज एफ तम्बोली, संचालक कृषि श्रीमती रानू साहू, संचालक उद्यानिकी विभाग श्री व्ही. माथेश्वरण, अपर संचालक उद्यानिकी श्री भूपेन्द्र पाण्डेय और संयुक्त संचालक कृषि श्री बी.के मिश्रा भी उनके साथ थे।

राष्ट्रीय समीक्षात्मक कार्यशाला में जानकारी दी गई कि भारत सरकार की महत्वाकांक्षी योजना प्रधानमंत्री फसल बीमा योजना का छत्तीसगढ़ में राष्ट्रीय फसल बीमा पोर्टल की स्वचलित गणना और निपटान के लिए डिजीक्लेम मॉड्यूल के सफलतापूर्वक क्रियान्वयन किया गया है। साथ ही पोर्टल दर्ज करने और बीमा का लाभ किसानों तक पहुंचाने उल्लेखनीय सफलता हासिल की है। छत्तीसगढ़ में इस योजना के तहत वर्ष 2022-23 में 6 लाख 77 हजार 558 पात्र किसानों को फसल बीमा का लाभ दिलाया गया है। किसानों को बीमा राशि के रूप में 192.41 करोड़ रूपए की राशि दी गई है।

हल्की वर्षा से मौसम हुआ सुहावना, अंधड़ व वर्षा के आसार

रायपुर। छ.ग. फ्रंटलाइन। प्रदेश में पिछले कुछ दिनों से लगातार मौसम में बदलाव देखने को मिल रहा है। कभी तेज गर्मी, तो कभी अचानक से भारी बारिश हो रही है। द्रोणिका के प्रभाव से प्रदेशभर में मौसम का मिजाज बदला हुआ है और बाहर से आने वाली नम हवाओं के प्रभाव से गर्मी का प्रभाव कम है। मौसम विभाग का कहना है कि प्रदेश में आने वाले दो-तीन दिन मौसम का मिजाज ऐसा ही रहेगा। द्रोणिका के प्रभाव से शनिवार को प्रदेश के विभिन्न क्षेत्रों में अंधड़ चलने और हल्की वर्षा के आसार हैं। हालांकि अधिकतम तापमान में कोई विशेष बदलाव नहीं होगा।

राष्ट्रीय अग्निशमन सेवा दिवस पर एनटीपीसी ने वीर सपूतों को किया याद

कोरबा। छ.ग. फ्रंटलाइन। राष्ट्रीय अग्निशमन सेवा दिवस के अवसर पर अग्नि सुरक्षा बचाव कार्य में शहीद हुए अग्निशमन अधिकारी/कर्मचारी के शहादत को याद करते हुए एनटीपीसी कोरबा संयंत्र के फायर स्टेशन में एनटीपीसी के अधिकारियों/कर्मचारियों एवं सीआईएसएफ के जवानों द्वारा श्रद्धासुमन अर्पित कर दो मिनट का मौन धारण वीर सपूतों को याद किया गया।

इस अवसर पर अग्निशमन विभाग के अति.कमांडेंट अशोक प्रसाद सिंह ने अपने उद्बोधन में कहा 1944 में मुंबई बंदरगाह में अग्निशमन कर्मी आग की चपेट में आकर वीरगति को प्राप्त हुए थे। उन्हीं की शहादत को याद करते हुए प्रति वर्ष की भांति इस वर्ष भी अग्निशमन सेवा सप्ताह का शुभारंभ किया गया। उन्होंने बताया कि 14 अप्रैल से 20 अप्रैल तक चलने वाली इस अग्निशमन सेवा सप्ताह जागरूकता अभियान के के दौरान एनटीपीसी आवासीय परिसर सहित आस पास के क्षेत्रों में निवासरत जनता एवं संयंत्र के अधिकारी, कर्मचारियों एवं कामगारों को अग्नि सुरक्षा के प्रति जागरूक करने के लिए एक अति महत्वपूर्ण अभियान चलाया जाएगा साथ ही केंद्रीय विद्यालयए डीपीएसएनजदीकी शासकीय विद्यालय के बच्चों के लिए निबंधएड्राइंगएसामान्य ज्ञान एवं क्विज आदि प्रतियोगिता का आयोजन किया जाएगा।साथ ही और भी अनेक प्रतियोगिता का आयोजन किया जाएगा।साथ ही संयंत्र के खतरनाक जगहों पर मॉक ड्रिल किया जाएगा।

उन्होंने विगत वर्ष में केसुब की अग्निशमन स्कंध के द्वारा किए गए सेवा का जानकारी साझा करते हुए कहा संयंत्र के अंदर और बाहर कुल 42-23-19 फायर कॉल, 05-32 स्पेशल कॉल अटैंड किया गया है और 1866 स्टैंडबाई ड्यूटी निभाते हुए बेहतरीन सेवायें प्रदान की गई हैं और संयंत्र के उत्पादन में अहम् भूमिका निभाई है। इस दौरान श्री सिंह ने अग्निशमन सेवा सप्ताह -2023 के पालन में सभी के सक्रिय और रचनात्मक सहयोग की अपेक्षा रखते हुए विश्वास दिलाया कि केन्द्रीय औद्योगिक सुरक्षा बल का अग्निशमन स्कंध, केऔसुब के ध्येय वाक्य ष्संरक्षण एवं सुरक्षा को चरितार्थ करते हुए संयंत्र में अग्निशमन, बचाव एवं अग्निरोधी कार्यों को बखूबी अंजाम देता रहेगा और आवश्यकता पड़ने पर आस-पास के क्षेत्रों में भी अग्निशमन एवं बचाव कार्य में स्थानीय प्रशासन का हर संभव सहयोग प्रदान करेगा। इस दौरान मुख्य अतिथि बी रामचंद्र राव मुख्य महाप्रबंधक एनटीपीसी कोरबा के द्वारा अग्निशमन वाहन को हरी झंडी दिखाकर क्षेत्र के जन मानस को जागरूक करने रवाना किया गया।

इस दौरान मुख्य अतिथि बी.रामचंद्र राव मुख्य महाप्रबंधक सहित अन्य अतिथियों ने फायर स्टेशन में बने वीर जवानों के स्मारक पर पुष्पांजलि अर्पित कर नमन किया, तत्पश्चात उपस्थित सभी अधिकारियों-कर्मचारियों एवं जवानों को अग्निशमन में सतर्कता एवं सजग रहने की शपथ दिलाई और अग्निशमन विभाग द्वारा लिखी गई अग्निशमन पाम्पलेट एवं पुस्तक का अनावरण किया। मुख्य महाप्रबंधक श्री राव ने अग्निशमन विभाग में अपना सेवा प्रदान करने वाले जवानों की सराहना करते हुए कहा की जीवन बहुत मूल्यवान है लेकिन अपने जीवन को जोखिम में डाल कर देश की सेवा करने वाले जाबांजो को सावधानी के साथ कार्य करना होगा। उन्होंने आगे कहा अग्नि एक ऐसा स्रोत है जिसके वजह से देश की तरक्की हो रही है जब तक अग्नि अपने काबू में है तब तक इस से बड़ा स्रोत उद्योगी कोई नहीं है। कार्यक्रम के मुख्य अतिथि श्री राव के साथ एनटीपीसी के विभिन्न विभाग के प्रमुख,जनसंपर्क अधिकारी, सीआईएसएफ के कमांडेंट अभिषेक चौधरी सहित अन्य अधिकारी एवं कर्मचारीगण मौजूद थे।

ईमली लेकर कारोबारी को नहीं दिए 15 लाख, तमिलनाडु के दंपती पर ठगी का केस दर्ज

रायपुर। छ.ग. फ्रंटलाइन। रायपुर के एक इमली कारोबारी से करीब 15 लाख रूपये की ठगी का मामला सामने आया है। कोर्ट के आदेश पर गोलबाजार थाना पुलिस ने ठगी करने वाले तमिलनाडु के रहने वाले कारोबारी दंपत्ती के खिलाफ चार सौ बीसी का केस दर्ज कर लिया है। फिलहाल आरोपितों की गिरफ्तारी नहीं की गई है। जल्द ही पुलिस की एक टीम तमिलनाडु जाकर गिरफ्तारी की कार्रवाई करेगी। गोलबाजार पुलिस से मिली जानकारी के अनुसार बांसटाल मेन रोड निवासी गुलाम गौस जिलानी (49) ईमली का व्यसाय करते है। उनकी कमला सुपर मार्केट तेलीबांधा में पेसिफिक वेस्टर्न कमोडिटिज नाम से दफ्तर है। 25 अक्टूबर 2018 को जय हनुमान इंपोर्ट एंड एक्सपोर्ट शिवानी कांपलेक्स कुमार पालियम मेन रोड आवाति पालियम, पल्लिपालियम जिला नमककल (तामिलनाडु) के संचालक सेवलराज ने 24 लाख 70 हजार 577 रूपये की इमली खरीदने सौदा तय किया।

बाबा साहब के दिखाये रास्ते पर चलकर लोकतांत्रिक व्यवस्था की मजबूती के लिए करें काम : मुख्यमंत्री

रायपुर। **छ.ग. फ्रंटलाइन।** डॉ. बाबा साहब भीमराव अंबेडकर के दिखाये रास्ते पर चलकर हमें लोकतांत्रिक व्यवस्था की निरंतर मजबूती के लिए कार्य करना है। उनके जैसा संघर्ष विरले ही कर पाते हैं, लेकिन कोशिश हम सभी कर सकते हैं कि उनके मूल्यों पर चलकर उनके दिखाये रास्ते पर चलकर अपने लोकतंत्र को सुदृढ़ करने निरंतर काम कर सकें। मुख्यमंत्री श्री भूपेश बघेल ने इस आशय के विचार आज बुद्ध विहार सेक्टर-6 भिलाई में आयोजित डॉ. बाबा साहब अंबेडकर सार्वजनिक जयंती समारोह में व्यक्त किए। कार्यक्रम में मुख्यमंत्री श्री भूपेश बघेल ने डॉ. बाबा साहब भीमराव आंबेडकर द्वारा स्थापित दि बुद्धिस्ट सोसायटी ऑफ इंडिया के सेक्टर-6 भिलाई में बुद्ध विहार में चल रहे निर्माण कार्य को पूर्ण करने के लिए 25 लाख रुपए राशि देने की घोषणा भी की।

मुख्यमंत्री भूपेश बघेल ने कहा कि बाबा साहब अंबेडकर ने संविधान में सबसे अच्छे आदर्शों को शामिल किया गया। बाबा साहेब अंबेडकर ने अपना पूरा जीवन देश सेवा में समर्पित किया।

बाबा साहब ने जो संविधान बनाया, उसमें अंतिम व्यक्ति की आवाज भी सुनाई देती है और उसका असर होता है। उन्होंने कहा कि बाबा साहब ने जो मंत्र दिया, उस रास्ते पर चलकर हमें देश को मजबूत करने की जरूरत है। बाबा साहब हमेशा संगठित होने और शिक्षा पर जोर देते थे। उनका कहना था कि एक शिक्षित राष्ट्र ही महानता की ओर बढ़ता है। भारत में अंग्रेजों की नीति फूट डालो और राज करो की थी। बाबा साहब ने इस बात को समझा और समाज को संगठित होने का संदेश दिया। आजाद भारत में हम इस उद्देश्य को लेकर आगे बढ़े।

मुख्यमंत्री ने कहा कि हमें संविधान की गरिमा को अक्षुण्ण रखने के लिए कार्य करना है। हमारे संविधान से ही हमारे लोकतांत्रिक व्यवस्था की मजबूती है। इसके लिए हमें काम करना है। उन्होंने कहा कि हमारी पीढ़ी की जिम्मेदारी है कि लोकतांत्रिक व्यवस्था को सुदृढ़ करने लगातार काम करें। बाबा साहब ने देश को लेकर जो सपने देखे, उन सपनों को मूर्त रूप देने के लिए निरंतर कार्य करते रहें। हमारे पुरखों ने जो आधुनिक भारत की नींव रखी उसे मजबूत इमारत बनाने का काम करें।

गृह मंत्री ताम्रध्वज साहू ने कहा कि बाबा साहब ने संविधान निर्माता के रूप में देश को एक आदर्श संविधान दिया है। हमें निरंतर उनके दिखाये रास्ते पर चलना है। इस मौके पर विधायक देवेंद्र यादव, महापौर नीरज पाल, केंद्रीय सहकारी बैंक के अध्यक्ष राजेंद्र साहू, अंत्यावसायी निगम की उपाध्यक्ष सुश्री नीता लोधी, संभागायुक्त महादेव कांवरे सहित अन्य जनप्रतिनिधि तथा अधिकारीगण उपस्थित थे।

नरवा विकास : वनांचल के लगभग 5 हजार हेक्टेयर भूमि में हो रहा चारागाह विकास

रायपुर। छ.ग. फ्रंटलाइन। छत्तीसगढ़ में नरवा विकास कार्यक्रम के तहत वनांचल स्थित नालों में काफी तादाद में भू-जल संवर्धन संबंधी कार्य कराए जा रहे है।

इसके अंतर्गत कैम्पा मद की वार्षिक कार्य योजना 2022-23 में 11 करोड़ 79 लाख रूपए की स्वीकृत राशि से वन क्षेत्रों के 4 हजार 751 हेक्टेयर क्षेत्र में चारागाह विकास का कार्य प्रगति पर है। वन एवं जलवायु परिवर्तन मंत्री श्री मोहम्मद अकबर ने इसे वन्य प्राणियों के भोजन तथा रहवास सुधार के लिए काफी उपयोगी बताया है।

गौरतलब है कि वर्ष 2022-23 में ही छत्तीसगढ़ प्रतिकरात्मक वनरोपण, निधि प्रबंधन एवं योजना प्राधिकरण ''कैम्पा'' की वार्षिक कार्य योजना के तहत 1 हजार 503 नालों का चयन कर 6 लाख हेक्टेयर से अधिक भूमि का उपचार जारी है। इनमें 29 लाख से अधिक भू-जल संबंधी संरचनाओं का निमार्ण किया जा रहा है। इनके निमार्ण के लिए प्रदेश के 32 वनमंडल, 2 राष्ट्रीय उद्यान, 3 टाइगर रिजर्व तथा 1 ऐलीफेंट रिजर्व में 300 करोड़ रूपए से अधिक की राशि स्वीकृत है।

इस संबंध में प्रधान मुख्य वन संरक्षक एवं वन बल प्रमुख श्री संजय शुक्ला ने बताया कि कैम्पा के तहत वर्ष 2022-23 में प्रदेश के वनांचल स्थित 239 स्थलों का चयन चारागाह विकास के लिए किया गया है। इनमें सर्वाधिक 85 स्थलों का चयन वन्य प्राणी संरक्षण के अंतर्गत किया गया है। यहां स्वीकृत 4 करोड़ 93 लाख रूपए की राशि से 1 हजार 955 हेक्टेयर भूमि में चारागाह विकास किया जा रहा है।

स्थानीय युवाओं को रोजगार देने की मांग को लेकर मानिकपुर खदान में पांच घंटे किया प्रदर्शन

कोरबा। छ.ग. फ्रंटलाइन। मानिकपुर खदान में नियोजित ठेका कंपनियों में स्थानीय को नौकरी देने की मांग लेकर काम बंद करा दिया। लगभग पांच घंटे तक काम बंद रहने के बाद आंदोलनकारियों को समझाइश दी गईए तदुपरांत आंदोलन खत्म हुआ। आंदोलन से खदान में कोयला उत्पादन व डिस्पैच प्रेषण प्रभावित रहा। साउथ इस्टर्न कोलफिल्ड्स लिमिटेड एसईसीएल की मानिकपुर खदान में कोयला उत्पादन व मिट्टी निकासी का काम आउटसोर्सिंग के माध्यम से कराया जा रहा है।

चेतना विकास मूल्य शिक्षा प्रशिक्षण डाईट में हुआ सम्पन्न

मुख्य अतिथि के रूप में सम्मिलित हुए डीआईजी एवं वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक

जीवन का आधार श्रद्धा और विश्वास, चेतना स्थाई एवं जागृत, जबकि मन का स्वभाव चंचल है - एसपी डी. रविशंकर

छ.ग.फ्रंटलाइन

जशपुरनगर। चेतना विकास मूल्य शिक्षा पांच दिवसीय प्रशिक्षण के अंतिम दिन समापन में डीआईजी एवं वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक डी. रविशंकर जिला शिक्षा एवं प्रशिक्षण संस्थान जशपुर में बतौर मुख्य अतिथि शामिल हुए. उन्होंने इस प्रशिक्षण में डाईट के डीएलएड के छात्राध्यापकों ने व्याख्यान दिया। इस अवसर पर सर्वप्रथम विद्यादायिनी माँ सरस्वती की प्रतिमा पर पुष्प अर्पित कर दीप प्रज्वललित किया गया एवं वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक का संस्था की ओर से स्वागत किया गया. डीआईजी एवं वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक डी. रविशंकर जिला शिक्षा एवं प्रशिक्षण संस्थान के प्रशिक्षार्थियों को विषय के संबंध में व्याख्यान दिया उन्होंने कहा कि जीवन का आधार श्रद्धा और विश्वास है। जीवन जानने और समझने का विषय है. उन्होंने कहा कि चेतना और मन में अंतर है, इस पर विस्तारपूर्वक बताया कि किसका अस्तित्व स्थाई है और उसके सापेक्ष क्या क्या बदलता है, मन कुण्डलियों के सहारे चलती है, बुद्धि में समझ होती हैं। चेतना बहुत बड़ा शब्द है। चेतना शब्द बहुत विशाल है, इस पर पी.एच.डी किया जा सकता है, यह सामान्य विषय नहीं है, चेतना हमेशा स्थाई एवं जागृत रूप में रहती है हमें अपनी विभिन्न माध्यमों से जागृत रखना है, मन का स्वभाव ही चंचल है जबकि चेतना सारी गतिविधियों को देखते रहती है, लेकिन हमें तुरंत ही अवगत नहीं कराती है, उन्होंने बताया कि चेतना के चार भाग है और चारों भाग अपने समय पर अपना अपना-अपना काम करते हैं। उन्होंने छात्र-छात्राओं से पूछा कि आप जीवन के बारे जानते हैँ या मानते है, ईश्वर को जानते है या मानते है, जैसे प्रश्न पूछ कर चेतना को परिभाषित किया फिर उन्होंने कहा कि जीवन को जानने, जाँच करने एवं समझने की आवश्यकता है। वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक के व्दारा आज बच्चों से ढेरों बातें एवं प्रशिक्षण में विषय के संबंध में विचार साझा किये और उन्होंने उन सभी बच्चों की प्रशंसा की उनके क्षमता विकास के समझ उन्होंने कहा कि यह प्रशिक्षण हर व्यक्ति के लिए आयोजित होना चाहिए, जिससे लोग खुशहाल हो सकें। प्रशिक्षण प्रभारी आर.बी.चौहान ने भी सम्बोधित करते हुए कहा कि दुध, दही, छाछ, मक्खन, घी सब एक ही वंश के हैं. फिर भी सबकी कीमत अलग है, क्योंकि श्रेष्ठता जन्म से नहीं बल्कि अपने कर्म, कला और गुणों से प्राप्त होती है।मानव का असली मुकाबला केवल खुद से है, अगर आज आप खुद को कल से बेहतर बनाते हो तो यह आपकी बड़ी जीत है। जीवन को मानना नहीं जानना है, इस पर जाँचना और सर्वे करना है, सोच समझकर जीवन में फैसला लेना है तभी जीवन की सार्थकता है। उन्होंने कहा कि चेतना विकास जीव चेतना से मानव चेतना में संक्रमण ही चेतना विकास है। इसका विकास न्यून मूल्य से अधिक मूल्य की ओर परिणाम ही विकास है। गुणात्मक परिणाम ही विकास है, चारों अवस्था में संतुलनकारी सामंजस्य एवं समन्वयपूर्वक गुणात्मक परिवर्तन ही विकास है। स्काउट गाइड के संयुक्त सचिव सरीन राज ने कहा कि स्वयं को जानना सभी ज्ञान की शुरुआत है। हमारा लक्ष्य श्रेष्ठ वार जिन्दगी की लम्बाई नहीं, बल्कि गहराई मायने रखती है, एक अच्छी जिन्दगी हमें जीनी है काटनी नहीं है, उन्होंने कहा कि हर इंसान चाहता है कि वह बहुत अच्छी जिंदगी जिए, लेकिन कभी-कभी जिन्दगी ऐसे करवट लेती है कि इंसान फिर जिन्दगी जीता नहीं बल्कि वो जिन्दगी को काटना शुरु कर देता है। ये हिस्सा जिन्दगी का सबसे बुरा हिस्सा होता है, ये हर उस इंसान को सोचने पर मजबूर कर देता है कि एक अच्छी और बेहतरीन जिन्दगी कैसे जियें। उन्होंने कहा कि जिन्दगी तो सभी जी लेते हैं, पर जिन्दगी को अच्छे और बेहतरीन ढंग से कैसे जीना है। ये बहुत सारे लोग समझ ही नहीं पाते। जीवन न तो भविष्य में है और न ही अतीत में है जीवन तो केवल वर्तमान में है। जीवन में प्रयास सदैव कीजिए लक्ष्य मिले या अनुभव दोनो ही अमूल्य है। प्रशिक्षण के प्रशिक्षक के रूप में आशुतोष नीरज, उतम कुमार यादव एवं मनोजकुमार पाण्डेय ने भी अपना विचार साझा किया। छात्राध्यापकों में कु. दिव्या पाठक, गोपाल भगत, हीरालाल रितिका भगत एवं अन्य बहुत सारे छात्राध्यापकों ने अपना विचार एवं अनुभव साझा किए, कार्यक्रम में छात्राध्यापकों की रुचि एवं उत्साह देखा गया।

जशपुर जिला पंचायत सीईओ ने सामाजिक आर्थिक सर्वेक्षण के कार्यों का निरीक्षण किया

मनोरा और बगीचा विकाखण्ड में सर्वेक्षण कार्य का अवलोकन कर सर्वे टीम को किया प्रोत्साहित

छ.ग.फ्रंटलाइन

जशपुरनगर। जिले में 01 अप्रैल से छत्तीसगढ़ सामाजिक आर्थिक सर्वेक्षण कार्य प्रारंभ कर दिया गया है। सामाजिक आर्थिक सर्वेक्षण का कार्य शासन की सर्वोच्च प्राथमिकताओं में से है। जिससे पूरा करने में सभी विकाखण्ड के सर्वे टीम अपना योगदान दे रहे हैं। कलेक्टर डॉ. रवि मित्तल के निर्देशन में जिला प्रशासन की टीम भी कार्य में लगा हुआ है। इसी कड़ी में आज जिला पंचायत के मुख्य कार्यपालन अधिकारी श्री जितेन्द्र यादव ने मनोरा विकासखण्ड के ग्राम पंचायत सोनक्यारी, ग्राम पंचायत तलासिली, ग्राम पंचायत बेंजोरा एवं बगीचा विकाखण्ड के ग्राम पंचायत तोरा, ग्राम पंचायत कोपा, ग्राम पंचायत सन्ना, ग्राम पंचायत लोरो और ग्राम बम्हनी में पहुंचकर सामाजिक आर्थिक सर्वेक्षण के कार्यों का निरीक्षण किया। उन्होनें इस दौरान सर्वेक्षण के कार्यो का अवलोकन कर सर्वे टीम से चर्चा किया। साथ ही आवश्यक दिशा-निर्देश दिए और सर्वे टीम को प्रोत्साहित किया। जिला पंचायत सीईओ ने सर्वे कार्य को तेजी से पूरा करने के लिए कहा साथ ही कार्य गुणवत्तापूर्ण एवं त्रुटिरहित हो इसका भी विशेष ध्यान देने की बात कही। उन्होंने परिवार की मुखिया बुजुर्ग माता को सर्वे कार्य में आए कर्मचारियों को सर्वे की जानकारी देने के लिए उत्साहित किया। लोगों से सर्वे देने के संबंध में की जानकारी ली। लोगो नें बताया कि अपने घर, आवास, राशन आदि की जानकारी सर्वे टीम को दी जा रही है। उन्होंने निरीक्षण के दौरान ग्राम पंचायत तलासिली के सर्वेक्षण कार्य में उपस्थित 105 वर्ष कि दादी से भी चर्चा की।

घर का ताला तोड़कर जेवरात एवं नगदी रूपयें पार करने वाले तीन चोर गिरफ्तार

छ.ग. फ्रंटलाइन

रायपुर। सूने मकान का ताला तोड़कर सोने-चांदी के जेवरात सहित नकदी पार करने वाले 3 चोर गिरफ्तार हुए हैं। आरोपियों के कब्जे से सोने चांदी के जेवरात, सिक्के, बरतन तथा नकदी रकम बरामद हुई है। मामला उरला थाना के बीरगांव का है। 9 अप्रैल को प्रार्थिया और उसके परिवार वाले दुकान में ही सो गये थे और घर पर ताला लगा हुआ था। प्रार्थिया परिवार के साथ 10 अप्रैल को बंजारी नगर बीरगांव स्थित घर पहुंची तो देखा कि घर के दरवाजा का ताला टूटा हुआ था। घर अंदर प्रवेश कर देखा तो पाया कि अलमारी व बक्से का ताला टूटा हुआ था, आलमारी में रखे सोनाटा कंपनी की 4 घड़ी तथा बक्से में रखे चांदी का पायल 2 जोड़ी, चांदी की करधन, चांदी के सिक्के 46 नग ,सोने की फुल्ली 3 नग तथा 1 नग फुलकांस का लोटा, 3 जोड़ी चांदी का बिछीया, चांदी का गले का हार तथा नगदी रकम नही थे। कोई अज्ञात चोर घर के दरवाजा का ताला तोड़कर घर अंदर प्रवेश कर आलमारी में रखे उक्त मशरूका को चोरी कर फरार हो गया था। जिस पर अज्ञात आरोपी के विरूद्ध थाना उरला में अपराध क्रमांक 163/2023 धारा 457, 380 भादवि. का अपराध पंजीबद्ध किया गया। वरिष्ठ पुलिस अधिकारियों के निर्देशन व थाना प्रभारी उरला के नेतृत्व में थाना उरला पुलिस द्वारा घटना के संबंध में प्रार्थिया, उसके परिवार के सदस्यों सहित आस-पास के लोगों से विस्तृत पूछताछ करते हुए अज्ञात आरोपी की पतासाजी करना प्रारंभ किया गया। टीम के सदस्यों द्वारा घटना स्थल तथा उसके आस-पास लगे सी.सी.टी.व्ही. कैमरों के फुटेजों का अवलोकन करने के साथ ही प्रकरण में अज्ञात आरोपी की पतासाजी हेतु मुखबीर भी लगाये गये। इसी दौरान टीम के सदस्यों को घटना में संलिप्त आरोपी के संबंध में महत्वपूर्ण जानकारी प्राप्त हुई जिस पर टीम के सदस्यों द्वारा खमतराई निवासी संदीप देशलहरे को पकड़कर घटना के संबंध में कड़ाई से पूछताछ करने पर उसके द्वारा अपने अन्य 02 साथी गोविन्द चतुर्वेदानी एवं खिलेश धृतलहरे के साथ मिलकर उक्त चोरी की घटना को अंजाम देना स्वीकार किया। जिस पर टीम के सदस्यों द्वारा घटना में संलिप्त अन्य दोनो आरोपीयों की भी पतासाजी कर पकड़ा गया। तीनों आरोपियों को गिरफ्तार कर उनके कब्जे से सोने चांदी के जेवरात/सिक्के/बरतन तथा नगदी रकम जुमला कीमती 50,000/- रूपये जप्त कर आरोपियों के विरूद्ध कार्यवाही की गई।

गिरफ्तार आरोपी- संदीप देशलहरे पिता रामनारायण देशलहरे उम्र 27 साल निवासी महराजपुर धमधा जिला बेमेतरा हाल शुक्रवारी बाजार मस्जिद के पास बंजारी नगर खमतराई रायपुर। गोविन्द चतुर्वेदी पिता यशवंत चतुर्वेदी उम्र 19 साल निवासी शुक्रवारी बाजार बीरगांव थाना उरला जिला रायपुर। खिलेश धृतलहरे पिता सोमनाथ धृतलहरे उम्र 19 साल निवासी शुक्रवारी बाजार ईमली पेड़ के पास बीरगांव थाना उरला जिला रायपुर।

धर्मांतरण कराने वालों को भूपेश सरकार का संरक्षण: बृजमोहन

छ.ग.फ्रंटलाइन

रायपुर। डी-लिस्टिंग को लेकर हो रहे आंदोलन में भाजपा की भूमिका को लेकर मुख्यमंत्री भूपेश बघेल की टिप्पणी पर वरिष्ठ भाजपा विधायक बृजमोहन अग्रवाल ने कहा है कि उनकी कांग्रेस पार्टी ही आदिवासियों के धर्मांतरण कराने वालों को प्रश्रय देती है। इसीलिए वो डी लिस्टिंग को लेकर आंदोलित आदिवासियों के आंदोलन पर उंगली उठा रहे है। बृजमोहन ने कहा कि छत्तीसगढ़ ही नही अपितु देश भर आदिवासी अपने अधिकारों को सुरक्षित रखने के लिए चिंतित है। ऐसे बहुत से लोग हैं जो धर्म परिवर्तन करके अपनी आस्था,अपनी संस्कृति,अपने संस्कारों और अपनी परंपराओं को परिवर्तित करने के बाद भी आदिवासियों की सुविधाएं ले रहे हैं। आदिवासियों के अधिकारों को छीन रहे हैं। इसी बात के विरोध में पूरे देश का आदिवासी समाज आक्रोशित है, आंदोलित है। उन्होंने कहा कि बस्तर में ही 50 से ज्यादा आंदोलन डी लिस्टिंग को लेकर चल रहे है। नारायणपुर की घटना भी इसी का परिणाम है। बस्तर में कई जगह हालत ये है कि आदिवासी समाज अपने श्मशान घाटों में धर्म परवर्तित कर ईसाई बने लोगों को दफनाने की जगह नहीं दे रहा है। यह एक गंभीर समस्या बनकर सामने आई है।

बृजमोहन ने कहा कि मुझ लगता है पूरे देश का आदिवासी समाज आज डी लिस्टिंग पर आंदोलित है। परंतु कुछ स्वार्थी तत्व और पूर्व में रही सरकारों ने अपने निजी स्वार्थ के लिए आदिवासी समाज को तोड़ने के लिए धर्मांतरण का कुचक्र चलाया है। उन्होंने कहा कि आजकल मुख्यमंत्री भूपेश बघेल को सपने में भी आरएसएस और भाजपा दिखने लगी है। वो अपनी गलतियों को देखें किस प्रकार से आदिवासियों के अधिकारों को छीन रहे हैं। बृजमोहन ने आरोप लगाया की आदिवासियों की परंपराओं को नष्ट करने वाले लोगों को कांग्रेस सरकार प्रश्रय दे रही है। मुख्यमंत्री सही मायने में आदिवासियों के हितैषी है तो उन्हें डी लिस्टिंग पर आंदोलित आदिवासी समाज का समर्थन करना चाहिए।

हत्यारे हाथ काट कर ले जा रहे, पुलिस का कोई पता नहीं : कौशिक

छ.ग.फ्रंटलाइन

रायपुर। पूर्व विधानसभा अध्यक्ष धरमलाल कौशिक ने बिलासपुर में हुई युवक की हत्या को लेकर प्रदेश सरकार पर तंज कसा है। उन्होंने कहा कि छत्तीसगढ़ राज्य बनने के बाद प्रदेश की पुलिस आज जितनी बेबस लाचार है उतनी कभी नहीं हुई। वजह कांग्रेस की लापरवाही है। हत्या, चोरी, बलात्कार, तस्करी और नशाखोरी इस मात्रा में बड़ी हुई है कि आम लोगों का अब जीना दूभर हो गया है। अपराधी दिनदहाड़े बेरहमी से हत्या करके हाथ काट कर ले जातें हैं और पुलिस का कोई अता-पता नहीं है। कौशिक ने कहा, गांवों के साथ राजधानी व न्यायधानी की पुलिस को सख्त होना चाहिए। अपराधियों पर नकेल कसनी चाहिए। इसके विपरीत अपराधियों को देखकर पुलिस के कदम पीछे हो रहे है। उन्होंने कहा कि यह केवल अकेली घटना नहीं है। पिछले साढ़े चार वर्षो में अनेक ऐसी घटनाएं घटित हुई है, जो शासन व प्रशासन के लापरवाही व कुनीतियों का प्रमाण है। कौशिक ने कहा, सवाल यह है कि आखिर प्रदेश की सरकार व पुलिस प्रशासन कर क्या रही है? दिनदहाड़े इस तरह की हत्याएं निरंतर हो रही है और पुलिस को इसकी जानकारी ही नहीं मिल पा रही है यह समझ से परे है। पूर्व विधानसभा अध्यक्ष कौशिक ने कहा कि प्रदेश के मुखिया भूपेश बघेल इस तरह से चिंता मुक्त है मानो जनता के प्रति उनकी कोई जवाबदारी ही नहीं है। रही बात पुलिस प्रशासन की तो पुलिस केवल राजनीतिक मामलों में कांग्रेस सरकार को खुश करने के लिए अपनी सक्रियता दिखा रही है। आम लोगों के लिए घट रही घटनाएं उनके लिए आम हो गई है। प्रदेश की कानून व्यवस्था दुरूस्त करने और बढ़ते अपराध पर अंकुश लागाने में विफल कांग्रेस सरकार केवल खानापूर्ति के लिए कार्यवाही करती है। अगर अपराधियों पर कठोर कार्यवाही करती तो इस तरह की वारदातें नहीं होती।

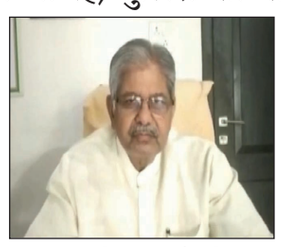

बाबा साहेब के किए गये सभी कार्य मील के पत्थर : मुख्यमंत्री

छ.ग.फ्रंटलाइन

दुग। मुख्यमंत्री भूपेश बघेल शुक्रवार डॉ भीमराव अंबेडकर की 132 वीं जयंती के अवसर पर सम्राट अशोक बुद्ध विहार भिलाई 3, सेंटर बैंक के समीप स्थल पर पहुंचे थे। जहां सर्वप्रथम उन्होंने सन् 1990 में समाज द्वारा स्थापित अष्टधातु से निर्मित बुद्ध प्रतिमा में अपना नमन अर्पित कर मंच की ओर प्रस्थान किया। मंच में मुख्यमंत्री ने अपने उद्बोधन में डॉक्टर बाबा साहब भीमराव अंबेडकर के प्रारंभिक शिक्षा से लेकर जीवन पर्यंत संघर्ष का उल्लेख किया। उन्होंने बाबा साहब भीमराव अंबेडकर को जीवन पर्यंत समाज के आखिरी पायदान पर संघर्षरत व्यक्ति के लिए लड़ने वाला महामानव बताया। उन्होंने युवाओं को डॉक्टर अंबेडकर के शिक्षा, एकता व संघर्ष के मूल मंत्र को अपनाने के लिए कहा। मुख्यमंत्री ने कहा डॉक्टर अंबेडकर की जयंती पूरे विश्व में मनाई जाती है, उनके त्याग से सभी परिचित हैं। अंतिम समय में उन्होंने बौद्ध धर्म को अपनाया और प्रज्ञा, करुणा व मैत्री का प्रचार प्रसार किया। उन्होंने जो जो कार्य किए सब मील का पत्थर साबित हुए। उन्होंने कहा आकृति एटा के उन्मूलन के लिए आवश्यक की संपूर्ण मानव जाति समानता के अधिकार का सम्मान करें। मुख्यमंत्री ने स्वतंत्र भारत के संविधान निर्माता डॉक्टर अंबेडकर को बहुआयामी प्रतिभा का धनी बताया और संविधान निर्माण के पश्चात डॉक्टर अंबेडकर द्वारा बोले गए कथन को उपस्थित लोगों के बीच रखा जिसमें डॉक्टर अंबेडकर ने कहा था कि संविधान कितना भी अच्छा हो लेकिन परिणाम इसे लागू करने वालले व्यक्ति के ऊपर निर्भर करता है। इसलिए मुख्यमंत्री ने अपने अंतिम वक्तव्य में उपस्थित सभी जनों से अपील की कि संविधान की रक्षा के लिए सब एक साथ आगे हैं और इसे बेहतर व सशक्त बनाए।

शहर का भ्रमण कर एवं व्यापारिक प्रतिष्ठानों में जाकर CCTV कैमरा लगवाने की अपील की गई

अपराधिक घटनाओं को रोकने एवं निगरानी बढ़ाने के लिये उप पुलिस महानिरीक्षक एवं वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक जशपुर द्वारा व्यापारी संघ पत्थलगांव की बैठक लेकर अपने प्रतिष्ठानों एवं महत्वपूर्ण स्थानों में उच्च क्वालिटी के CCTV कैमरा लगाने की अपील की गई।

छ.ग.फ्रंटलाइन

जशपुरनगर। उप पुलिस महानिरीक्षक एवं वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक जशपुर डी. रविशंकर (भा.पु.से) के द्वारा अपराधिक घटनाओं को रोकने एवं निगरानी बढ़ाने के लिये पत्थलगांव में व्यापारी संघ एवं अन्य गणमान्य नागारिकों की बैठक ली गई। इस बैठक में पत्थलगांव के व्यवसायी मदनलाल अग्रवाल, रामलाल अग्रवाल, प्रयागराज अग्रवाल, प्रवीण गर्ग, मधुसूदन अग्रवाल, रिंकु अग्रवाल, कुलविंदर सिंह भाठिया एवं अन्य प्रतिष्ठित व्यापारीगण उपस्थित थे। डीआईजी एवं वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक के द्वारा बैठक में उपस्थित व्यवसायीगणों को CCTV कैमरा की उपयोगिता बताते हुये समस्त व्यवसायिक प्रतिष्ठानों, चौक-चौराहों, स्कूलों, पेट्रोल पंप, ढाबा, शहर के प्रवेश एवं निकास द्वार पर उच्च गुणवत्ता के CCTV कैमरा लगाने का अनुरोध किया गया। इन स्थानों में CCTV कैमरा लगाने से अपराधिक तत्व दूर रहते हैं। डीआईजी के द्वारा उपस्थित व्यवसायीगणों को पूर्व से मौजूद CCTV कैमरा की क्षमता बढ़ाने को कहा गया, जो रात्रि में भी चल सके एवं अधिक क्षमता के डी.वी.आर. हों। व्यापारियों को अपने प्रतिष्ठानों के अलावा मिल-जुलकर ऐसे स्थानों में CCTV कैमरा लगाने बताया गया, जिससे सड़कों पर निगरानी रखी जा सके, जिससे अपराध नियंत्रण किया जा सके। व्यापारीगणों ने डीआईजी के पहल को सराहनीय बताते हुये, सभी व्यापारियों द्वारा उच्च गुणवत्ता के CCTV कैमरा लगाने की सहमति दी गई। इस बैठक में एसडीओपी पत्थलगांव हरिश पाटिल एवं थाना प्रभारी निरीक्षक भास्कर शर्मा भी उपस्थित थे। मीटिंग के पश्चात् डीआईजी, व्यवसायीगण एवं अन्य नागरिकगणों द्वारा शहर का भ्रमण कर एवं विभिन्न व्यापारिक प्रतिष्ठानों में जाकर CCTV कैमरा लगवाने की अपील की गई।

न्यायालय तहसीलदार, लटोरी, जिला –सुरजपुर (छ.ग.)
बेदखली आदेश
क्रमांक/162/वाचक/2023 लटोरी, दिनांक 11.04.2023
प्रति,
विपिन कुमार अग्रवाल आ0 टेकराम अग्रवाल जाति अग्रवाल निवासी अम्बिकापुर जिला सरगुजा (छ.ग.)
इस न्यायालय के रा0 प्र0 क्र. 202303262100121/अ–66/2022–23 में पारित आदेश दिनांक 11.04.2023 द्वारा ग्राम कमलपुर, प.ह.नं. 22 रा.नि.मं. पिलखा तहसील लटोरी स्थित शासकीय बड़े झाड़ जंगल मद में भूमि खसरा नं0 137, 176 रकबा 0.40, 2.15 हे. में से रकबा 0.12, 0.12 हे0 भूमि पर आपके द्वारा दिवाल बनाकर अनाधिकृत रूप से कब्जा होना सिद्ध पाया गया है। अतः आप उक्त वाद भूमि से दो दिवस के भीतर अपना अनाधिकृत कब्जा स्वयं से हटा लेवें। अन्यथा शासकिय यंत्रों से बेखदली की कार्यवाही की जावेगी। जिसमें हुए खर्च की राशि राजस्व बकाया की भांति वसूली की जावेगी।
तहसीलदार,
लटोरी, जिला सरगुजा

जिले के बालिकाओं के लिए 18 माह का आवासीय रोजगारोन्मुखी कौशल प्रशिक्षण शुरू किया जा रहा

छ.ग.फ्रंटलाइन

जशपुरनगर। जिला प्रशासन जशपुर द्वारा जिले के युवतियों के लिए 18 माह का आवासीय रोजगारोन्मुखी कौशल प्रशिक्षण जिला परियोजना लाईवलीहुड कॉलेज जशपुर में प्रारंभ होने जा रहा है। इस प्रशिक्षण में सॉफ्टवेयर प्रोग्रामिंग, ग्राफिक डिजाईनिंग, मैनेजमेंट (एच. आर. एवं ऑपरेशन), फाइनेंस तथा अकाउटिंग एवं एजुकेशन के कोर्स हैं। सभी कोर्स मिलाकर कुल 150 सीट उपलब्ध है। 10 वीं पास लड़कियाँ इस कोर्स के लिए आवेदन कर सकती हैं। कोर्स में भाग लेने के लिए स्ट्रीम (विज्ञान, कला, वाणिज्य आदि) की कोई बाध्यता नहीं है। प्रशिक्षण केवल 17 से 29 वर्ष आयु की छात्राओं / युवतियों के लिए है प्रशिक्षण आवासीय सुविधा के साथ उपलब्ध है। सभी छात्राओं के लिए यह प्रशिक्षण एवं आवासीय सुविधा जिला परियोजना लाईवलीहुड कॉलेज बालिका छात्रावास में पूर्णत: नि:शुल्क उपलब्ध कराया जा रहा है। प्रशिक्षण में मूल कोर्स के साथ साथ स्पोकन इंग्लिश, लीडरशिप एवं पर्सनलटी डेवलपमेंट भी सिखाया जाएगा। प्रशिक्षण पूर्ण करने वाले सभी युवतियों को 15000-40000 तक आय के रोजगार Mintree, KPMG जैसे कंपनियों में प्लेसमेंट सुविधा उपलब्ध करायी जाएगी। अधिक जानकारी के लिए जशपुर जिले के आपके निकटतम महाविद्यालय अथवा जिला परियोजना लाईवलीहुड कॉलेज जशपुर में संपर्क कर सकते हैं हेल्प लाईन नंबर 9207284349 पर भी संपर्क - किया जा सकता है। उक्त प्रशिक्षण से जुड़ने के लिए विकासखंड स्तरीय मोबलाईजेशन शिविर का आयोजन किया गया है जिसमें 17.04.2023 एवं 18.04.2023 को स्वामी आत्मानंद हिंदी माध्यम उत्कृष्ट विद्यालय, जशपुर (छ.ग.) में मोबलाईजेशन शिविर पूर्वान्ह 10.00 बजे से अपराह्न 5.00 बजे तक किया गया है। इच्छुक छात्राएँ शिविर में उपस्थित होकर पंजीयन तथा ऑनलाईन परीक्षा दे सकती हैं एवं उक्त प्रशिक्षण से जुड़ सकती है। केवल 150 सीट उपलब्ध होने के कारण प्रथम पंजीयन को प्रथम प्राथमिकता दी जावेगी। अधिक से अधिक संख्या में उपस्थित होकर अवसर का लाभ उठावें।

चिंतन

रिकार्ड निर्यात अच्छी खबर पर आयात की चुनौतियां बरकरार

भारतीय अर्थव्यवस्था के लिए अच्छी खबरें हैं। देश का निर्यात वित्त वर्ष 2022-23 में करीब छह प्रतिशत बढ़कर रिकॉर्ड 447 अरब डॉलर रहा। मुख्य रूप से पेट्रोलियम, औषधि, रसायन तथा समुद्री उत्पादों के क्षेत्रों में बेहतर प्रदर्शन से निर्यात अच्छा रहा है। इससे पिछले वित्त वर्ष 2021-22 में निर्यात 422 अरब डॉलर था। हालांकि देश का आयात भी आलोच्य वित्त वर्ष में 16.5 प्रतिशत बढ़कर 714 अरब डॉलर रहा जो एक साल पहले 2021-22 में 613 अरब डॉलर था। आयात के मोर्चे पर चुनौतियां बरकरार हैं। देश का सेवा निर्यात 2022-23 में 27.16 प्रतिशत बढ़कर 323 अरब डॉलर रहा जो इससे पिछले वित्त वर्ष में 254 अरब डॉलर था। अर्थव्यवस्था के संदर्भ में खास बात है कि वस्तुओं और सेवाओं का संयुक्त निर्यात नई ऊंचाई पर पहुंचा है और 2022-23 में 14 प्रतिशत बढ़कर 770 अरब डॉलर रहा जो एक साल पहले 676 अरब डॉलर था। यह वास्तव में भारत के अंतरराष्ट्रीय बाजार में विस्तार का संकेत है। देश का कुल वस्तुओं और सेवाओं का आयात आलोच्य तिमाही में 892 अरब डॉलर रहा। भारत का व्यापार घाटा जरूर चिंता का विषय है, लेकिन निर्यात में रिकार्ड बढ़ोतरी बताती है कि देश की आर्थिक गतिविधियां बढ़ रही हैं और इससे निर्यात को समर्थन मिल रहा है। जब दुनिया में अंतरराष्ट्रीय व्यापार में नरमी है, विकसित देशों में मंदी की स्थिति और कई देशों में महंगाई की ऊंची दर देखी जा रही है, रूस व यूक्रेन में एक साल से जारी संघर्ष से वैश्विक अर्थव्यवस्था दबाव में है, इन सब चुनौतीपूर्ण स्थितियों को देखते हुए भारत के निर्यात व आयात में रिकार्ड वृद्धि भारतीय अर्थवयवस्था के गतिशील होने के प्रमाण हैं। घरेलू स्तर पर रिजर्व बैंक ने महंगाई की चुनौती के बावजूद इस बार रेपो रेट में वृद्धि नहीं की तो, जीएसटी व प्रत्यक्ष कर का कलेक्शन रिकार्ड स्तर पर है। लगातार नौ दिनों से शेयर बाजार में तेजी का आलम है। एक शानदार आम बजट के बाद से लगातार भारतीय अर्थव्यस्था का सेंटिमेंट सकारात्मक बना हुआ है। आंकड़े यह भी बताते हैं कि चालू खाते का घाटा (सीएडी) नियंत्रण में रहेगा क्योंकि विदेश से भेजा गया मनीऑर्डर (धन प्रेषण) 100 अरब डॉलर को पार कर गया है और निवेश का अच्छा प्रवाह है। वाहन विनिर्माताओं के संगठन सोसायटी ऑफ इंडियन ऑटोमोबाइल मैन्युफैक्चरर्स (सियाम) के मुताबिक, वित्त वर्ष 2022-23 में यात्री वाहनों की घरेलू थोक बिक्री 26.73 प्रतिशत बढ़कर 38.9 लाख इकाई से अधिक की रिकॉर्ड ऊंचाई पर पहुंच गई। सियाम के ताजा आंकड़ों के अनुसार, 31 मार्च को समाप्त वित्त वर्ष में यात्री वाहनों की घरेलू बिक्री बढ़कर 38,90,114 इकाई रही, जबकि 2021-22 में यह 30,69,523 इकाई थी। कोविड महामारी के बाद वित्त वर्ष 2022-23 बिक्री के लिहाज से अच्छा वर्ष रहा है। ये आंकड़े बता रहे हैं कि देश में आर्थिक गतिविधियां काफी तेजी से आगे बढ़ रही है। बीते वित्त वर्ष में देश में घरेलू हवाई यात्रियों की संख्या में भी रिकार्ड वृद्धि हुई है। उच्च महंगाई दर की चुनौती के बावजूद भारत की जीडीपी दर विश्व के मुकाबले तेज है। सरकार के लिए राजकोषीय घाटा, वित्तीय घाटा, व्यापार घाटा, बढ़ती बेरोजगारी, औद्योगिक क्षेत्र में निवेश की सुस्त रफ्तार आदि चुनौतियां मौजूद हैं, वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण ने भी कहा है कि भारत इस साल छह प्रतिशत से अधिक की अनुमानित वृद्धि दर के बावजूद वैश्विक आर्थिक भू-राजनीतिक माहौल को लेकर चिंतित है। सरकार को आयात की चुनौतियों से पार पाने की दिशा में कदम उठाना चाहिए।

जयंती विशेष

डॉ. कन्हैया त्रिपाठी

सभ्यतागत बदलाव के पक्षधर आंबेडकर

> आंबेडकर ने अनेक धर्मग्रन्थों का बारीकी से अध्ययन किया तो वहां भी यह पाया कि हमारे देश में छुआछूत एक बड़ी परंपरा का हिस्सा है। वह इस निष्कर्ष पर पहुंचे कि यह परंपरागत समाज हमारे लिए उपयुक्त नहीं है। जहां इतने तरीके का भेदभाव हो, घृणा हो, छूआछूत का कोढ़ हो, इसने उनके दिमाग में ऐसा अपमानजनक स्थान बना लिया कि वह बेचैन थे। उन्होंने ऐसे समाज और ऐसी व्यवस्था को एक सिरे से नकारा भी। उनका प्रसिद्ध महाड़ सत्याग्रह उसी प्रतिरोध का बिम्ब है। एक सामाजिक क्रांति का आंदोलन है। कालाराम मंदिर प्रवेश का आंदोलन उसी कड़ी में शामिल एक आंदोलन है। उनके आंदोलनों की संस्कृति निश्चित ही एक ऐसी सभ्यतागत बदलाव की योजना थी।

भारत की अपनी सांस्कृतिक विरासत है, इस पर अनेक भारतीय गर्व करते हैं, किन्तु बाबासाहेब डॉ. भीमरावरामजी आंबेडकर इस भारतीय संस्कृति के पीछे छिपे अमानवीयता को रेखांकित करने वाले उन प्रतिरोधी चेतना के स्वर के रूप में हमें मिलते हैं,जो किसी भी तरह से किसी का अपमान होते नहीं देखना चाहते थे। बाबासाहेब भारत की सनातन संस्कृति को उस रूप में जीवनभर नहीं स्वीकार कर पाए, जैसा उस समय का समाज सनातन लोगों के बीच रहकर अभिशप्त होकर जीने को मजबूर हो रहा था। उन्होंने अस्पृश्यता को सामाजिक रोग बताया। अस्पृश्यता के खिलाफ मुखर होने का संकल्प लिया। उनके भीतर यह टीस थी कि हमारे ही लोग कुछ सामंती स्वभावों और व्यवस्थाओं से क्यों पीड़ा झेल रहे हैं। इसके लिए यह उनका संकल्प था। दरअसल, जिस समाज में पशुओं के बर्तन झूठे करने पर उसे धुल देने के बाद उसे अपवित्र नहीं माना जाता था। उसी बर्तन को यदि अस्पृश्य समाज का व्यक्ति छू दे तो अपवित्र मान लिया जाता था, यह किसी भी सभ्य समाज की परिभाषा तो नहीं हो सकती। आंबेडकर ने इसे बहुत ही करीब से देखा, महसूस किया। उन्होंने महाड़ के लोगों के भीतर की पीड़ा देखी। अनेक मंदिरों में शूद्र समाज के लोगों की परछाई से भी परहेज करने वाले समाज को देखा। वे खुद अपने बारे में भी जिक्र करते हैं कि उनके साथ शिक्षालय में कैसे बर्ताव किए जाते थे।

आंबेडकर ने अनेक धर्मग्रन्थों का बारीकी से अध्ययन किया तो वहां भी यह पाया कि हमारे देश में छुआछूत एक बड़ी परंपरा का हिस्सा है। वह इस निष्कर्ष पर पहुंचे कि यह परंपरागत समाज हमारे लिए उपयुक्त नहीं है। जहां इतने तरीके का भेदभाव हो, घृणा हो, छूआछूत का कोढ़ हो, इसने उनके दिमाग में ऐसा अपमानजनक स्थान बना लिया कि वह बेचैन थे। उन्होंने ऐसे समाज और ऐसी व्यवस्था को एक सिरे से नकारा भी। उनका प्रसिद्ध महाड़ सत्याग्रह उसी प्रतिरोध का बिम्ब है। एक सामाजिक क्रांति का आंदोलन है। कालाराम मंदिर प्रवेश का आंदोलन उसी कड़ी में शामिल एक आंदोलन है। उन्होंने अनेक ऐसे आक्रामक प्रयास किए, जिससे भारत के दलित, दमित और वंचित समाज का भला हो। उनके आंदोलनों की संस्कृति निश्चित ही एक ऐसी सभ्यतागत बदलाव की योजना थी जो अस्पृश्य समाज की गरिमा की रक्षा करे। उनका मानना था कि जब सभी जन्म से मनुष्य हैं तो बोध के स्तर पर हीनता के साथ जीने की विवशता नहीं होनी चाहिए, और इसे खत्म करने की जिम्मेदारी उनकी है, इसलिए हम बाबासाहेब के जीवन का अवलोकन करते हैं तो वह संभ्रांत और सवर्ण समाज से जीवनभर युद्ध करते हुए हमें मिलते हैं। फिर भी अब आज सवाल यह है कि जो बाबासाहेब अस्पृश्य समाज की लड़ाई 20वीं सदी में लड़े, उसने आज भी हमारा पीछा नहीं छोड़ा है। अस्पृश्यता की समस्या आज भी गांव-देहात में है। आज जब आंदोलन राजनीतिक फायदे के औज़ार बन गए हैं तो सामाजिक आंदोलनों की जो संस्कृति फुले, पेरियार, साहूजी महाराज और बाबासाहेब जैसे महान लोगों ने प्रारंभ की थी, उसकी खाई को कौन भरेगा? इन महानायकों ने सदैव रूढ़िवादिता के खिलाफ अपनी आवाज़ उठाई है। समय के साथ डॉ. आंबेडकर

का अवदान संविधान-सर्जक के रूप में किया जाता है। ऐसा माना जाता है की अनेक स्वतंत्रताएं हमें मिली हैं उसके पैरोकार बाबासाहब विशेष रूप से हैं। आज उसी बाबासाहेब के देश में स्वघोषित बाबासाहेब के पदचिह्नों पर चलने वाले लोग बहुत सी समस्याओं को गुलाम की भांति स्वीकार करने में संकोच नहीं कर रहे हैं।

भारत बदला है, समस्याएं पूरी तरह से समाप्त नहीं हुई हैं, यह आज चिंता की बात है। सबसे ज्यादा अनपढ़, सबसे कम शिक्षित, सबसे कम तरक्की न करने वाला वंचित समाज किस जाति-वर्ग से आता है, इसका आकलन करके देख लीजिए, पता चल जाएगा कि बाबासाहेब जिनकी बात करते थे, उनके सामाजिक उत्थान की स्थिति क्या है। दुर्भाग्य से सबसे ज्यादा गरीब आज उन्हीं समाज के लोग हैं। वंचित समाज से उठे नव-धनाढ्य भी समातामूलक समाज की बात करते हैं, लेकिन वे खुद किसी की उन्नति में सहयोगी नहीं बनते। सवाल यह है कि बाबासाहेब के संकल्प क्या लुप्त हो गए? क्या अब बाबासाहेब जैसी महान सोच वाला कोई व्यक्ति नेतृत्व के लिए नहीं बचा? यह बात इसलिए उभरकर सामने आती है क्योंकि भारत अब पर्याप्त विकास का उपक्रम कर रहा है। अपनी आर्थिक सुदृढ़ीकरण में लगा है, लेकिन दलित समाज अभी भी गरीबी का दंश झेल रहा है। वंचित समाज वंचना का शिकार है। सूचना तकनीकी से भारत के कॉर्पोरेट के लोगों का धन बढ़ा है, लेकिन दलित समाज के लोग पांच किलो अनाज पाकर अपनी अन्न व रसद की पूर्ति करके अपना जीवन-यापन कर रहे हैं। ऐसे में, एक सवाल यह बार-बार उभरकर आता है कि आज की आवश्यकताओं को रेखांकित करने वाले लोग बाबासाहेब के आंदोलन-संस्कृति के माध्यम से नया सवेरा कभी ला भी सकेंगे कि नहीं? संविधान ने बहुत कुछ आज़ादी दी है लेकिन उस आज़ादी के बाद भी अब भी एक बड़ी खाई है जिससे कोई इंकार नहीं कर सकता।

एसडीजी-2030 में भी यह कल्पना की गई है कि सतत विकास के लक्ष्य को हम हासिल कर लेंगे, हम यानी समूची दुनिया। उसमें भारत भी शामिल है, लेकिन सामाजिक न्याय से वंचित समाज अभी भी बाबासाहेब के भावनाओं और इच्छाओं में अपने भविष्य की तलाश कर रहा है, यह एक सच्चाई है। आज यह स्वीकार करना चाहिए कि भारत के लिए वंचना के शिकार लोग एक चुनौती हैं। जब तक इनका सामाजिक तानाबाना ठीक नहीं होगा, भारत कदाचित यह नहीं कह सकता कि वह सबके खुशहाली के लिए पर्याप्त अवसर देने में सक्षम देश है। इस पर से यह समझ में आता है कि भारत में अंबेडकर के आंदोलन की संस्कृति यदि नई धार पाए।

वस्तुतः मनुष्य की सामाजिकी ही उसके जीवन की गुणवत्ता का आधार बनती है। बहुत पहले प्रोटागोरस ने कहा था कि मनुष्य अपना पैमाना स्वयं होता है। बाबासाहेब ने देखा कि यह तो मनुष्य के बीच ही मनुष्य का पैमाना बताने वाले ठेकेदार हैं। वे यदि किसी को समाज में जीने का हक़ देंगे तो उन्हें जीने का हक़ होगा। वे जब बराबरी का दर्जा देंगे तो उन्हें बराबरी का एहसास करने का अधिकार प्राप्त होगा। यह बाबासाहेब को बात बहुत खटकती थी। घृणा की आवृत्ति में जीवन जीने का यह एक तंत्र विकसित हो चुका था, बाबासाहेब ने इसे उन दिनों रेखांकित किया। उन्होंने जब अपनी पढ़ाई येन-केन-प्रकारण पूरी कर ली तो इसके खिलाफ आवाज़ उठाई। उनके उस महनीय चुप्पी तोड़ने की वजह से संविधान में जो जगह वंचितों को मिली वह मील का पत्थर साबित हुई और देश में शूद्र समाज का जो भी व्यक्ति है वह गरिमापूर्ण जीवन जीने का हकदार है और वह बराबरी से हर कामना की पूर्ति कर सकता है। बाबासाहेब की जड़ता से मुक्ति प्रदान करने की प्रतिरोधी चेतना हर भारतीय की तरक्की के लिए वरदान साबित हो सकती है पर इसके लिए संकल्प के साथ सही दिशा मे आगे बढ़ने की जरूरत है। निःसन्देह इस सभ्यतागत बदलाव से भारत विश्व में अपनी नई छवि गढ़ेगा।

(लेखक राष्ट्रपति के विशेष कार्य अधिकारी रहे हैं, ये उनके अपने विचार हैं।)

आदर्शों का प्रतिबिंब है श्रीमद्भगवत गीता

हनुमान जी विद्वान हैं, गुणी हैं और चतुर हैं, पर उनकी विशेषता यह है कि वह चतुराई का उपयोग रामकाज के लिए करते हैं। उसी गुण का रोपण और जागरण भगवान श्रीराम ने बालिपुत्र अंगद में कर दिया था। लंका जाते समय अंगद के प्रोत्साहन के लिए कह दिया कि : 'बहुत बुझाइ तुम्हहिं का कहहूं। परम चतुर मैं जानत अहहूं।।' मैं तो जानता हूं कि तुम परम चतुर हो, इसलिए तुम लंका जाकर ऐसा कार्य करना कि मेरा भी कार्य पूर्ण हो

संकलित

दर्शन

और रावण का भी हित हो। अब रावण के हित की परिभाषा कोई श्रीराम, हनुमान जी, और अंगद की अलग नहीं है। एक ही उद्देश्य और परिभाषा है कि रावण सीता जी को लौटा दे। रामायण में भक्ति को मणि की उपमा दी गई है। राम नाम को भी मणि कहा गया है। भगवान स्वयं नीलमणि हैं। जो इसके मर्म को जान गया और जिसने इसकी खोज में अपनी चतुराई से इस प्रकाश के उपादान रहित परम प्रकाशमयी मणि को प्राप्त कर लिया, बस वही भक्त और ज्ञानी है। कर्मयोग भी उसी ने सिद्ध किया है। रावण और दर्योधन भी चतुर थे, पर वे दोनों मन, वचन, कर्म से चतुरता का उपयोग अपने निजी भोग और स्वार्थ के लिए करके चतुरता के गुण को दोष में बदल देते थे। इसीलिए गीता में अंतिम श्लोक में वेदव्यास ने कह दिया है कि जिधर श्रीकृष्ण होंगे और जिधर उनका भक्त अर्जुन होगा, वहीं पर संसार की सारी श्री विराजमान रहेगी। वहीं विजय होगी और वहीं पर ऐश्वर्य होगा। मेरी अचल नीति भी वहीं होगी।

विपरीत परिस्थिति में कैसा व्यवहार करें?

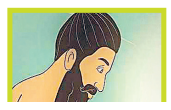

एक साधू अपने शिष्य के साथ नदी में स्नान कर रहे थे। तभी एक बिच्छू जल की धारा में बहता हुआ उधर आया और साधू ने उसे पानी से निकालने के लिए अपने हाथ पर लेने की कोशिश की। बिच्छू ने साधू के हाथ पर तेज डंक का प्रहार किया और साधू के हाथ से छूट कर दूर जा कर गिरा। तभी साधू ने दोबारा उसे हाथ में लेकर बचने की कोशिश की पर बिच्छू ने एक बार फिर से तेज डंक का प्रहार किया और साधू के हाथ से छूट कर दूर जा

संकलित

प्रेरणा

कर गिरा। साधू ने उसे फिर बचने के लिए हाथ बढ़ाया और बिच्छू ने फिर से डंक मारा और यह क्रम कई बार चला और अंततः साधू ने बिच्छू को किनारे पर पहुंचा दिया। पर इस क्रम में साधू के हाथ में कम से कम 6-7 डंक लग चुके थे। एक शिष्य जो ये सारा उपक्रम देख रहा था, बोला : महाराज जब ये बिच्छू बार बार आपको डंक मार रहा था तो फिर आपने उसे इतने डंक खाकर क्यों पानी से बाहर निकाला? साधू बोलेः बिच्छू का स्वभाव ही डंक मारने का होता है और वो अपने स्वभाव को नहीं छोड़ सकता। शिष्य बोला : तो फिर आप तो उसको बचाना छोड़ सकते थे। साधू बोले : जब बिच्छू जैसे प्राणी ने अपना स्वभाव नहीं छोड़ा तो फिर मैं क्यों साधू होकर अपना स्वभाव त्याग देता और बिच्छू को ना बचाता? बहुत से विपरीत स्वभाव के व्यक्तियों से हमारा सामना हो जाता है, उस परिस्थिति में वह व्यक्ति हमारे साथ कैसा भी व्यवहार करे, परन्तु हम उसके साथ वह व्यवहार ना करें जो एक साधू को नहीं करना चाहिए साधू केवल वेष धारण नहीं साधू तो भाव है।

विशेष

डॉ. मोनिका शर्मा

उल्लास से जुड़ा पर्व वैसाखी

रंग-रंगीला और ऊर्जामयी पर्व वैसाखी हर मन को नए उल्लास से भर देता है। यह उमंग और उल्लास का एक ऐसा पर्व जिसे खेती पर्व भी कहा जाता है। यह त्योहार सही मायनों में खुशहाली और कर्मठता का प्रतीक है। जब किसान बड़े आनंद और उत्साह के साथ इस कृषि पर्व को मनाते हुए न केवल खुशियों का इजहार करते हैं, बल्कि मेहनत और पसीने से सींची फसल के पकने के बाद उसके कटने की तैयारी में जुट जाते हैं । किसानों के मन-जीवन का यह उल्लास साफ तौर पर दिखाई देता है। देश के रंग बिरंगे राज्य पंजाब में जब रबी की फसल पककर तैयार हो जाती है तब यह पर्व मनाया जाता है। जो परम्परागत लोक गीतों की धुन से लेकर सामाजिक परिवेश की समृद्धि तक, हर ख्याल से लबरेज़ है। यही कारण है इस त्योहार की सामाजिक और पारंपरिक ही नहीं आध्यात्मिक मान्यता भी बहुत है। वैसाखी का त्योहार नववर्ष के आगमन और स्वागत का पर्व है, जिसमें खुशहाली, हरियाली और अपने देश की समृद्धि की कामना की जाती है । यह कामना कर्मठता का आधार लिए होती है। तभी तो किसानों की चेहरे की रौनक और ऊर्जा देखते ही बनती है। यही कारण है वैसाखी के दिन नाच-गाकर खुशियां मनाने के साथ ही पूजन-अर्चन और दान पुण्य भी किया जाता है। लोक गीत गाते और लोक संगीत की धुन पर थिरकते किसान उस उमंग को आपस में साझा करते हैं जो पकी फसल के रूप में घर-घर खुशहाली लेकर आती है। धरती की हरियाली और सूरज की सुनहरी रोशनी में चमकती फसल का दृश्य होता ही मनमोहक है। खिले-खिले टेसू और पकी फसल के इस मौसम में मन को भी खुशनुमा माहौल मिलता है। इस समय प्रकृति में नयापन दिखता है। मौसम में बदलाव होने लगता है। हर और खुशनुमा बयार बहने लगती है। खेतों में तैयार खड़ी फसल और पेड़ों पर फूटते नव पल्लव मानो नई उमंग और उल्लास को न्योता देते लगते हैं । यही ख़ुशी इस त्योहार को मनाते हुए भी झलकती है। जो हमें सकारात्मकता और प्रसन्नता के माहौल की ओर ले जाती है। वाकई , वैसाखी का पर्व कितना सुखद अवसर होता है जब प्रकृति स्वयं हमसे जुड़ती सी नज़र आती है। कुदरत का यही भाव हमें खुद अपने आप से भी जोड़ता है । मस्त मौला अंदाज में झूमते गाते किसानों को देख यह बात आसानी से समझी जा सकती है कि धरती की गोद किसी को निराश नहीं करती। बस, मेहनत करने का जज्बा और हौसला होना चाहिए। वैसाखी के पावन पर्व से जुड़ा आध्यात्मिक सरोकार भी बहुत महत्वपूर्ण है। सिखों के दसवें गुरु गोबिन्द सिंह ने वैसाखी के दिन ही खालसा पंथ की नींव रखी थी, इसीलिए इस पर्व का परम्परागत ही नहीं पौराणिक और ऐतिहासिक महत्व भी है। इस दिन विक्रमी संवत का शुभारम्भ भी होता है। नववर्ष का यह समय वाकई नवीन लगता है, क्योंकि पेड़ों पर नई कोंपलें फूटती है। सारी धरती श्रृंगारित सी लगती है। प्रकृति का नव सृजन हर ओर नज़र आता है। यह पर्व प्रकृति से जुड़ा है, क्योंकि अच्छी फसल प्राकृतिक परिस्थितियों पर ही निर्भर करती है, इसीलिए किसान उल्लास और उमंग के साथ प्रकृति का आभार जताते हैं। झूमते-नाचते और ढोल नगाड़े बजाते हुए उस धरती मां का धन्यवाद करते हैं। भारत की संस्कृति में तो यूं भी अन्न को ब्रह्म का दर्जा दिया गया है। हमारे देश में आज भी एक बड़ी आबादी खेती के कामों में लगी हुई है, इसीलिए यहां फसलों के प्रति जो लगन और मेहनत है वो वाकई अपने आप में एक मिसाल है। यहां लोग आज भी ज़मीन से कामों में मन से लगे हुए हैं । खेतीबाड़ी का काम शान और समृद्धि का प्रतीक माना जाता है, इसीलिए यह पर्व कृषकों के मन में भावनात्मक रंगों को भी संजोए रहता है। यह पर्व हमें प्रकृति से प्रेम करना और देने के भाव से जुड़ना सिखाता है। समझाता-सिखाता है कि जैसे प्रकृति सदैव हमें कुछ देती ही है वैसे हमें भी अपने समाज की बेहतरी के लिए अपनी भूमिका निभानी चाहिए। वो भी पूरी ऊर्जा और उमंग के साथ। वैसाखी का त्योहार हमारे स्वाधीनता संग्राम से जुड़ा है। 13 अप्रैल 1919 के दिन हजारों लोग अमृतसर के जलियांवाला बाग में एकत्र हुए थे। आज़ादी की इस लड़ाई में उस दिन एक अमानवीय कदम के तहत जलियांवाला बाग में निहत्थी भीड़ पर गोलियां बरसाईं गईं। इस कायराना कृत्य पर पूरे देश में रोष फूट पड़ा, जिसके चलते स्वतंत्रता संग्राम एक नई गति मिली। इस घटना ने वैसाखी पर्व को एक राष्ट्रीय स्वरूप प्रदान कर दिया। देशभर के लोगों की भावनाओं से सदा-सदा के लिए जोड़ दिया। यह सच है कि आज भी इस पर्व को पारंपरिक श्रद्धा एवं हर्षोल्लास के साथ मनाते हुए हर साल भारतीय इतिहास की क्रूरतम घटना जलियांवाला बाग नरसंहार को याद कर हर भारतवासी का मन भावुक होकर श्रद्धा से झुक जाता है। यह भाव सामाजिक और राष्ट्रीय सरोकारों से जोड़कर हमें राष्ट्रीय एकता के सूत्र में बांधता है।

अंतर्मन

आज की पाती

अदाणी एक मुद्दा तो है ही

माननीय कानून मंत्री ने हाल में कथित तौर से कहा कि अदाणी कोई मुद्दा नहीं है और यह मुद्दा केवल राहुल की सहायता के लिए उठाया गया है। इस बयान में कितना दम है या नहीं है, इसे देश की जनता पर छोड़ना बेहतर रहेगा, लेकिन मुझे नहीं लगता है कि यह बात किसी के गले से नीचे उतर सकती है क्योंकि अदाणी का मुद्दा काफी महीनों से देश और विदेश में गर्माया हुआ है और इतना सब कुछ होने के बावजूद इसे मुद्दा क्यों नहीं माना जा सकता है? देश की प्रबुद्ध जनता जानती है कि बिना किसी मुद्दे के देश के पहले प्रधानमंत्री पंडित जवाहरलाल नेहरु के गढ़े मुर्दे खोद कर कितना अनुचित निंदा किया गया होगा और उनकी प्रतिष्ठा को कितना नुकसान पहुंचा होगा? कोई बताएगा कि जब नेहरू मुद्दा नहीं था तो फिर नेहरू की निंदा का क्या औचित्य रहा होगा? *-महेश पाटक, बलौदाबाजार*

ट्रेंड

शरण लेना मौलिक अधिकार

शरण मांगना हिंसा, उत्पीड़न, युद्ध या आपदा से बचने के लिए घर पर रहने वाले लोगों के लिए एक मौलिक मानव अधिकार है। सभी को शरण मांगने का अधिकार है।

-एंटोनियो गुतरेस, यूएन महासचिव

नवाचार महत्वपूर्ण

तंजानिया में कोविड-19 विलनिकल और वैज्ञानिक अनुसंधान के लिए आम्ने सलीम फंड के प्राप्तकर्ताओं को बधाई। तैयारी और प्रतिक्रिया के प्रयासों को आगे बढ़ाने के लिए नवाचार महत्वपूर्ण है।

-टेड्रोस, डब्ल्यूएचओ महानिदेशक

आज का राशिफल

मेष राशिफल : मेष राशि के लोग पिछले कुछ समय से आप जिस लक्ष्य को हासिल करने के लिए प्रयासरत थे, आज उससे संबंधित उचित परिणाम मिल सकता है. सोसाइटी अथवा सामाजिक कार्यों में आपका भी योगदान रहेगा आपके सम्मान और प्रतिष्ठा में भी वृद्धि होगी. दोपहर बाद कोई अशुभ सूचना मिलने से मन कुछ व्यथित रहेगा परंतु हिम्मत हारने की बजाय परिस्थितियों का सामना करने का प्रयास करें.

वृषभ राशिफल : वृषभ राशि के लोगों के घर में खास मेहमानों के आगमन से खुशनुमा वातावरण बनेगा. पारिवारिक तथा व्यवसायिक गतिविधियों में संतुलन बना कर रखने से उचित व्यवस्था बनी रहेगी. विद्यार्थियों तथा युवाओं को अपनी मेहनत के अनुकूल परिणाम मिलेंगे. प्रॉपर्टी संबंधी गतिविधियों में कुछ ना कुछ व्यवधान रहेंगे. कोई भी पेपर वर्क करते समय पहले अच्छी तरह जांच पड़ताल कर लें.

मिथुन राशिफल : मिथुन राशि के लोगों के लिए आर्थिक मामलों को निपटाने के लिए आज का दिन बहुत ही अच्छा है. साथ ही किसी समस्या का भी निवारण होगा. धार्मिक अथवा आध्यात्मिक गतिविधियों में कुछ समय व्यतीत करने से आपको सुकून मिलेगा तथा व्यक्तित्व में भी निखार आएगा. किसी भी विपरीत परिस्थिति में घबराए नहीं, तथा उसका सामना शांतिपूर्ण तरीके से करें. गुस्से और आक्रोश की वजह से परिस्थितियां बिगड़ सकती हैं.

कर्क राशिफल: कर्क राशि के लोगों के लिए आज किसी भी पॉलिसी आदि में निवेश करना फायदेमंद रहेगा. अपने पारिवारिक दायित्वों का बखूबी निर्वहन भी होगा. घर में किसी सदस्य की विवाह संबंधी बातचीत व तैयारियों का जोर रहेगा. तथा कई तरह की योजनाएं भी बनेंगी. जिम्मेदारियो का बोझ बढ़ सकता है.

सिंह राशिफल : सिंह राशि के लोगों को अनुभवी तथा प्रभावशाली लोगों का सानिध्य मिलेगा. आपसी वातार्लाप को उत्साह और ताजगी देगा. किसी प्रभावशाली व्यक्ति के साथ बातचीत के माध्यम से कुछ समस्याओं का हल मिल सकता है. बच्चे अनुशासित तथा मर्यादित व्यवहार रखेंगे. किसी बाहरी व्यक्ति से वाद-विवाद होने जैसी स्थिति बन रही हैं. दूसरों के मामले में हस्तक्षेप ना करें और ना ही उलझे.

कन्या राशिफल : कन्या राशि के लोगों की परिस्थितियां आपके पक्ष में हैं. विवेक और चतुराई से काम लेना आपके लिए उन्नति दायक रहेगा. सिर्फ किसी भी कार्य को करने से पहले उसकी सकारात्मक और नकारात्मक पहलुओं पर विचार अवश्य कर ले. किसी व्यक्तिगत समस्या का भी समाधान मिलेगा. युवा वर्ग तथा विद्यार्थी अपनी दिनचर्या को व्यवस्थित रखें.

तुला राशिफल : तुला राशि के लोगों का अगर कोई राजकीय काम रुका हुआ है, तो आज उसे पूर्ण करने का उचित अवसर है. घरेलू तथा कामकाजी महिलाएं अपने घर परिवार के प्रति जिम्मेदारियों को बेहतरीन तरीके से निभाने में सक्षम रहेंगी. कहीं निवेश करने के लिए समय उत्तम है. नकारात्मक प्रवृत्ति की कुछ लोग आपकी आलोचना और निंदा करेंगे, परंतु चिंता ना करें आपका अहित नहीं होगा.

वृश्चिक राशिफल : राशि के लोगों का धार्मिक स्थल में जाने का प्रोग्राम बनेगा. आप बहुत ही अधिक शांति और सुकून महसूस करेंगे. युवाओं को अपनी नौकरी से संबंधित किसी क्षेत्र में सफलता मिलने के योग बन रहे हैं. कोई कीमती उपहार भी मिल सकता है. यह समय बहुत ही सकारात्मक तथा शांतिपूर्ण तरीके से व्यतीत करने का है. अपनी महत्वपूर्ण वस्तुओं को संभालकर रखें. खोने या भूलने जैसी स्थिति बन रही है.

धनु राशिफल: धनु राशि के लोगों की व्यक्तिगत संबंधी कोई बहुत बड़ी दुविधा दूर होने से मानसिक सुकून मिलेगा. किसी पूर्व योजना को क्रियान्वित करने के लिए सही समय है. घर के बड़े बुजुर्गों के आशीर्वाद और सहयोग बना रहेगा. जिससे आपकी परेशानियों का भी हल मिलेगा. किसी की मदद करने के साथ-साथ अपने कार्यों पर भी ध्यान दें. वरना इससे आपके ही काम अधूरे रह जाएंगे. थोड़ा स्वार्थी बन रखना भी जरूरी है. दूसरों के मामले में बिन मांगे सलाह ना दें और ना ही दूसरों के मामले में हस्तक्षेप करें.

मकर राशिफल : मकर राशि के लोगों का व्यस्तता पूर्ण दिन व्यतीत होगा. आप अपने आत्मविश्वास व मनोबल के सहारे किसी विशेष लक्ष्य को प्राप्त करने में भी सक्षम रहेंगे. घर के बुजुर्गों का स्नेह एवं आशीर्वाद घर परिवार पर बना रहेगा. प्रॉपर्टी संबंधी कोई समस्या हल होगी. दूसरों की वजह से किसी तरह की हानि होने की स्थिति बन रही है. कोई भी निर्णय लेते समय प्रैक्टिकल होना जरूरी है. कुछ समय बच्चों के साथ भी व्यतीत करना उनके मनोबल को बढ़ाएगा.

कुंभ राशिफल : कुंभ राशि के लोगों को काफी समय से प्रयासरत किसी कार्य के बन जाने से सुकून और नई ऊर्जा महसूस होगी. और आप तनावमुक्त होकर अपने अन्य कार्यों पर ध्यान दे पाएंगे. परिवार संबंधी चल रही किसी समस्या का भी हल मिल सकता है. पुरानी नकारात्मक बातों को वर्तमान पर हावी ना होने दें. इसकी वजह से नजदीकी व्यक्ति से संबंध भी खराब हो सकते हैं. किसी नजदीकी संबंधी के वैवाहिक जीवन में चल रही परेशानियों को लेकर आपको चिंता भी रह सकती हैं.

मीन राशिफल : मीन राशि के लोग महत्वपूर्ण तथा अनुभवी लोगों के संपर्क में रहें. यह संबंध आपके लिए लाभदायक साबित होंगे. आप अपने आत्म बल व आत्मविश्वास द्वारा किसी विशेष मुकाम को हासिल करने में सक्षम रहेंगे. विद्यार्थियों को अपनी मेहनत के अनुकूल परिणाम मिलेंगे.

विश्व धरोहर दिवस

जानकारी

विश्व विरासत स्थल सूची में भारत के ये दो नए स्थल

दो साल पूर्व (वर्ष 2021 में) यूनेस्को ने अपनी विश्व विरासत स्थलों की सूची में भारत के दो और स्थलों के नाम जोड़े हैं। पहला स्थल रामप्पा मंदिर है, दूसरा स्थल है धौलावीरा। बच्चों, विश्व धरोहर दिवस के अवसर पर जानो, इन दोनों स्थलों की ऐसी क्या विशेषताएं हैं, जो यूनेस्को ने इनको विश्व विरासत स्थलों की सूची में शामिल किया है।

बच्चों, हर साल 18 अप्रैल को वर्ल्ड हेरिटेज डे के तौर पर मनाया जाता है। संयुक्त राष्ट्र संघ यानी यूनेस्को के द्वारा इस दिवस को मनाने के पीछे यही उद्देश्य है कि पूरे विश्व में मानव सभ्यता से जुड़े ऐतिहासिक और प्राचीन सांस्कृतिक स्थलों के महत्त्व को समझा जाए, उनके अस्तित्व के संभावित खतरों को जाना जाए, साथ ही उनके संरक्षण के प्रति जागरूकता लाई जाए। बच्चों, यूनेस्को समय-समय पर दुनिया भर में मौजूद प्राचीन विरासत स्थलों की सूची भी बनाता है, इन स्थलों की संयुक्त राष्ट्र देख-रेख करता है, इसके लिए वह आर्थिक सहायता भी प्रदान करता है। सन् 2021 में इस सूची में अपने देश के दो स्थल जोड़े गए हैं। इन्हें मिलाकर अब भारत में कुल 40 विश्व विरासत स्थल हो गए हैं। जोड़ा गया 39वां स्थल तेलंगाना का रामप्पा मंदिर, जो अपने अनोखे शिल्प के लिए प्रसिद्ध है। 40वां स्थल है, गुजरात का धौलावीरा है, जो हड़प्पा कालीन एक नगर था।

रामप्पा मंदिर, तेलंगाना

रामप्पा मंदिर में मौजूद प्राचीन प्रतिमाएं

बच्चों, तेलंगाना राज्य के काकतीय रुद्रेश्वर को रामप्पा मंदिर के नाम से जाना जाता है। रामप्पा मंदिर हैदराबाद से लगभग 200 किमी. उत्तर-पूर्व में पालमपेट गांव में स्थित है। इस मंदिर का निर्माण 1213 ईस्वी में काकतीय शासक गणपति देव के शासन काल में उनके सेनापति रेचार्ला रुद्रदेव ने करवाया था। यहां के स्थापित देवता रामलिंगेश्वर स्वामी हैं।

मंदिर की मूर्तियां क्षेत्रीय नृत्य-कला और काकतीय संस्कृति को दर्शाती हैं। 13वीं सदी में बना यह मंदिर आज भी मजबूती से खड़ा है। मंदिर का निर्माण शिल्पकार रामप्पा ने किया था। रामप्पा के नाम पर ही मंदिर का नाम रखा गया है। यह शायद दुनिया का एक मात्र ऐसा मंदिर है, जिसका नाम उसमें स्थापित भगवान के नाम पर ना होकर उसके शिल्पकार के नाम पर है। मंदिर लाल बलुई पत्थर से बना है, मूर्तियां काले ग्रेनाइट पत्थर से बनी हैं। पत्थर देखने में सामान्य लगते हैं, लेकिन बहुत अनोखे हैं, क्योंकि ये पत्थर कठोर तो हैं लेकिन वजन में काफी हल्के हैं। पत्थर इतने हल्के हैं कि पानी में डालने पर डूबते नहीं बल्कि तैरते हैं। यही बात रामप्पा मंदिर को दुनिया में सबसे खास बनाती है। 25 जुलाई 2021 को यह मंदिर यूनेस्को की विश्व धरोहर स्थल के रूप में 'काकतीय रुद्रेश्वर (रामप्पा) मंदिर' के रूप में शामिल किया गया। *

धौलावीरा, गुजरात

धौलावीरा का प्राचीन नगर गुजरात राज्य में खादिर के द्वीप पर स्थित एक पुरातत्व स्थल है। एक समय यह नगर मासर और मानहर नदियों के संगम पर स्थित था। यह स्थल हड़प्पा सभ्यता का दक्षिणी केंद्र माना जाता है। यह हड़प्पा काल का पांचवां बड़ा नगर भी माना जाता है, जो करीब 50 हेक्टेयर में फैला हुआ है। धौलावीरा की खोज जगतपति जोशी ने 1967-68 में की थी। इसका विस्तृत उत्खनन 1990-91 में रवींद्र सिंह बिस्ट ने किया था। धौलावीरा की विशेषता इसकी नगर योजना, प्राचीर और जल प्रबंधन व्यवस्थाएं थीं। पुरातत्वविदों के अनुसार धौलावीरा एक बड़ी मानव बस्ती थी, जिसकी जनसंख्या करीब 20 हजार से अधिक थी। गुजरात पर्यटन विभाग की वेबसाइट के अनुसार यहां टेराकोटा से बने बर्तन, सोने और तांबे के आभूषण, मुहरें, मछली मारने वाला कांटा, जानवरों की छोटी-छोटी मूर्तियां, औजार, कलश और कुछ महत्वपूर्ण बर्तन मिले हैं। धौलावीरा भारत के दो सबसे बड़े हड़प्पा स्थलों में से एक है। यह उपमहाद्वीप में 5वां सबसे बड़ा स्थल है। धौलावीरा में दुनिया की सबसे पुरानी जल संरक्षण प्रणालियों में से एक माना जाता है। इसे 27 जुलाई 2021 को 'धौलावीराः हड़प्पा शहर' के नाम से यूनेस्को की विश्व धरोहर स्थल सूची में शामिल किया गया। इस तरह ये दोनों स्थल भारत की गौरवशाली धरोहरें हैं, जो विश्व में हमारा मस्तक ऊंचा करते हैं। *

प्रस्तुतिः देवेंद्र पांडे

बच्चों, आज डॉ. भीमराव अंबेडकर की जयंती है। उन्होंने पढ़ाई के प्रति अपनी लगन और बुद्धिमत्ता से भारत में ही नहीं, विश्व में भी एक बड़ी पहचान पाई। प्रस्तुत है, डॉ. भीमराव अंबेडकर के जीवन से जुड़ा एक प्रेरक-प्रसंग।

अपने लक्ष्य से नहीं भटकते थे
भीमराव अंबेडकर

बच्चों, 14 अप्रैल 1891 को डॉ. भीमराव अंबेडकर का जन्म हुआ था। उनके जन्मदिन को हर वर्ष समता दिवस के रूप में भी मनाया जाता है, क्योंकि वे विश्व भर में मानवाधिकार आंदोलनकर्ता और भारतीय संविधान के निर्माता के तौर पर जाने जाते थे। उनका वास्तविक उपनाम अंबावडेकर था। लेकिन उनके शिक्षक महादेव अंबेडकर ने स्कूल के रिकॉर्ड में उनका उपनाम अंबेडकर कर दिया। डॉ. भीमराव अंबेडकर बचपन से ही बहुत अध्ययनशील थे। वह प्रतिदिन 14 से 18 घंटे अध्ययन करते थे। भीमराव बचपन से ही अपने तय लक्ष्य से नहीं भटकते थे, चाहे जो कुछ भी हो जाए।

प्रेरक प्रसंग

बड़ौदा रियासत के महाराज सयाजीराव गायकवाड़ तृतीय ने एक छात्रवृत्ति योजना आरंभ की थी। इसी योजना के तहत भीमराव अंबेडकर, अमेरिका के न्यूयॉर्क में स्थित कोलंबिया विश्वविद्यालय में स्नातकोत्तर शिक्षा ग्रहण करने गए। कोलंबिया विश्वविद्यालय में अध्ययन करने के दौरान वे अपना ज्यादातर समय लाइब्रेरी में बिताते थे। वे रोज सुबह लाइब्रेरी के खुलने से पहले ही वहां पहुंच जाया करते थे और देर रात तक वहीं बैठकर पढ़ाई करते थे। एक बार लाइब्रेरियन ने उनसे पूछा, 'मैंने तुम्हें अकसर देर तक यहां पढ़ते देखा है। तुम दिन भर किताबों में ही क्यों खोए रहते हो? दूसरे छात्रों की तरह बाहर जाकर मौज-मस्ती क्यों नहीं करते हो?'

इस पर छात्र भीमराव ने बड़ी ही विनम्रता से जवाब दिया, 'यदि मैं भी वैसा ही करूंगा, जैसा दूसरे लोग कर रहे हैं, तो फिर मैं अपने देश-समाज के पिछड़े और जरूरतमंद लोगों का भला कैसे करूंगा?' यह जवाब सुनकर लाइब्रेरियन आश्चर्यचकित रह गए। उनकी समझ में आ गया था कि छात्र भीमराव शिक्षा के माध्यम से अपने देश के पिछड़े लोगों का भला करना चाहता है, उनका उत्थान करना चाहता है, वह अपने लक्ष्य से नहीं भटकेगा। उनकी लगन को देखकर लाइब्रेरियन ने छात्र भीमराव को भविष्य के लिए शुभकामनाएं दीं। इसके बाद भीमराव फिर से किताब पढ़ने में मगन हो गए। *

-बालभूमि फीचर्स

जीके क्विज-49

1. हाल में राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू ने किस फाइटर जेट में उड़ान भरी?
2. पिछले दिनों किस राज्य के मिर्ची चावल को जीआई टैग मिला है?
3. आईसीसी मेंस टी20 अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट में अंपायर बनने वाली पहली महिला कौन है?
4. एशिया महाद्वीप की सबसे बड़ी झील कौन-सी है?
5. किस राज्य का उपनाम 'पांच नदियों की भूमि' है?
6. भारत में सर्वोच्च नागरिक सम्मान का क्या नाम है?
7. किस रंग को शांति का प्रतीक माना जाता है?
8. जंगल का राजा किस जानवर को कहा जाता है ?
9. दिल्ली से पहले भारत की राजधानी कहां पर थी?
10. जन्म के समय नवजात इंसानी शिशु के शरीर में कितनी हड्डियां होती हैं?

बच्चों, जीके क्विज-49 का उत्तर बालभूमि के अगले अंक में प्रकाशित किया जाएगा। सही जवाब देने वाले बच्चों के नाम भी प्रकाशित किए जाएंगे। तुम अपने जवाब हमें balbhoomihb@gmail.com पर मेल कर सकते हो।

जीके क्विज-48 का उत्तर : 1-वाइस-एडमिरल संजय जसजीत सिंह, 2-भूटान, 3-7 अप्रैल, 4-चीन, 5-गंगा डॉलफिन, 6-शुक्र ग्रह को, 7-मछली, 8-11 खिलाड़ी, 9-ब्रह्मपुत्र, 10-लद्दाख

जीके क्विज-48 का सही उत्तर देने वाले :- सृष्टि-बिलासपुर, नरेश-झज्जर, नमन-धमतरी, चंद्रेश-बलौदाबाजार, प्रतीक-कुरुक्षेत्र, गुंजा-रायपुर, यश-भिवानी, सरबजीत-करनाल, प्रिया-जबलपुर, दीपक-दिल्ली, मुकेश-महासमुंद

हंसगुल्ले

रात के समय गप्पा को स्ट्रीट लाइट की रोशनी में कुछ ढूंढते हुए देखकर गोलू- तुम क्या कर रहे हो?

गप्पा(गुस्से में)- मेरी एक टॉफी घर पर गिर गई है, वही ढूंढ़ रहा हूं।

गोलू- तो उसे घर पर जाकर खोजो यहां नहीं।

गप्पा- घर में बहुत अंधेरा है। इसलिए यहीं टॉफी खोज रहा हूं।

-सुरेश, रायपुर

पिंटू को ग्लड के बारे में किताब में पढ़ते देखकर **पिंटू**- तुम ग्लड के बारे में क्यों पढ़ रहे हो?

पिंटू- कल मेरा ब्लड टेस्ट होगा। पता नहीं डॉक्टर अंकल क्या सवाल पूछ लें।

-अंकित, महेंद्रगढ़

मिक्की- चिक्की, यह बता कि क्लासिकल म्यूजिक किसे कहते हैं?

चिक्की- सिंपल, मिक्की जिसे क्लास में बजाते हैं, उसे क्लासिकल म्यूजिक कहते हैं

-मुकेश, बिलासपुर

बात समझ में आ गई

अभय का एडमिशन नए स्कूल में हुआ तो उसने क्लास के बच्चों के सामने अपने पिताजी की प्रसिद्धि का रुआब दिखाना चाहा, लेकिन नील नाम के एक छात्र ने उसकी इस कोशिश पर पानी फेर दिया। आखिर नील ने ऐसा क्या किया, जो उसकी शेखी धरी की धरी रह गई?

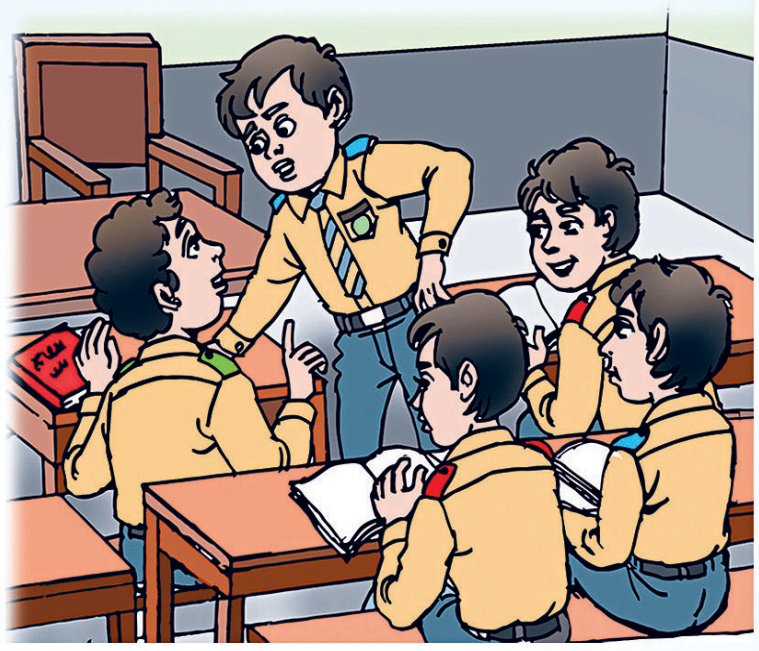

कहानी

डॉ. अलका जैन 'आराधना'

नील ने जब क्लास में कदम रखा तो उसने देखा, सारे बच्चे एक घेरा बनाकर बैठे हैं। उसे बहुत उत्सुकता हुई, आखिर यह हो क्या रहा है? जब नील घेरे के नजदीक गया तो उसने देखा, बच्चों ने एक लड़के को घेर रखा है। नील को एक छात्र ने बताया, 'यह नया लड़का एक बड़े पहलवान का बेटा है। वह अपने पिताजी के बहादुरी के किस्से सुना रहा है।' उस नए बच्चे की कद-काठी देखकर नील को विश्वास हो गया कि अब तो कक्षा में इस लड़के का डंका बजेगा। तभी क्लास में मैडम आ गईं। उनके आते ही सब बच्चे अपनी-अपनी सीट पर जाकर बैठ गए। क्लास में नए बच्चे को देखकर मैडम ने उत्सुकता से पूछा, 'क्या तुम्हारा नया एडमिशन हुआ है?'

'यस मैडम...।' उस लड़के ने बैठे-बैठे ही जवाब दिया। उसने खड़े होकर जवाब देने की जरूरत नहीं समझी। मैडम को उसकी यह बात बुरी लगी। वे उसे समझाते हुए बोलीं, 'जब टीचर कुछ पूछें तो खड़े होकर जवाब देना चाहिए।' फिर मैडम ने पूछा, 'तुम्हारा नाम क्या है?'

उसने तुरंत खड़े होकर जवाब दिया, 'मेरा नाम अभय है। इस स्कूल में कल ही मेरा एडमिशन हुआ है।'

मैडम ने उसे बैठने को कहा और क्लास लेना शुरू किया।

इंटरवल में नील ने देखा कि सब बच्चों में अभय का दोस्त बनने की होड़-सी लगी है। नील को वह घमंडी-सा लग रहा था। अभय अपने पापा की पहलवानी के किस्से अभी भी सबको सुनाए पड़ा था। तभी अभय अचानक नील के पास आया और बोला, 'क्लास के सभी बच्चे मुझसे इंप्रेस हैं और तुम हो कि मुझसे दूर-दूर हो...। लगता है तुम्हें मुझसे ईर्ष्या हो रही है।'

अभय की बात सुनकर नील मुस्कुराते हुए बोला, 'नहीं दोस्त, ऐसी कोई बात नहीं है। बस मुझे तुम्हारी यह बात अच्छी नहीं लग रही है कि तुम सिर्फ अपने पापा की बहादुरी की चर्चा लगातार कर रहे हो। तुम क्या हो, यह भी तो हम सब को बताओ?'

अभय का नाल का बात चुभ गइ। उसन इस बात को चैलेंज के रूप में लिया, वह नील से बोला, 'तो आ जाओ मैदान में... करते हैं फाइटिंग।'

नील ने शांत भाव से जवाब दिया, 'दोस्त! यह लड़ाई का मैदान नहीं है। यह कोई मुक्केबाजी का अखाड़ा भी नहीं है। यह हमारा स्कूल है। यहां हम पढ़ने के लिए आते हैं। मेरे पापा भी बहुत बड़े आदमी हैं। उनका नाम है शहर में, लेकिन पापा मुझसे हमेशा यही कहते हैं कि खुद कुछ ऐसा काम करो, जिससे तुम्हारी अपनी एक पहचान बने।'

नील की बात सुनकर अभय चुप हो गया। जाकर अपनी सीट पर चुपचाप बैठ गया। उसे नील की बात बहुत बुरी लगी। अभय ने घर आकर अपने पिताजी को यह बात बताई। उन्होंने भी उसे समझाया, 'बेटा, नील सही बात कह रहा है। तुम्हें उसको अपना दोस्त बनाने में देरी नहीं करनी चाहिए। उसने सच ही कहा है कि हर किसी को अपनी पहचान खुद बनाने की कोशिश करनी चाहिए। इसकी कोशिश बचपन से ही शुरू कर देनी चाहिए, जैसे स्कूल में पढ़ाई में अव्वल आकर या किसी प्रतियोगिता जैसे खेलकूद, सिंगिंग, पेंटिंग या फिर वाद-विवाद में सफल होकर अपनी एक पहचान बनाओ।'

अभय को पापा की बात समझ में आ गई। उसने पापा से वादा किया कि वह कभी भी उनकी प्रसिद्धि का रौब दूसरों पर नहीं झाड़ेगा। वह भी कुछ ऐसा करेगा, जिससे स्कूल में लोग उसे जानें, उसकी एक पहचान बने। दूसरे दिन स्कूल जाकर अभय सबसे पहले नील से मिला। उसके साथ किए गए अपने गंदे व्यवहार के लिए माफी मांगी। दोनों की देखते ही देखते बहुत गहरी दोस्ती हो गई। जहां नील पूरे स्कूल में पढ़ाई में टॉप करता है, वहीं अभय खेलकूद प्रतियोगिताओं में प्रथम आता है। दोनों की पूरे स्कूल में एक अलग पहचान है। बच्चे नील-अभय की मिसाल देते हैं। *

कविता

राजा चौरसिया

भाग्य स्वयं का गढ़ता है

जिसमें जितनी दृढ़ता है
उतना आगे बढ़ता है।
मिलनसार जो होता वह
नहीं किसी से लड़ता है।
अपनी धुन में पक्का जो
लगन पूर्वक पढ़ता है।
काम दिखाता है करके
नहीं हवा में उड़ता है।
मेहनत करने वाला तो
भाग्य स्वयं का गढ़ता है।
हार कभी हो जाने से
कुछ भी नहीं बिगड़ता है।
दमवाला ही उन्नति के
सदा शिखर पर चढ़ता है।

एम-777 हॉवित्जर की मार से बचना असंभव, जनरल एटॉमिक्स ने बनाया 155 मिमी का अत्याधुनिक गोला

एजेंसी ▶▶ वॉशिंगटन

अमेरिकी हथियार निर्माता कंपनी जनरल एटॉमिक्स ने एम-777 हॉवित्जर के लिए 155 मिमी के अत्याधुनिक आर्टिलरी गोले का निर्माण किया है। इस गोले को लॉन्ग-रेंज मैन्युवरिंग प्रोजेक्टाइल (एलआरएमपी) का नाम दिया गया है। इस गोले की अधिकतम रेंज 150 किलोमीटर तक है। एलआरएमपी अन्य तोप के गोले से बिलकुल अलग है। इस गोले में विंग लगे हुए हैं, जो नियत ऊंचाई पर पहुंचने के बाद खुल जाते हैं और लक्ष्य की ओर तेजी से बढ़ते हैं। ऐसे में दुश्मन का एम777 के हमले से बचना लगभग नामुमकिन हो जाएगा। भारत एम777 हॉवित्जर का लंबे समय से इस्तेमाल कर रहा है। इसे चीन से लगे ऊंचाई वाले इलाकों में तैनात किया गया है।

हॉवित्जर के इस गोले से 150 किमी की दूरी में दुश्मन पर लगेगा एकदम सटीक निशाना

भारत एम 777 हॉवित्जर का लंबे समय से कर रहा इस्तेमाल , इसे चीन से लगे ऊंचाई वाले इलाकों में तैनात किया गया है, इसकी मदद से भारतीय सैनिकों ने लद्दाख के दुर्गम इलामों में चीन से ले रहे

एम-777 से फायर किया गया नया गोला मचाएगा तबाही

सी एयर स्पेस 2023 इवेंट के दौरान जनरल एटॉमिक्स ने बताया कि उसके नए 155 मिमी के गोला-बारूद को एम-777 आर्टिलरी यूनिट से फायर किया जा सकता है। इसके अलावा 39 कैलिबर बैरल वाले तोप इसका इस्तेमाल कर सकते हैं। उन्होंने बताया कि इस नए गोले की रेंज 150 किलोमीटर की है। अधिकतम सीमा पर मौजूद लक्ष्य को भेदने के लिए एलआरएमपी गोला को काफी ऊंचाई तक पहुंचाना होता है। निर्धारित ऊंचाई पर पहुंचने के बाद गोले से लगी डिवाइस अलग हो जाती है और अपने विंग को खोल देती है। इसके बाद गोला अपने लक्ष्य की ओर तेजी से बढ़ता है।

इस साल के अंत तक निर्यात के लिए होगा उपलब्ध

जनरल डायनेमिक्स इस महीन के अंत तक अपना पहला एलआरएमपी परीक्षण करने की योजना बना रहा है। इसके बाद 2023 के अंत तक इसका व्यापक परीक्षण किया जाएगा। इस गोले को 127 एमएम एक तोप से फायर करने योग्य बनाने का प्लान है। ऐसे में गोले की अधिकतम रेंज घटकर 100 किलोमीटर हो सकती है। एक बार परीक्षण पूरा होने के बाद इसे एम-777 के ऑपरेटर देशों को खरीदने के लिए पेश किया जाएगा।

भारत करता है एम777 हॉवित्जर का इस्तेमाल

भारतीय सेना एम777 हॉवित्जर का इस्तेमाल करती है। इसे चीन और पाकिस्तान से लगी सीमा पर तैनात किया गया है। बाकी तोपों की तुलना में वजन में हल्का होने के कारण एम-777 को एलएसी से सटे ऊंचाई वाले इलाकों में तैनात किया गया है। भारत अगर एम-777 के नए गोले को खरीदता है तो चीन की मुश्किलें बढ़ सकती हैं। हिमालय का दुर्गम क्षेत्र होने के कारण अधिकतर लड़ाई लंबी दूरी तक मार करने वाले हथियारों से ही लड़ी जाएगी। ऐसे में 150 किलोमीटर की दूरी तक मार करने वाले यह गोला भारतीय सेना को बढ़त प्रदान कर सकता है।

छत्तीसगढ़ के विकास में बंगाली समाज का महत्वपूर्ण योगदान: भूपेश बघेल

बंगाली नववर्ष एवं बंगाली एसोसिएशन के शताब्दी समारोह में शामिल हुए मुख्यमंत्री

छत्तीसगढ़ फ्रंटलाइन

रायपुर। छत्तीसगढ़ के विकास में बंगाली समाज का महत्वपूर्ण योगदान है। बंगाली समुदाय शुरू से ही सचेत और जागरूक रहा है। बंगाल की धरती क्रांतिकारियों और समाज सुधारकों की रही है। इनके बिना देश की आजादी और नवनिर्माण की कल्पना नहीं की जा सकती है। राजा राममोहन राय और सुभाष चंद्र बोस के योगदान को नहीं भुलाया जा सकता। संत रामकृष्ण परमहंस और स्वामी विवेकानंद पूरी दुनिया को बंगाल की सर्वश्रेष्ठ देन है। देश के भक्ति आंदोलन में भी बंगाल के संतो का महत्वपूर्ण योगदान रहा है। मुख्यमंत्री भूपेश बघेल शनिवार को बिलासपुर के कालीबाड़ी मैदान में आयोजित बंगाली नववर्ष एवं बिलासपुर बंगाली एसोसिएशन के शताब्दी समारोह को संबोधित कर रहे थे। मुख्यमंत्री ने कालीबाड़ी में मां काली की पूजा अर्चना कर प्रदेशवासियों की सुख समृद्धि और खुशहाली की कामना की। कार्यक्रम की अध्यक्षता खाद्य एवं संस्कृति मंत्री अमरजीत भगत ने की।

मुख्यमंत्री भूपेश बघेल ने बंगाली समुदाय को मोपका और तिफरा में 7 हजार और 5 हजार स्क्वेयर फीट जमीन आबंटित करने के लिए कार्यवाही करने के निर्देश कलेक्टर को दिए। कार्यक्रम को संबोधित करते हुए मुख्यमंत्री बघेल ने कहा कि दुर्गा पूजा और गणेश पूजा हमारी सांस्कृतिक पहचान बन गए हैं। बंगाल से छत्तीसगढ़ के सांस्कृतिक संबंध रहें है। लोगों के साथ उनकी संस्कृति भी चलती है। छत्तीसगढ़ ने बंगाल की संस्कृति को आत्मसात किया है। मुख्यमंत्री ने स्वामी विवेकानंद और रविंद्रनाथ टैगोर की छत्तीसगढ़ यात्राओं का भी स्मरण किया।

मुख्यमंत्री बघेल ने कहा कि स्वामी विवेकानंद ने बंगाल के बाद सबसे ज्यादा समय छत्तीसगढ़ में ही बिताया है। उन्होंने पूरे 2 वर्ष तक का समय छत्तीसगढ़ में बिताया। स्वामी विवेकानंद के नाम पर ही छत्तीसगढ़ में एयरपोर्ट का नाम रखा गया है। रविंद्रनाथ टैगोर के द्वारा समाज को दिए गए योगदान को नही भुलाया जा सकता। रविंद्रनाथ टैगोर ने भी छत्तीसगढ़ में समय बिताया है। उन्होंने अविभाजित बिलासपुर में अपनी पत्नी का इलाज करवाया था। कार्यक्रम में स्वागत भाषण बंगाली एसोसिएशन बिलासपुर के महासचिव देवाशीष लाल्टू घोष ने दिया।

समारोह में मुख्यमंत्री भूपेश बघेल ने छत्तीसगढ़ की महान विभूतियों को छत्तीसगढ़ रत्न अवार्ड से सम्मानित किया। इनमें पद्म विभूषण पंडवानी गायिका श्रीमती तीजन बाई, न्यायमूर्ति किशोर भादुड़ी, नीति आयोग के पूर्व सदस्य और अर्थशास्त्री प्रणव कुमार चट्टोपाध्याय शामिल हैं। शताब्दी समारोह में संसदीय सचिव श्रीमती रश्मि सिंह, विधायक शैलेश पांडे, नगर निगम बिलासपुर के महापौर रामशरण यादव, छत्तीसगढ़ पर्यटन मंडल के अध्यक्ष अटल श्रीवास्तव, जिला सहकारी बैंक बिलासपुर के अध्यक्ष प्रमोद नायक, अरपा विकास प्राधिकरण के उपाध्यक्ष अभय नारायण राय, विजय केशरवानी, विजय पांडे, रामकृष्ण मिशन कोनी के संत सेवाव्रतनंद महाराज, रविघोष, सहित बंगाली समाज के पदाधिकारी और बड़ी संख्या में समाज के लोग मौजूद थे। समारोह में बच्चों द्वारा सांस्कृतिक कार्यक्रमों की प्रस्तुति भी दी गई।

हकीकत बयां करना हेट स्पीच नहीं : बृजमोहन

कहा : सीएम बघेल अपनी गलतियां छुपाने लोगों के अधिकारों का दमन कर रहे

छत्तीसगढ़ फ्रंटलाइन

रायपुर। हेट स्पीच मामले में भाजपा नेताओं पर अपराध दर्ज किए जाने पर वरिष्ठ भाजपा नेता एवं विधायक बृजमोहन अग्रवाल ने कहा कि मुख्यमंत्री भूपेश बघेल डरे हुए घबराए हुए हैं। वे अपनी गलतियों को छुपाने के लिए लोगों के अधिकारों का दमन कर रहे हैं।

बृजमोहन ने कहा कि भाजपा नेताओं द्वारा किया गया पोस्ट मैंने भी देखा है। उनके पोस्ट में ऐसा कुछ नहीं है कि इसे हेट स्पीच कहा जाए या लोगों को भड़काने वाला माना जाए। परंतु वास्तविक स्थित को बयां करना कि छत्तीसगढ़ सरकार के संरक्षण में धर्मांतरण हो रहा है। वर्ग विशेष के लोगों को प्रश्रय मिल रहा है। हिंदू लड़कियों को बरगला कर और उनसे शादी करने के बाद में उनको जीवन बर्बाद किया जा रहा है। अगर दिख रहा यह सच लोग बोल रहे हैं तो यह कौन सा हेट स्पीच है?

भाजपा के खिलाफ पूर्वाग्रह से कार्रवाई करने वाले अधिकारियों पर बृजमोहन ने कहा कि उन्हें यह समझ लेना चाहिए की वे दूध के धुले हुए नहीं हैं। वे सरकार की गलत बातों को सिर आंखों पर लेकर कार्य करेंगे तो हम भी केंद्र सरकार से मांग करेंगे कि जिन अधिकारियों के खिलाफ भ्रष्टाचार के मामले व अन्य तरह की जांच चल रहे हैं उन पर कार्रवाई की जाए।

देश की जनता जानना चाहती है पुलवामा का सच क्या है : कांग्रेस

प्रधानमंत्री मोदी जम्मू कश्मीर के पूर्व राज्यपाल के खुलासे पर जवाब दें : मोहन मरकाम

छत्तीसगढ़ फ्रंटलाइन

रायपुर। पुलवामा हमले में जम्मू कश्मीर के तत्कालीन राज्यपाल सत्यपाल मलिक के द्वारा उठाये गये सवालों का जवाब मोदी सरकार को देना चाहिये। प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष मोहन मरकाम ने कहा कि देश की जनता जानना चाहती है कि पुलवामा का सच क्या है? पुलवामा हमले के तुरंत बाद जब राज्यपाल सत्यपाल मलिक ने प्रधानमंत्री से इस मसले पर सवाल खड़ा किया तथा जांच को कहा तो उनसे चुप रहने को क्यों कहा गया? तत्कालीन राज्यपाल मलिक दावा कर रहे कि सीआरपीएफ ने अपने जवानों को ले जाने जहाज की मांग किया था लेकिन गृह मंत्रालय ने मना कर दिया था ऐसा क्यों हुआ? देश जानना चाहता है। सत्यपाल मलिक यह भी कह रहे कि उन्होंने प्रधानमंत्री से पुलवामा हमले के तुरंत बाद जिम कॉर्बेट पार्क में फोन पर बात किया था। उन्होंने इस मामले में चुप रहने किसी से भी बात नहीं करने को कहा था प्रधानमंत्री ने ऐसा क्यों कहा था? इसके बारे में भी देश को बताना चाहिये।

प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष मोहन मरकाम ने कहा कि पुलवामा में देश के 40 जवान वीरगति को प्राप्त हुए, शहीद हुए। पुलवामा आतंकी हमला पाकिस्तान प्रायोजित आतंकवादियों द्वारा भारत की संप्रभुता पर हमला था। अब जब ये बात सामने आ गई है कि मोदी ने खुद एक राज्यपाल को ह्लचुप रहनेह्ल की हिदायत दी, तब ये गंभीर प्रश्न उठता है कि क्या हमारी सेना का इस्तेमाल सस्ती राजनैतिक लोकप्रियता हासिल करने के लिए हुआ?

कॉलेजों में प्रवेश लेने की उम्र का बंधन समाप्त होने से छात्राओं की संख्या में इजाफा

पिछले 4 वर्षों में 33 नवीन शासकीय महाविद्यालय की स्थापना

छत्तीसगढ़ फ्रंटलाइन

रायपुर। छत्तीसगढ़ के कॉलेजों में प्रवेश लेने की उम्र की सीमा समाप्त किए जाने से पढ़ने के इच्छुक लोगों को पढ़ाई का फिर से मौका मिल रहा है। राज्य सरकार द्वारा छत्तीसगढ़ में उच्च शिक्षा को बढ़ावा देने के लिए नए कॉलेज प्रारंभ किए जा रहे हैं। साथ ही कॉलेजों में विभिन्न विषयों के नए-नए संकाय प्रारंभ किए जा रहे हैं। राज्य के कॉलेजों में लड़कियों के प्रवेश लेने की संख्या में लगातार इजाफा हो रहा है। यह छत्तीसगढ़ के लिए शुभ संकेत है, आने वाले दिनों में महिलाओं को सशक्त होने का मौका मिलेगा। मुख्यमंत्री भूपेश बघेल और उच्च शिक्षा मंत्री उमेश पटेल की पहल पर उच्च शिक्षा के विस्तार के लिए लगातार प्रयास किए जा रहे हैं। राज्य सरकार द्वारा उच्च शिक्षा के स्तर की गुणवत्ता बढ़ाने के लिए नैक के द्वारा निर्धारित विभिन्न मापदण्डों के अनुरूप शैक्षणिक अधोसंरचना एवं अकादमिक स्तर की व्यवस्था सुनिश्चित करने के लिए मिशन मोड पर नैक से संबद्धता प्राप्त करने का अभियान प्रारंभ किया गया है। वर्तमान में नैक से मूल्यांकित कॉलेजों की संख्या 192 हो गई है।

सरकार के प्रयासों का ही नतीजा है कि कॉलेज में प्रवेश लेने वालों छात्रों की संख्या लगातार बढ़ रही है। जहां 2018-19 में करीब 2 लाख 26 हजार 373 छात्रों ने कॉलेज में प्रवेश लिया वहीं यह संख्या वर्ष 2022-23 में 48 प्रतिशत बढ़कर 3 लाख 35 हजार 139 हो गई है। जो कि 2018-19 की तुलना में एक लाख 8 हजार 766 अधिक है। कॉलेज में पढ़ने वाले छात्रों की बढ़ती संख्या को देखते हुए विगत 4 वर्षों में कुल 33 नवीन शासकीय एवं 76 अशासकीय महाविद्यालय की स्थापना की गई है। छत्तीसगढ़ में 285 शासकीय महाविद्यालय, 12 अनुदान प्राप्त अशासकीय महाविद्यालय एवं 252 अनुदान अप्राप्त अशासकीय महाविद्यालय संचालित हैं। उच्च शिक्षा विभाग के अंतर्गत 09 राजकीय एवं 15 निजी विश्वविद्यालय संचालित है।

मुख्यमंत्री ने महाप्रभु वल्लभाचार्य की जयंती पर उन्हें किया नमन

रायपुर। मुख्यमंत्री बघेल ने पुष्टिमार्ग के संस्थापक महाप्रभु वल्लभाचार्य की 16 अप्रैल को जयंती के अवसर पर उन्हें नमन किया है। मुख्यमंत्री बघेल ने कहा है कि वैशाख माह के कृष्ण पक्ष की एकादशी को वल्लभाचार्य जी का जन्म छत्तीसगढ़ के चंपारण में हुआ था। इससे उनका गहरा नाता यहां से बन गया। भक्तिकालीन श्रीकृष्ण भक्ति शाखा के अग्रणी वल्लभाचार्य जी श्रीनाथ के अनन्य भक्त थे। उन्होंने श्री कृष्ण के स्वरूप और लीलाओं का वर्णन करते हुए कई ग्रंथों की रचना की। उन्होंने पुष्टिमार्ग के रूप में श्रीकृष्ण के प्रेम और स्नेह से परिपूर्ण भक्ति मार्ग दिखाया। पुष्टिमार्ग को कई लोगों ने अपनाया। उनके प्रसिद्ध शिष्य सूरदास ने उनकी विरासत को आगे बढ़ाया और कृष्ण प्रेम का माधुर्य लिए कई प्रसिद्ध रचनाएं लिखी।

निवेशको के करोड़ो रुपए हड़पने वाले जालसाज को भेजा जेल

छत्तीसगढ़ फ्रंटलाइन

मोहनलालगंज।प्लाटिगं में पैसा लगाकर कई गुना मुनाफे का लालच देकर निवेशको से करोड़ की ठगी करने के आरोपी नटवरलाल वैभव केला को शुक्रवार को मोहनलालगंज पुलिस ने जेल भेज दिया।ज्ञात हो आधा दर्जन से अधिक निवेशको से करोड़ो की ठगी कर जालसाज वैभव केला काफी समय से आफिस बंदकर फरार चल रहा था, ओर उसने निवेशको के पैसो की देनदारी से बचने के लिये अपना फोन भी बंद कर दिया था, गुरूवार की दोपहर गुपचुप तरीके से जालसाज वैभव केला निवासी लक्ष्मीभवन माल गोदाम रोड, ?शबाग थाना बाजारखाला अपनी पत्नी जयंती वनराज के संग मोहनलालगंज तहसील के सब रजिस्टार आफिस में एक जमीन की रजिस्ट्री करने पहुंचा था, भनक लगते ही निवेशको ने उसे पकड़कर पिटाई के बाद मोहनलालगंज पुलिस के हवाले कर दिया था,इस दौरान जालसाज व उसकी पत्नी समेत साथ में मौजूद लोगो ने निवेशको से मारपीट भी की थी।जालसाज का शिकार पीड़िता अपर्णा कुमारी,इकबाल अहमद, विवेक सक्सेना समेत एक अन्य द्वारा दी गयी अलग-अलग तहरीरो पर पुलिस ने आरोपी जालसाज वैभव केला के विरूद्व पैसे हड़पने, मारपीट, जान से मारने की धमकी समेत अन्य धाराओ में चार मुकदमें दर्ज किये, वही एक पीड़िता अफरीन की तहरीर पर पुलिस ने जालसाज की पत्नी जयंती वनराज के विरुद्व मारपीट व जान से मारने की धमकी देने का मुकदमा दर्ज किया है।

भाजपा में नगर पंचायत चुनाव के टिकट को लेकर सबसे अधिक मारामारी

एक तथाकथित भाजपा नेता रक्षा मंत्री के नाम पर कर रहा धन उगाही, कार्यकताओं में रोष

छत्तीसगढ़ फ्रंटलाइन

बंथरा, लखनऊ। नगर निकाय चुनाव की रणभेरी बज चुकी है भाजपा, सपा, बसपा तथा कांग्रेस सहित सभी दलों के में प्रत्याशी टिकट के लिए जोर आजमाइश कर रहे हैं सबसे अधिक टिकट को लेकर मारामारी भारतीय जनता पार्टी में दिखाई दे रही है जिसके कारण इस पार्टी के कई नेता धन उगाही मैं भी लगे हुए हैं । बंथरा नगर पंचायत के चुनाव का बिगुल बज चुका है नामांकन की अंतिम तिथि 17 अप्रैल है लेकिन अभी तक किसी भी प्रमुख राजनीतिक दल ने अपने प्रत्याशियों की घोषणा नहीं की है टिकट को लेकर सबसे अधिक मारामारी जोर आजमाइश भारतीय जनता पार्टी में दिखाई पड़ रही है इस भीड़ को लेकर जहां भाजपा के नेता उत्साहित हैं वही कुछ नेता अपने को देश, प्रदेश के बड़े नेताओं का नजदीकी दर्शाकर प्रत्याशियों से धन उगाही का कार्य भी कर रहे हैं जिसको लेकर भाजपा के मूल कार्यकताओं में रोष भी व्याप्त हो रहा है । सरोजनी नगर विधानसभा क्षेत्र में एक तथाकथित भाजपा नेता हैं जोकि देश के रक्षा मंत्री का नजदीकी दर्शा कर चेयरमैन व पार्षद के टिकटों में टिकट के दावेदारों से धन उगाही का कार्य कर रहे हैं । यह भाजपा नेता पूर्व में राष्ट्रीय क्रांति पार्टी फिर समाजवादी पार्टी में सत्ता की मलाई चाट कर 2017 के विधानसभा चुनाव से पूर्व भाजपा में शामिल होकर फिर से सरकार का पूरा फायदा उठा रहे हैं, अपने को रक्षा मंत्री का नजदीकी दर्शा कर कार्यकताओं पर अपना प्रभाव दिखा कर पूरी तरह से दलाली में लिप्त हैं जिसके कारण भाजपा के मूल कार्यकर्ता अत्यंत निराश और क्षुब्ध है। देश के रक्षा मंत्री अत्यंत ईमानदार और बेदाग व्यक्ति हैं जिनके राजनीतिक जीवन में आज तक कोई भी आरोप सत्ता पक्ष या विपक्ष के लोग भी नहीं लगा सके हैं, लेकिन इस समय सरोजनी नगर क्षेत्र में एक तथाकथित भाजपा नेता रक्षा मंत्री का नाम लेकर उनको अपना नजदीकी बताकर पूरी तरह से भ्रष्टाचार में लिप्त हैं । बताया जाता है कि सरोजनी नगर विधानसभा क्षेत्र के नगर क्षेत्र में पार्षदों तथा ग्रामीण क्षेत्र की बंथरा नगर पंचायत में टिकट को लेकर भाजपा में मारामारी मची हुई है एक तरफ कार्यकर्ता अपनी मेहनत को बताकर टिकट पाने का प्रयास कर रहे हैं तो दूसरी ओर दूसरे दलों से आए लोग धन खर्च करके टिकट पाने का प्रयास कर रहे हैं अब देखना होगा भाजपा में जी-जान लगाकर मेहनत करने वाले पार्टी के कार्यकताओं को टिकट मिलता है या अभी चंद दिनों पहले भाजपा में शामिल हुए धनाढ्य लोगों को टिकट मिलता है यह देखना दिलचस्प होगा ।

नौकरी दिलाने के नाम पर महिला से 14 लाख रुपए की ठगी

छत्तीसगढ़ फ्रंटलाइन

लखनऊ। सरोजनी नगर पुलिस एक वांछित अभियुक्त को पकड़ा हैं। राजधानी के ईटऔंजा के थाना कुम्हारावा के पलाखर निवासी सुमित सिंह पुत्र कमलेश परताब सिंह (26) पर नौकरी लगवाने के नाम पर पीड़िता से चौदह लाख रुपए हड़पने एवम अपने प्रेम जाल में फंसाकर बलात्कार करने का आरोप लगा कर मुकदमा दर्ज कराया है।पुलिस मुकदमा दर्ज कर आरोपी की तलाश कर रही थी इसी कड़ी में थाना सरोजनी नगर इंस्पेक्टर संतोष कुमार आर्य द्वारा पुलिस टीम ने शुक्रवार को मुखबिर की खास सूचना पर कुम्हरावा क्लिनिक के पास से आरोपी को गिरफ्तार कर लिया और कानूनी कार्रवाई करते हुए आरोपी सुमित सिंह को जेल भेज दिया गया गिरफ्तार करने वाली पुलिस टीम के सदस्यों में उपनिरीक्षक अनिरुद्ध सिंह सेंगर , महिला उपनिरीक्षक शौम्या मिश्रा ,हेड कांस्टेबिल अरुण कुमार सिंह की भूमिका रही।

संदिग्ध परिस्थितियों में लापता हुई महिला को पुलिस ने सकुशल किया बरामद

सरोजनीनगर।सरोजनीनगर के रहीमाबाद के भक्ति खेड़ा निवासी रामू की पत्नी पूनम उम्र करीब 28 वर्ष जो संदिग्ध परिस्थितियों में लापता हो गई थी।जिसकी परिजनों द्वारा तलाश की जा रही थी।लेकिन पता नहीं चल सका था। इसकी पूनम के पति रामू ने बीती 12 अप्रैल को सरोजनीनगर थाने पर तहरीर देकर पूनम के लापता होने की गुमशुदगी दर्ज कराई थी। पुलिस महिला की तलाश कर रही थी।जिसे पास के ही गांव गेहरु में बरामद कर लिया महिला से पुलिस ने पूंछ ताछ की। लेकिन वह कुछ बता नहीं पा रही थी। जिसे हाइडिल स्थित वृद्धाश्रम में रख कर महिला के परिजनों को बुलाकर उसके पति रामू पुत्र सिया लाल निवासी भक्ति खेड़ा को सकुशल सुपुर्द कर दिया।इस दौरान महिला के परिजनों ने पुलिस की भूरी भूरी प्रसंशा की ।

धूमधाम से निकाली गई भीम शोभायात्रा

छत्तीसगढ़ फ्रंटलाइन

गोसाइगंज। शुक्रवार को लखनऊ जनपद के गोसाईगंज क्षेत्र के अंतर्गत एच.सी.एल. चौकी लखनऊ से भव्य भीम यात्रा का आयोजन क्षेत्रीय समाजसेवियो द्वारा किया गया, जिसमें लगभग 6 हजार से अधिक लोगों ने यात्रा में हिस्सा लिया तथा जय भीम, बाबा साहब अंबेडकर अमर रहे, भीम जयंती जिंदाबाद सहित अनेकों नारे लगाए, यात्रा की शुरूआत एच.सी.एल. चौकी लखनऊ के पास से खुरदही, गोसाईगंज, अमेठी, गंगागंज से होते हुए गोसाईगंज के समीप कोड़रा गांव में यात्रा का समापन हो गया ।समापन के पश्चात सभी भीम यात्रियों ने भोजन किया ।बाबा साहब डॉक्टर भीमराव अंबेडकर की जयंती 14 अप्रैल को मनाई जाती है, उनकी भूमिका संविधान निर्माण में तो अतुल्य थी ही साथ ही दलित समाज के उत्थान में भी महत्वपूर्ण भूमिका रही, उनका जन्म 14 अप्रैल 1891 में मध्यप्रदेश के महू गांव में हुआ था, उस दौर में आर्थिक सामाजिक भेदभाव का सामना करना पड़ता था, बेहद विषम परिस्थितियों में पढ़ाई करने वाले बाबा साहब ने स्कूल में भी भेदभाव का सामना किया डॉक्टर अंबेडकर का जीवन संघर्ष और सफलता की कहानी सभी के लिए प्रेरणा है

क्रिकेट चैंपियनशिप (ग्रामीण) के लीग मुकाबलों में चौहान क्रिकेट क्लब और अंबेडकर क्रिकेट क्लब बंथरा ने हासिल की जीत

सशक्त समाज के निर्माण में खेल और खिलाड़ी की भूमिका अहम : डॉ. राजेश्वर सिंह

छत्तीसगढ़ फ्रंटलाइन

लखनऊ। सरोजनीनगर विधायक डॉ. राजेश्वर सिंह द्वारा युवाओं की खेल प्रतिभा को निखारने और खिलाड़ियों को मंच उपलब्ध करने के लिए शुरू की गई 'सरोजनीनगर स्पोर्ट्स लीग' के अंतर्गत चल रही क्रिकेट चैंपियनशिप में युवा खिलाड़ी अपने उत्कृष्ट खेल का प्रदर्शन कर रहे हैं। निरंतर चल रही इस चैंपियनशिप के आठवें दिन हुए लीग मुकाबलों में भी सभी टीमों के बीच जबरदस्त टक्कर देखने को मिली।जय जगत पार्क में चल रहे क्रिकेट चैंपियनशिप (शहरी) में शुक्रवार को अंडर-19 इंटर स्कूल के तहत पहला मुकाबला आजाद हायर सीनियर सेकेंडरी (एचएसएस) स्कूल और मणिपाल पब्लिक स्कूल के बीच खेला गया। टॉस जीतकर मणिपाल पब्लिक स्कूल ने पहले फिल्डिंग करनें का फैसला किया। आजाद एचएसएस स्कूल ने 10 ओवर ने 6 विकेट पर 91 रन बनाए। जवाब में लक्ष्य का पीछा करने उतरी मणिपाल पब्लिक स्कूल ने 10 ओवर में 56 रन ही बना सकी। आजाद एचएसएस स्कूल के सौरभ मैन ऑफ द मैच व बेस्ट बैटर बनें तो इसी स्कूल के रोहन बेस्ट बॉलर, नीतिश कुमार बेस्ट फिल्डर और अबू सुमामा ने सबसे ज्यादा कैच लपके।इसके बाद दूसरा मुकाबला अंडर 25 स्पोर्ट्स क्लब की किंग टाइगर स्टार और फैंटा क्रिकेट 11 के बीच खेला गया। फैंटा क्रिकेट 11 ने टॉस जीतकर पहले किंग टाइगर स्टार को बल्लेबाजी करने का न्यौता दिया। किंग टाइगर स्टार ने 10 ओवर में 4 विकेट खोकर 114 रन बनाएं तो वहीं लक्ष्य का पीछा करने उतरी फैंटा क्रिकेट 11 का प्रदर्शन बेहद खराब रहा। टीम 8 विकेट खोकर केवल 40 रन ही बना सकी। किंग टाइगर स्टार के हामिद ने सर्वाधिक (47) रन बनाएं और 2 विकेट भी चटके इसलिए वो मैन ऑफ द मैच, बेस्ट बैटर और बेस्ट फिल्डर चुने गए। इसी टीम के मानु ने सबसे ज्यादा कैच लपके तो वहीं राहुल बेस्ट बॉलर चुने गए।बंथरा स्थित लाला रामस्वरूप शिक्षा संस्थान इंटर कॉलेज में चल रहे किक्रट चैंपियनशिप (ग्रामीण) के तहत पहला मुकाबला अंडर 25 स्पोर्ट्स क्लब की जय चंदे बाबा क्रिकेट क्लब और चौहान क्रिकेट क्लब बंथरा के बीच हुआ।टॉस जीतकर पहले बल्लेबाजी करने उतरी चौहान क्रिकेट क्लब ने 10 ओवर में 4 विकेट के नुकसान पर 115 बनाएं तो वहीं लक्ष्य का पीछा करने उतरी जय चंदे बाबा क्रिकेट क्लब ने 10 ओवर में 6 विकेट के नुकसान पर 81 ही बना पाई। चौहान? क्रिकेट क्लब के विशाल सिंह मैन ऑफ द मैच, रवि सिंह सर्वश्रेष्ठ बल्लेबाज, शाहिद बेस्ट फिल्डर चुने गए जबकि जय चंदे बाबा क्रिकेट क्लब के ब्रजेश बेस्ट बॉलर और प्रशांत सर्वाधिक कैच लेने वाले खिला?ड़ी बने।अंडर 25 स्पोर्ट्स क्लब का दूसरा मुकाबला अंबेडकर क्रिकेट क्लब बंथरा और कासिम खेड़ा स्टार 11 के बीच हुआ। इस मैच में खिलाड़ियों का उत्साह वर्धन करने मोहनलालगंज पूर्व सांसद रीना चौधरी पहुंची। टॉस जीतकर पहले बल्लेबाजी करने उतरी अंबेडकर क्रिकेट क्लब ने 10 ओवर में 7 विकेट के नुकसान पर 61 रन बनाएं तो जवाब में कासिम खेड़ा स्टार 11 की पूरी टीम 10 ओवर में मात्र 54 रन ही बना पाई।

भाजयुमो नेता पर जानलेवा हमले का फरार एक और आरोपी गिरफ्तार

प्रतिनिधि छ.ग. फ्रंटलाइन

सूरजपुर। भाजयुमो नेता पर जानलेवा हमला करने के मामले में फरार एक और आरोपी को भटगांव पुलिस ने गिरफ्तार किया है। ज्ञात हो कि 28 फरवरी को भटगांव थाना क्षेत्र अन्तर्गत ग्राम केवटाली जंगल में डोमनहील चिरमिरी निवासी रोहित सिंह और उसके साथियों के द्वारा रास्ता रोककर भाजयुमो के मण्डल अध्यक्ष अमन प्रताप सिंह व उसके साथियों को जान से मारने की धमकी देकर राड से प्राणघातक हमला किया गया था। अखण्ड प्रताप सिंह की रिपोर्ट पर भटगांव पुलिस ने धारा 341, 147, 148, 149, 506बी, 324, 323, 307, 115, 120बी के तहत मामला पंजीबद्ध किया गया। पूर्व में मामले के आरोपी संजय अग्रवाल, चंदन उर्फ चंद्रप्रकाश शर्मा, आफताब खान उर्फ गोलू व राकेश चौहान को गिरफ्तार किया गया था और अन्य आरोपी की पतासाजी की जा रही थी। पुलिस महानिरीक्षक सरगुजा रेंज रामगोपाल गर्ग के सतत् मार्गदर्शन में पुलिस अधीक्षक रामकृष्ण साहू के निर्देशन में भटगांव पुलिस आरोपी की पतासाजी में लगी थी। अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक मधुलिका सिंह व एसडीओपी प्रतापपुर अमोलक सिंह के मार्गदर्शन में थाना भटगांव व चिरमिरी पुलिस की संयुक्त टीम ने मुखबीर की सूचना पर दबिश देकर आरोपी विक्रम सिंह उर्फ विक्की 24 वर्ष निवासी सोनामनी डोमनहील, चिरमिरी, थाना चिरमिरी को घेराबन्दी कर पकड़ और विधिवत् गिरफ्तार किया गया। इस कार्यवाही में थाना प्रभारी भटगांव राजेन्द्र साहू, थाना प्रभारी चिरमिरी कमलकांत शुक्ला, एसआई सी.पी.तिवारी, प्रधान आरक्षक संदीप वारीश, सुरेन्द्र गौड, संजय पाण्डेय, आरक्षक रामजी गुप्ता, राजेन्द्र गुप्ता, रौशन सिंह, युवराज यादव, नौशाद, संतोष जायसवाल, प्रकाश व प्रहलाद पैकरा सक्रिय रहे।

भाजपा चिकित्सा प्रकोष्ठ के द्वारा स्वास्थ्य शिविर लगा 353 मरीजो का किया गया उपचार

प्रतिनिधि छ.ग. फ्रंटलाइन

सूरजपुर। भाजपा चिकित्सा प्रकोष्ठ एवं मंडल सूरजपुर ग्रामीण के संयुक्त तत्वावधान में अम्बेडकर जयन्ती के उपलक्ष्य पर ग्राम पंचायत पसला में स्वास्थ्य शिविर का आयोजन किया गया। शिविर में 353 मरीजो का स्वास्थ्य परीक्षण किया गया जिसमें 82 मरीजों को पंचगव्य थेरेपी कराया गया एवं 26 मरीजों का दांत का इलाज किया गया एवं सभी मरीजों का शुगर बीपी का चेकअप किया गया ।एवं निशुल्क दवाइयों का वितरण किया गया । कार्यक्रम में मुख्य अतिथि के रूप में भाजपा जिलाध्यक्ष बाबुलाल अग्रवाल एवम विशिष्ट अतिथि के रूप में प्रदेश कार्यसमिति सदस्य भीमसेन अग्रवाल पूर्व जिलाध्यक्ष रामकृपाल साहू उपाध्यक्ष पुष्पा सिंह कोषाध्यक्ष थलेस्वर साहू शहर मंडल अध्यक्ष अजय अग्रवाल उपस्थित रहे । अपने उदबोधन में जिलाध्यक्ष बाबुलाल अग्रवाल ने कहा कि अम्बेडकर जयंती के अवसर पर जिला चिकित्सा प्रकोष्ठ एवं ग्रामीण मंडल सूरजपुर का यह आयोजन सेवा कार्य का सबसे बड़ा उदाहरण है,एवं बाबा साहब के सिद्धांत के अनुसार समावेशी समाज की परिकल्पना को साकार करने वाला है मैं सभी सम्मानीय डॉक्टर बंधुओं को एवं सवास्थ्य सेवा देंने वाली टीम को हृदय से धन्यवाद देता हूँ जिन्होंने अपना महत्वपूर्ण समय जनसेवा के इस कार्य मे दिया ग्रामीण मंडल को भी मैं बहुत बधाई देता हूँ कि इन्होंने इतना बड़े सफल आयोजन का बीड़ा उठाया ।

डॉ आंबेडकर जयंती पर ग्राम पसला में हुआ आयोजन

भीमसेन अग्रवाल एवं रामकृपाल साहू ने कहा कि नर सेवा ही नारायण सेवा है हमेशा सबका साथ सबका विकास सबका विश्वास सबका प्रयास के सिद्धान्तों पर काम करती है । स्वागत उदबोधन चिकित्सा प्रकोष्ठ के जिला संयोजक डॉ.शुशांत विश्वास ने देते हुए अथितियों का अभिनंदन किया । साथ ही जिला कोषाध्यक्ष थलेस्वर साहू मंडल अध्यक्ष सुरेंद्र राजवाड़े ने भी कार्यक्रम को संबोधित किया। ग्रामीण मंडल की और से समस्त डॉक्टर, स्टाफ एवं अतिथियों को स्मृति चिन्ह भेंट किया गया। कार्यक्रम में प्रदेश कार्यसमिति सदस्य डॉ एच एन चतुर्वेदी विशेष रूप से उपस्थित रहे डॉक्टरों की टीम में डॉक्टर जयराम साहू चिकित्सा प्रकोष्ठ सहसंयोजक एवं डॉक्टर सुनील श्रीवास्तव चिकित्सा प्रकोष्ठ सहसंयोजक डॉ मुकेश राजवाड़े दंत स्पेशलिस्ट डॉ दीपक सिन्हा भैयाथान मंडल संयोजक डॉक्टर राजेश शर्मा फार्मासिस्ट प्रमोद सोनी डॉ तरुण कुमारी सावित्री पंचगव्य थेरेपी डॉ अवधेश कुमार उनके साथ डॉ कामेश्वर राजवाड़े अर्जुन और विनोद उपस्थित रहे। ग्रामीण मंडल सूरजपुर की और से पि. वर्ग म. अध्यक्ष टेक नरायण राजवाहे किसान मोर्चा म. अध्यक्ष अमरजित राजवाडे, रेवती राजवाड़े, देव नारायण राजवाडे तिलक राजवाडे, सतेंद्र राजवाड़े समीद खान, देवनरायाण मिस्त्री सरपंच पति शिव प्रसाद सिंह , राम विलास सिंह बुथ अध्यक्ष रामा धार ठाकूर, गंगा राम,होल साय, राजेश केसरी यति लाल, कमल यादव, कुत्ते राजवाडे, लखन, राम, हरेन्द्रराज, कोमल साय, एवं समस्त कार्य करताओं की अथक प्रयास से उक्त कार्यक्रम सम्पन्न हुआ।

डां.भीमराव अंबेडकर जयंती पर रामेश्वरम में हुआ समरसता भोज

भाजपा ने सामाजिक न्याय पखवाड़ा के तहत किए विविध आयोजन

प्रतिनिधि छ.ग. फ्रंटलाइन

सूरजपुर। भाजपा अजजा मोर्चा के नेतृत्व में डा. भीमराव अम्बेडकर जयंती को समरसता दिवस के रुप में मनाया गया। समरसता दिवस पर विकास खंड रामानुजनगर के ग्राम रामेश्वर में आयोजित कार्यक्रम में कटघोरा क्षेत्र के पूर्व विधायक लखनलाल देवांगन, भाजपा जिलाध्यक्ष बाबूलाल अग्रवाल, वरिष्ठ भाजपा नेता भीमसेन अग्रवाल, नपा उपाध्यक्ष रितेश गुप्ता, जिला कोषाध्यक्ष थलेश्वर साहू शामिल हुए।इस दौरान समरसता भोज का कार्यक्रम भी रखा गया था जहां दलित समाज के साथ सह भोज में सभी भाजपा पदाधिकारी शामिल हुए।कार्यक्रम को संबोधित करते हुए कहा कि पूर्व विधायक लखन लाल देवांगन ने कहा कि संविधान निर्माता डा. भीमराव अंबेडकर के कारण ही हमें सभी संवैधानिक अधिकार मिला हुआ है।आज देश में सभी वर्गों में बराबरी का दर्जा मिला है। भाजपा जिलाध्यक्ष बाबूलाल अग्रवाल ने कहा कि भारत का संविधान हमे समान अवसर देता है यह सब अंबेडकर जी के कारण संभव हुआ है। भूपेश सरकार ने छत्तीसगढ़ में अजजा वर्ग का आरक्षण कम कर दलित समाज के साथ धोखा किया।इस अवसर पर अजजा मोर्चा जिलाध्यक्ष लालचंद कुर्रे, भाजपा नेता शैलेश्वर सिंह, बबलू चौधरी सहित बड़ी संख्या में ग्रामीण जन मौजूद रहे।

गेवरा-दीपका की तरह बंद करेंगे कुसमुंडा खदान

कोरबा। छ.ग. फ्रंटलाइन। ऊर्जाधानी भूविस्थापित किसान कल्याण समिति के बैनर तले एसईसीएल क्षेत्र के भू-विस्थापित किसानों की 11 सूत्रीय मांगों पर चरणबद्ध आंदोलन किया जा रहा है। रोजगार, मुआवजा, बसाहट और अन्य समस्याओं को लेकर गेवरा, दीपका के बाद तीसरे चरण में 16 अप्रैल को कुसमुंडा खदान के उत्खनन और परिवहन कार्य रोकने का ऐलान किया गया है। आंदोलन को सफल बनाने गांव-गांव में जन समर्थन जुटाया जा रहा है। संगठन ने पहले चरण के आंदोलन में विगत 25 मार्च को गेवरा खदान में सुबह 5 बजे से शाम 4 बजे तक बंदी की थी। दूसरे चरण के दौरान दीपका क्षेत्र में दिनभर उत्खनन, परिवहन और रोडसेल का कार्य प्रभावित कर आंदोलन किया था। स्थानीय स्तर पर वार्ता से इंकार कर संगठन के पदाधिकारी मामला मुख्यालय और बोर्ड स्तर का होने के कारण सीएमडी व बोर्ड मेम्बरों की मौजूदगी में ही वार्ता कराने के पक्ष में हैं। ऊर्जाधानी संगठन के अध्यक्ष सपुरन कुलदीप ने बताया कि 11 सूत्रीय मांगों पर 5 चरणों मे आंदोलन की घोषणा की गई है। अब तक एसईसीएल मुख्यालय की ओर कोई सार्थक पहल नही हुआ हैए इसलिए आगे के आंदोलन को जारी रखा गया है। 16 अप्रैल को कुसमुंडा खदान में हजारों भू.विस्थापित अपने हक और अधिकार की मांगों पर उतरने जा रहे हैं। उन्होंने बताया कि 11 मांगो पर 11 घण्टे बन्द कराया जाएगा जैसा पहले और दूसरे चरण में किया गया है। उन्होंने बताया कि आंदोलन की सफलता के लिए कुसमुंडा क्षेत्र के अंतर्गत शामिल सभी गांवों में जनसम्पर्क किया जा चुका है। बैठकों में ग्रामीणों द्वारा भरपूर समर्थन मिला है। घर-घर पर्चा वितरण, नुक्कड़, मीटिंग के माध्यम से जन-जन तक भू-विस्थापितों तक इस आंदोलन के महत्व को पहुंचाया जा रहा है। इस कड़ी में खोडरी, रिसदी, चुरेल, आमगांव, बाता, पाली आदि ग्रामों में व्यापक प्रचार-प्रसार के दौरान राजकुमार, गणपत कंवर, इंद्रपाल, प्रेमदास, रूद्र दास महंत, कुलदीप सिंह राठौर, संतोष चौहान, समारू दास महंत, रविदास आदि शामिल थे।

डॉ भीमराव आंबेडकर जयंती पर निकली वॉक फ़ॉर डेमोक्रेसी पद यात्रा

युवा कांग्रेस का आयोजन

प्रतिनिधि छ.ग. फ्रंटलाइन

सूरजपुर। भारत रत्न डॉ भीमराव आंबेडकर की जयंती पर युवा कांग्रेस द्वारा यहां जिला मुख्यालय में वॉक फ़ॉर डेमोक्रेसी पद यात्रा का आयोजन किया गया। यात्रा जिला अध्यक्ष नरेंद्र यादव के नेतृत्व में निकाली गई। उन्होंने बताया कि इस यात्रा का उद्देशय देश मे लोकतंत्र संविधान की हत्या करने वाली केंद्र सरकार के खिलाफ आवाज उठाना है, राहुल गांधी द्वारा सदन में जनता से जुड़े मुद्दे मंहगाई, बेरोजगारी, तथा मोदी अडानी द्वारा मिलकर देश की संपत्तियों को बेचने की बात जैसे जनता से जुड़े मुद्दे सदन में उठने पर इनकी सदस्यता रद्द करवा दी गयी और विपक्ष की आवाज दबाने का प्रयास किया गया। जिसके खिलाफ लगातार युवा कांग्रेस पूरे देश मे प्रदर्शन विरोध कर रही है कुछ दिन पूर्व ही सुरजपुर से दर्जनों युवा कांग्रेस कार्यकर्ता नरेंद्र यादव के नेतृत्व में दिल्ली जंतर मंतर भी लोकतंत्र बचाने की इस लढाई में शामिल होने गए थे। उसके बाद जिला मुख्यालय में मशाल रैली और अब वॉक फ़ॉर डेमोक्रेसी पद यात्रा निकाली गई जिसमे जिले के हर ब्लॉक विधानसभा से युवा कांग्रेस कार्यकर्ता उपस्थित हुए।

कार्यक्रम में प्रमुख रूप से पंकज तिवारी, नीरज सिंह, प्रेम नगर विधानसभा अध्यक्ष परमेश्वर राजवाड़े, भटगांव विधानसभा अध्यक्ष विक्की समददार प्रदेश महासचिव राहुल जायसवाल, शांतनु सिंह, अमृतांश सिंह हनी, नीरज सिंह, दीपक कर, शालू मित्तल, पार्थ सिंह, गोविंदा राजवाड़े, लालू जायसवाल, विनय पावले, सरफराज खान, सीके चौधरी, कोनैन अंसारी,पिंटू गुर्जर, उत्तम यादव, सित्तू गुप्ता, अमिल, अज्जू अंसारी, राजेश साहू, अजीत यादव, दीपक बिसेन, अमान, सोनू राजवाड़े, कमलेश यादव, राजन ठाकुर, सनी जायसवाल, विकाश कुशवाहा, अदनान, सत्यम साहू, जीशान, शानू,राजा, नीतीश, शिवम साहू सहित कांग्रेस के सभी प्रकोष्ठ के कार्यकर्ता उपस्थिथ थे।

अग्मिशमन दिवस पर निकाली गई दमकल रैली

कोरबा। छ.ग. फ्रंटलाइन। अग्निशमन दिवस पर शहर में दमकल रैली निकाली गई। इस दौरान कोरबा वासियों को आग लगने के कारणों के साथ बचाव के उपायों के प्रति जागरुक किया गया। रैली में डीजी फायर समेत विभाग के आलाधिकारी मौजूद रहे।

गर्मी के मौसम में आगजनी की घटनाएं बढ़ जाती है। इस तरह की घटनाओं को लेकर लोगों को जागरुक करने के लिए अग्निशमन विभाग की ओर से रैली निकाली गईए अग्निशमन विभाग के अधिकारी ने बताया कि यह अभियान 14 से 20 अप्रैल तक चलेगा। सात दिवसीय अग्निशमन सेवा दिवस पर शहर के लोगों को जागरूक करने के लिए प्रतिदिन अभियान चलाया जाएगा।

रैली की शुरुआत कोसाबाड़ी चौक से शुरू हुई जो शहर के विभिन्न मार्गो से होकर सीतामढ़ी पर जाकर संपन्न हुई, फायर ब्रिगेड कि सभी गाड़ियों में आग से सुरक्षा के लिए बैनर के माध्यम से लोगों को जागरूक करने का प्रयास किया गया।

सर्व यादव समाज की संभागीय बैठक में विभिन्न मुद्दों पर हुई चर्चा

0 पदाधिकारी बोले- संघर्षमय रहा है समाज का संपूर्ण इतिहास
0 20 को समाज की स्वाभिमान रैली के आयोजन का निर्णय

प्रतिनिधि छ.ग. फ्रंटलाइन

सूरजपुर। सर्व यादव समाज की संभागीय बैठक समीपस्थ ग्राम पचिरा में आयोजित की गई जिसमें समाज से जुड़े विभिन्न मुद्दों पर चर्चा करते हुए 20 अप्रैल को समाज के द्वारा स्वाभिमान रैली का शंखनाद कला केंद्र मैदान अंबिकापुर में करने का निर्णय लिया गया।

बैठक में समाज के पदाधिकारियों ने कहा कि हमारा समाज का संपूर्ण इतिहास संघर्षमय रहा है आज तक जो भी मिला है वह संघर्ष के बदौलत ही प्राप्त हो सकता है समय आ गया है कि हम अपने अधिकारों को प्राप्त करने के लिए संघर्ष का यादवी शंखनाद करें। विगत कई वर्षों से सर्वयादव समाज छत्तीसगढ़ के प्रदेश के तत्वधान में 3 सूत्रीय मांगों को लेकर संघर्ष करते आ रही है और आगे भी जारी रहेगा। इस संघर्ष के दौर मैं छत्तीसगढ़ के लगभग 35 लाख यादव की भावनाओं को जगाने का प्रयास संगठन के माध्यम से किया जा रहा है। पदाधिकारियों ने कहा कि अपने हक की लड़ाई में आज तक आप सभी लोगों ने कदम से कदम मिलाकर एक विचार धारा एवं सोच की तहत एक होकर लड़ाई लड़े आशा है कि इस लड़ाई में भी हम सब मिलकर यादव शंखनाद को सफल बनाएंगे। यह संघर्ष समाज हित की निम्न मांगों को लेकर सर्वयादव समाज सरगुजा संभाग के तत्वधान में प्रांतीय अधिवेशन के माध्यम से यादवी शंखनाद किया जाएगा।

यह है मांगे

मांगो के संबंध में बताया गया है कि सैकड़ों वर्षों से वन क्षेत्रों में निवासरत यादव एवं पिछड़े वर्ग के लोगों को वन अधिकार पट्टा दिया जाए यादव समाज गौ सेवक हैं इसलिए शासन डेरी उद्योग एवं पशुपालन को यादव समाज के लिए संरक्षित करते हुए ऋण उपलब्ध कराएं तथा लिए गए ऋण पश्च 50 परसेंट छूट प्रदान किए जाएं, पीढ़ी दर पीढ़ी चरवाहा के रूप में काम करने वाले चरवाहों बंधुओं को मानदेय राशि उपलब्ध कराई जाए, छत्तीसगढ़ में जातिगत जनगणना कराया जाए 26 आरक्षण छत्तीसगढ़ में लागू किया जाए अहीर रेजिमेंट बनाया जाए इसी विषय पर ग्राम पंचायत पचीरा यादव पारा मैं बैठक आयोजित किया गया। देव नारायण यादव संभागीय अध्यक्ष सरगुजा उमा शंकर यादव जिला अध्यक्ष सूरजपुर संजय यादव कार्यकारी अध्यक्ष सूरजपुर हरि यादव जिला अध्यक्ष बलरामपुर जुगनू यादव जिला अध्यक्ष जशपुर सूरज यादव जिला अध्यक्ष मनेंद्रगढ़ गणेश यादव जिला अध्यक्ष कोरिया पूर्व नगर पंचायत अध्यक्ष राजेश यादव विश्रामपुर श्याम लाल यादव शिव जगत यादव लल्लन यादव चित्र भान यादव हीरा चंद यादव मोहन यादव रघुनंदन यादव बृजलाल यादव मदन यादव जयप्रकाश यादव लालमन यादव लाल बहादुर यादव राम केश्वर यादव राजेंद्र यादव बालेश्वर यादव अनीत यादव पुनीत यादव श्रीराम यादव रामविचार यादव राजू यादव एवं समस्त यादव मोहल्ला के ग्रामीण जन यह बैठक में उपस्थित रहे।

जन चौपाल में पुलिस ने नशे के विरूद्ध कार्रवाई को लेकर तैयार की रणनीति

0 सुरक्षा के प्रति ग्रामीणों को किया गया जागरूक 0 देवनगर में लगा पुलिस का जनचौपाल

प्रतिनिधि छ.ग. फ्रंटलाइन

सूरजपुर। पुलिस अधीक्षक रामकृष्ण साहू ने जिले के थाना-चौकी प्रभारियों को आमजनता की शिकायतों का मौके पर निराकरण करने एवं क्षेत्र की गतिविधियों, अवैध कार्यो की सूचना तथा अवैध नशे के कारोबार करने वालों की सूचना से अवगत होने के लिए जन चौपाल लगाने के निर्देश दिए थे। अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक मधुलिका सिंह के मार्गदर्शन में शनिवार को थाना सूरजपुर पुलिस के द्वारा ग्राम देवनगर में जन चौपाल का आयोजन किया गया।

इस दौरान पुलिस अधिकारियों ने लोगों की शिकायतों को सुना और निराकरण किया। नागरिकों को कहा कि अवैध नशे के कारोबार सहित अवैध धंधे में लिप्त लोगों की सूचना मुखर होकर पुलिस को दें ताकि उनसे सख्ती से निपटा जा सके। नशे को लेकर उपस्थित ग्रामवासियों व जनप्रतिनिधियों से चर्चा कर लोगों को नशा से बचाने को लेकर रणनीति बनाई गई। जन चौपाल में साइबर अपराध, वर्तमान दौर में हो रहे धोखाधड़ी सहित विविध जानकारी देकर सुरक्षा के प्रति जागरूक किया गया। महिलाओं की सुरक्षा के लिए बने कानूनों, प्राकृतिक आपदा के मामले में राहत राशि, सहित विधिक जानकारियों से अवगत कराया, महिला सुरक्षा के लिए अत्यंत उपयोगी अभिव्यक्ति ऐप के बारे में अवगत कराया। इसी क्रम में नशा न करने की समझाईश देते हुए नशे से होने वाली आर्थिक, सामाजिक एवं शारीरिक हानियों के बारे में अवगत कराया। इस दौरान एसआई संतोष सिंह, जनपद उपाध्यक्ष दीपक गुप्ता, देवनगर सरपंच रामनाथ, उप सरपंच, पंच, स्वास्थ्य विभाग के कर्मचारी, मितानीत, पुलिस के अधिकारी-कर्मचारी सहित काफी संख्या में ग्रामीणजन मौजूद रहे।

सरगुजा फ्रंटलाइन

काले हीरे की नगरी में कोयला व कबाड़ माफियाओं की बोल रही तूती

अवैध कारोबारियों को प्रशासन या राजनीतिक संरक्षण...इसे लेकर उठ रहे सवाल

छ.ग.फ्रंटलाइन भटगांव। सूरजपुर जिले के काले हीरे की नगरी एसईसीएल भटगांव क्षेत्र में कुछ वर्षों से चालू एवं बंद पड़ी कोयला खदानों में लोहा चोरी के धंधेबाज सक्रिय हैं। कई महीनों बाद बेरोकटोक कबाड़ चोरी की खबरें सामने आने लगी हैं। क्षेत्रीय लोगों के सहयोग से बाहरी लोग अवैध काम को अंजाम देने में लगे हैं। संदिग्धों की गतिविधियों से आम जनमानस में भी भय व्याप्त है। भटगांव क्षेत्र के चालू और बंद पड़े कोयला खदानों से बड़े पैमाने पर लोहा, तांबा, पीतल जैसे कीमती कबाड़ों की चोरी हो रही है, जिम्मेदारों की चुप्पी बनी हुई है। प्रशासनिक बदलाव के बाद आमतौर पर ऐसे कार्यों पर कुछ दिनों के लिए रोक लग जाता है, लेकिन एसईसीएल भटगांव व थाना क्षेत्र का नजारा कुछ और ही है। इसके पीछे की वजह क्या है, इसे तो प्रशासनिक अधिकारी और कारोबारी जानें, जो ऐसे कार्यों में लगे लोगों पर लगाम कसना नहीं चाहते या सबकुछ जानने के बाद भी मौन साधे बैठे हैं।

एसइसीएल प्रबंधन बेशकीमती उपकरणों और लौह सामग्रियों के संरक्षण के लिए सुरक्षाकर्मियों को भारी भरकम भुगतान करता है, इसके बाद भी स्थिति को देखकर ऐसा लगता है कि मौन सहमति से यह गोरखधंधा बड़े पैमाने पर चल रहा है। सुरक्षाकर्मियों की भूमिका को लोग संदिग्ध मानते हैं। कबाड़ी अपनी इच्छा के मुताबिक भटगांव क्षेत्र के कोयला खदानों को चारागाह बनाए हुए हैं और करोड़ों रुपये की संपत्ति को लूट कर काले हीरे की नगरी को खोखला कर रहे हैं। कॉलरी प्रबंधन के जिम्मेदार अधिकारी भी बेशकीमती सामग्रियों के संरक्षण व ठोस कार्रवाई के बजाए एक-दूसरे पर दोषारोपण करते नजर आते हैं। खबर यह भी है कि यदि पुलिस प्रशासन लोहा चोरी करने वाले कबाड़ियों की गाड़ियों को जप्त करे, तो प्रबंधन का कोई अधिकारी रिपोर्ट करने को तैयार नहीं होता और ना ही कोई इसकी पुष्टि करने को तैयार होता है कि अमुक सामान एसईसीएल की संपत्ति है। वर्तमान में देखा जाए तो पूरे भटगांव एरिया में कोयला खदानों की सुरक्षा व्यवस्था भगवान भरोसे है। जिस तरह से लगातार चोरी की घटनाएं बढ़ रही हैं उसे लेकर चोरी रोकने में नाकाम सुरक्षा एजेंसियां भी सवालों के घेरे में हैं। लगभग सभी खदानों में चोरी की घटनाओं में इजाफा हो रहा है। भूमिगत खदान और ओपन खदानों में पिछले कुछ दिनों से चोरी की घटनाएं बढ़ी हैं। कहने को तो यहां पर सुरक्षा के पुख्ता इंतजाम के नाम पर हर महीने करोड़ों रुपये खर्च किए जा रहे हैं, इसके बाद भी चोरी की घटनाओं में कमी नहीं आ रही है। सुरक्षा व्यवस्था के बाद भी खदान के अंदर से खुलेआम कोयला, लोहा चोरी कैसे हो रही है या सब कुछ मिलीभगत से हो रहा है, इस पर मंथन की जरूरत है।

कुछ माह पूर्व एसईसीएल कर्मचारी से हुई थी मारपीट

कुछ महीने पहले महान-1 ओसीएम खदान में भटगांव निवासी और कबाड़ चोरी में सक्रिय पप्पू निषाद और उनके साथियों ने हरगोविंद जयसवाल सावेल अपडेटर के ऊपर जानलेवा हमला कर घायल कर दिया गया था। चोरों ने अकेला पाकर उसकी लाठी डंडे से बेदम पिटाई की थी, जिसमें उसे सिर में गंभीर चोट आई। उसका इलाज काफी दिनों तक एसईसीएल अस्पताल के बाद जीवन ज्योति अस्पताल अंबिकापुर में चला था। इधर पुलिस ने आरोपी निषाद को पकड़कर जेल भेजा था। इसके जेल से पुनः वापस आने के बाद क्षेत्र में चोरी जैसी हलचल होने लगी है।

खदानों से लगातार हो रही है कोयले की चोरी

कबाड़ के साथ ही कोयले की चोरी ड़ल्ले से हो रही है, इसके लिए पूछ-परख करने वाला कोई भी नहीं है। शासन हो या प्रशासन धड़ल्ले से चल रहे इस कारोबार को रोकने में अभी तक नाकाम है। अवैध ईंट भट्ठों में कोयले को खपाया जा रहा है। कोयला चोर बोरियों में भरे कोयले को साइकिल और मोटरसाइकिल से अवैध ईंट भट्ठों में रोजाना पहुंचा रहे हैं, जिससे एसईसीएल प्रबंधन को रोजाना लाखों की चपत लग रही है। कॉलरी के अधिकारियों के साथ ही खनिज विभाग भी ऐसे चोरों से बेखबर बने बैठा है। लोगों का कहना है कि सरकार इन्हें जिन जिम्मेदारियों का निर्वहन करने के लिए पगार दे रही है, उससे हटकर इनकी स्थिति धृतराष्ट्र जैसी है।

निर्देश के बाद भी पुलिस पेट्रोलिंग प्रभावी नहीं

पुलिस प्रशासन के द्वारा अवैध कारोबार पर अंकुश लगाने के निर्देश देते हुए पेट्रोलिंग को प्रभावी बनाने कहा गया है, इस दिशानिर्देश को भी ताक पर रख देने से कोयला व कबाड़ चोरों के हौसले बुलंद हैं। सब कुछ जानते हुए भी कार्रवाई नहीं होने को लोग मिलीभगत ही नहीं, राजनीतिक व पुलिस के संयुक्त संरक्षण की संज्ञा देने में लगे हैं। बहरहाल देखना यह है कि एसईसीएल की बेशकीमती संपत्ति को चोरी होने से बचाने के लिए पुलिस व एसईसीएल प्रबंधन द्वारा किसी प्रकार की साझा पहल की जाएगी, या फिर चोरों को अभयदान मिलेगा।

रसोइयों ने रैली निकाल किया शक्ति प्रदर्शन, चक्काजाम टला

सीजीएमएससी के अध्यक्ष व कांग्रेसी नेताओं से चर्चा के बाद हड़ताल समाप्त

छ.ग.फ्रंटलाइन अंबिकापुर। एक माह से मानदेय बढ़ाने की मांग करते अनिश्चितकालीन हड़ताल में बैठे रसोइयों ने शनिवार को शहर में लंबी रैली निकाल कर हुंकार भरी, इसके बाद वे चक्काजाम करने की तैयारी में थे। वृहद रैली पंडाल में पहुंची, यहां सीजीएमएससी के अध्यक्ष डॉ.प्रीतम राम के साथ कांग्रेस के पदाधिकारी पहुंचे। इन्होंने काफी देर तक रसोइया संघ के पदाधिकारियों से चर्चा की, इसके बाद रसोइया संघ के पदाधिकारियों ने हड़ताल समाप्त करने की घोषणा कर दी। डॉ. प्रीतम राम ने कहा उनकी मांगों को मुख्यमंत्री तक पहुंचाया जाएगा। उन्होंने इनसे हड़ताल समाप्त कर काम पर वापस लौटने का आग्रह किया। इस पर रसोइया संघ की अध्यक्ष चिंतामणी दास ने सरकार के प्रतिनिधि के रूप में डॉ. प्रीतम राम पर भरोसा जताते हुए हड़ताल स्थगित करने की घोषणा की। इस मौके पर उपस्थित ट्रेड यूनियन कौंसिल के अध्यक्ष डॉ. जेपी श्रीवास्तव ने सभी महिलाओं को एक मई, अंतर्राष्ट्रीय श्रमिक दिवस के मौके पर कार्यक्रम में शामिल होने का न्यौता दिया। इस दौरान कांग्रेस के वरिष्ठ नेता व महापौर कौंसिल के सदस्य द्वितेंद्र मिश्रा भी उपस्थित थे।

हत्या के प्रयास मामले में एक और आरोपी को भटगांव पुलिस की गिरफ्तार

छ.ग.फ्रंटलाइन भटगांव। बीते 28 फरवरी 2023 को भटगांव थाना क्षेत्रांतर्गत ग्राम केवटाली जंगल में डोमनहिल चिरमिरी निवासी रोहित सिंह और उसके साथियों द्वारा रास्ता रोककर भाजयुमो के मंडल अध्यक्ष अमन प्रताप सिंह व साथियों को जान से मारने की धमकी देते हुए रॉड से किए गए प्राणघातक हमला के मामले में पुलिस ने एक और फरार आरोपी को गिरफ्तार कर लिया है। मामले में अखंड प्रताप सिंह की रिपोर्ट पर पुलिस थाना भटगांव में धारा 341, 147, 148, 149, 506बी, 324, 323, 307, 115, 120बी भादसं का अपराध पंजीबद्ध किया गया था। इसके पहले पुलिस ने आरोपी संजय अग्रवाल, चंदन उर्फ चंद्र प्रकाश शर्मा, आफताब खान उर्फ गोलू व राकेश चौहान को गिरफ्तार किया था, अन्य आरोपी की पतासाजी चल रही थी।

पुलिस महानिरीक्षक सरगुजा रेंज रामगोपाल गर्ग के मार्गदर्शन व पुलिस अधीक्षक सूरजपुर रामकृष्ण साहू के निर्देशन में थाना भटगांव की पुलिस आरोपी की पतासाजी में लगी थी। अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक मधुलिका सिंह व एसडीओपी प्रतापपुर अमोलक सिंह के नेतृत्व में थाना भटगांव व चिरमिरी पुलिस की संयुक्त टीम ने मुखबिर की सूचना पर दबिश देकर आरोपी विक्रम सिंह उर्फ विक्की पिता अभय सिंह 24 वर्ष निवासी सोनामनी डोमनहिल चिरिमिरी, जिला एमसीबी को घेराबंदी कर विधिवत गिरफ्तार किया है। कार्रवाई में थाना प्रभारी भटगांव राजेन्द्र साहू व थाना प्रभारी चिरमिरी कमलकांत शुक्ला के साथ एसआइ सीपी तिवारी, प्रधान आरक्षक संदीप वारीश, सुरेन्द्र गौड़, संजय पांडेय, आरक्षक रामजी गुप्ता, राजेन्द्र गुप्ता, रौशन सिंह, युवराज यादव, नौशाद, संतोष जायसवाल, प्रकाश व प्रह्लाद पैकरा सक्रिय रहे।

फोरेंसिक विज्ञान के विद्यार्थियों ने देखा क्राइम सीन का डेमो

साईं कॉलेज में अपराध और उसके साक्ष्यों पर हुई कार्यशाला

छ.ग.फ्रंटलाइन अंबिकापुर। अपराध को रोकने और अपराधी तक पहुंचने के लिए फोरेंसिक विज्ञान की जानकारी होना जरूरी है। यह बातें सोमवार को श्री साईं बाबा आदर्श स्नातकोत्तर महाविद्यालय में कार्यशाला के दौरान मानव विज्ञान विभाग के विभागधयक्ष डॉ. श्रीराम बघेल ने कही। उन्होंने कहा अपराध का प्रथम दृश्य ही अन्वेषण के लिए निर्णायक होता है। कार्यशाला के दौरान विद्यार्थियों को क्राइम का डेमो दिखाया गया। डेमो में क्राइम के दौरान होने वाली प्रत्येक गतिविधि को दर्शाया गया। उन्होंने अपराध स्थल से साक्ष्यों को देखने और उसे परखने के बारे में बताया। उन्होंने कहा साक्ष्य स्थल का फिंगर प्रिंट, कपड़े, कपड़े पर पड़े निशान, स्थल के आसपास के बिखरे सामान, मौके की तस्वीर, जमीन के फुट प्रिंट को देखना और सहेजना होगा। साक्ष्यों का संग्रहण जितना बारीकी से होगा, उतनी ही तेजी से मामले का खुलासा किया जा सकेगा। अपराध के बाद के साक्ष्य, चिह्नों को सहेजना और परखना फोरेंसिक विज्ञान का काम है। प्राचार्य डॉ. राजेश श्रीवास्तव के मार्गदर्शन में आयोजित कार्यशाला में फोरेंसिक एंथ्रोपोलॉजी एडऑन कोर्स के सभी विद्यार्थी उपस्थित रहे।

पेट्रोल पंप से बाइक चोरी करते तीन चोर सीसीटीवी में कैद हुए

मोटरसाइकिल में पहुंचे चोरों ने पहले पेट्रोल निकाल कर अपनी मोटरसाइकिल में डाला

छ.ग.फ्रंटलाइन अंबिकापुर। बाइक चोरी की घटनाएं रूकने का नाम नहीं ले रही हैं। रोजाना शहर के किसी न किसी इलाके से बाइक चोरी के मामले सामने आ रहे हैं। शुक्रवार की रात तीन चोरों ने मणिपुर थाना क्षेत्र अंतर्गत एक पेट्रोल पंप पर खड़ी बाइक चोरी कर ली। बाइक चोरी की घटना पेट्रोल पंप में लगे सीसीटीवी में कैद है। चोरों ने पहले बाइक से पेट्रोल निकाला, फिर उसी बाइक को चोरी कर ले गए। मणिपुर थाना क्षेत्र में ही एक और बाइक चोरी की घटना सामने आई है। रिपोर्ट पर मणिपुर पुलिस जांच कर रही है।

जानकारी के अनुसार महेन्द्र प्रसाद शहर के बिलासपुर चौक का रहने वाला है। शुक्रवार की रात वह अपनी मोटरसाइकिल क्रमांक सीजी 15सीवी 7771 को मणिपुर थाना क्षेत्र के आरके पेट्रोल पंप के पास खड़ी कर रात्रि ड्यूटी करने चला गया था। रात करीब एक बजे एक बाइक से सवार होकर तीन युवक पहुंचे और पेट्रोल पंप में खड़ी बाइक से पहले पेट्रोल निकाल कर साथ ले गए मोटरसाइकिल में डाला। इसके बाद तीनों युवकों ने पेट्रोल पंप पर खड़े बाइक का लॉक तोड़ा और मोटरसाइकिल लेकर निकल लिए। पूरी घटना पेट्रोल पंप पर लगे सीसीटीवी में कैद हुई है। महेन्द्र ने इसकी रिपोर्ट मणिपुर थाने में दर्ज कराई है। पुलिस अज्ञात के खिलाफ अपराध दर्ज कर मामले की जांच कर रही है।

सब्जी खरीदने गए युवक का बाइक पार

एक अन्य मामले में सब्जी खरीदने गए युवक की बाइक भिट्ठीकला बाजार से अज्ञात चोरों ने पार कर दी। जानकारी के अनुसार विशाल यादव नवाबांध दरिमा का रहने वाला है। वह नौ अप्रैल को बाइक क्रमांक सीजी 15डीए 3907 से सब्जी खरीदने मणिपुर थाने में दर्ज कराया है।

पंचायत सचिवों की हड़ताल 28 वें दिन भी जारी, सरपंच संघ ने दिया समर्थन

छ.ग.फ्रंटलाइन राजपुर। बलरामपुर जिले के राजपुर में सचिव संघ की हड़ताल लगातार 28वें दिन भी जारी है। पंचायत सचिव अपनी एक सूत्रीय मांगों को लेकर पिछले 16 मार्च से अनिश्चितकालीन हड़ताल पर हैं। सचिव संघ द्वारा किए जा रहे हड़ताल का आज सरपंच संघ ने हड़ताल स्थल में पहुंच कर समर्थन दिया। पंचायत सचिव संघ के प्रांतीय आह्वान पर सभी पंचायत सचिव अपनी एक सूत्रीय मांग शासकीय करण को लेकर 16 मार्च से अनिश्चितकालीन हड़ताल पर हैं। पंचायत सचिवों के हड़ताल में चले जाने से पंचायत के सभी कामकाज सहित सरकार की कई महत्वाकांक्षी योजनाएं पूरी तरह से ठप्प हैं। पंचायत सचिवों की हड़ताल के 28वें दिन सरपंच संघ ने उनकी मांग को जायज ठहराते हुए समर्थन दिया है। राजपुर सरपंच संघ के अध्यक्ष तेज कुमार ने कहा कि सचिवों के हड़ताल पर जाने से पंचायत के सभी कामकाज ठप्प हैं। मार्च-अप्रैल माह में कई निर्माण कार्य पूर्ण कराया जाना था, जो अधूरे पड़े हैं। पंचायत में वृद्धा पेंशन सहित शासन की कई महत्वपूर्ण योजनाएं प्रभावित हो रही हैं। सरपंच संघ ने शासन से अपील की है कि सचिवों की मांग को जल्द पूरा किया जाए, ताकि पंचायतों के कामकाज का सुचारू रूप से क्रियान्वयन किया जा सके।

रोबोट से जीवन में गति लाएंगे साईं स्कूल के विद्यार्थी

कार्यशाला में सीखा रोबोट की प्रोग्रामिंग

छ.ग.फ्रंटलाइन अंबिकापुर। श्री साईं बाबा स्कूल के विद्यार्थियों को रोबोटिक्स विशेषज्ञ और नवप्रवर्तक प्रवीण प्रताप सिंह ने शनिवार को रोबोटिक्स की बारीकियों से अवगत कराया। इसके लिए आयोजित की गई कार्यशाला में माध्यमिक कक्षाओं के छात्रों ने भाग लिया। कार्यशाला में प्रवीण ने रोबोट के काम, उसकी उपयोगिता के बारे में बताया। रोबोट बनाने और उसकी प्रोग्रामिंग से अवगत कराया। उन्होंने रोबोटिक्स के क्षेत्र में अपने अनुभव साझा किए। वर्तमान में रोबोटिक्स के विभिन्न अनुप्रयोगों को बताते हुए प्रोग्रामिंग कर विद्यार्थियों को सिखाया। अल्ट्रासोनिक सेंसर व माइक्रो कंट्रोलर का उपयोग करने वाले स्मार्ट डस्टबीन के बारे में बताया गया। विद्यार्थियों को संबोधित करते हुए प्रवीण ने रोबोटिक्स शिक्षा के भविष्य के बारे में बताया। छात्रों को एसटीईएम क्षेत्रों में कॉरियर बनाने के लिए प्रोत्साहित किया। उन्होंने कहा कि रोबोटिक्स अनंत संभावनाओं वाला एक रोमांचक क्षेत्र है। तकनीकी कौशल विकसित कर इस क्षेत्र में आने की जरूरत है। कार्यशाला के दौरान राजू विश्वकर्मा, चंदा किरण अंबष्ट, सुनीता मिश्रा, विनीता कच्छप, दीक्षा कुजूर उपस्थित रहीं।

अंबेडकर जयंती पर भाजपा ने सहभोज कर समरसता का दिया संदेश

अंबेडकर ने भारत का संविधान बनाकर देश को आगे बढ़ाया-विष्णुदेव साय

छ.ग.फ्रंटलाइन अंबिकापुर। संविधान निर्माता बाबा साहेब भीमराव अंबेडकर की जयंती भाजपा नगर मंडल अंबिकापुर व लखनपुर में पूर्व केंद्रीय मंत्री विष्णुदेव साय तथा पूर्व राज्यसभा सांसद रामविचार नेताम के आतिथ्य में मनाई गई। बाबा साहब अंबेडकर की मूर्ति पर माल्यार्पण व समरसता भोज के साथ कार्यक्रम संपन्न हुआ। अतिथियों व भाजपा पदाधिकारी, कार्यकर्ताओं ने लखनपुर में दलित समाज के बंधु-बांधव के साथ समरसता भोज भी किया। पूर्व केंद्रीय मंत्री विष्णुदेव साय ने कहा कि पूरा देश बाबा साहब के बताए मार्ग पर आगे बढ़ रहा है। केंद्र की मोदी सरकार ने बाबा साहब की सोंच के अनुरूप दलित, पिछड़ी जाति, समाज के लोगों के जीवन में परिवर्तन लाने के लिए हर एक उपाय किए हैं। भाजपा समरस समाज की स्थापना के लिए संकल्पित है।

इस अवसर पर ललन प्रताप सिंह, अनिल सिंह मेजर, अखिलेश सोनी, करता राम गुप्ता, भारत सिंह सिसोदिया, अभिमन्यु गुप्ता, प्रशांत शंकर त्रिपाठी, डीके पुरिया, अरुणा सिंह, फुलेश्वरी सिंह, मधुसूदन शुक्ला, विकास पांडेय, आलोक दुबे, राजकुमार बंसल, उपकार चंद्राकर, विद्यानंद मिश्रा, मनीष सिंह, विनोद हर्ष, मनोज गुप्ता, नकुल सोनकर, राजेंद्र जयसवाल, संजय जयसवाल, जितेंद्र सोनी, अनिल जायसवाल, अंशुमन गर्ग, अंकित जयसवाल, दीपक सिंह तोमर, सर्वेश तिवारी, सरिता जायसवाल, दीपक सोनी, वीर सोनी, हरमिंदर सिंह टिन्नी, अजय प्रताप सिंह, विश्व विजय सिंह तोमर, दिनेश साहू, सत्यनारायण साहू, राजकुमार, राजेश अग्रवाल, गिरजा ठाकुर, अंकित तिर्की, तुलसी कौशिक, ध्रुव कुमार, रवि, गणेश कश्यप, सुरजीत भामरा, शंभू सोनकर, चंदन शुक्ला, मनीष दुबे, दारा सिंह, संगीता सोनी, उमेश अग्रवाल, विमल मंदिलवार, आतिश सिंह सहित अन्य उपस्थित रहे।

भाजपा चिकित्सा प्रकोष्ठ ने सुंदरपुर में किया स्वास्थ्य शिविर आयोजित

छ.ग.फ्रंटलाइन अंबिकापुर। भाजपा चिकित्सा प्रकोष्ठ द्वारा ग्राम पंचायत सुंदरपुर में स्वास्थ्य शिविर का आयोजन किया गया। स्वास्थ्य शिविर में विशेषज्ञ चिकित्सकों द्वारा ग्रामीणों का उपचार किया। इस अवसर पर विशेष रूप से उपस्थित भाजपा जिला प्रभारी ज्योति नंद दुबे ने कहा कि अपने स्वास्थ्य के प्रति लोग जागरूक हों, सभी को समुचित इलाज उपलब्ध हो सके इस दिशा में भाजपा व मोदी सरकार संकल्पित है। जन सेवा के ऐसे कार्यों को भाजपा सदैव आगे बढ़ाते रहेगी। इस अवसर पर सरगुजा जिला अध्यक्ष ललन प्रताप सिंह, वरिष्ठ नेता मेजर अनिल सिंह, अखिलेश सोनी, हरपाल सिंह भामरा, डॉ. अनिल सिंह, डॉ. आनंद सोनी, ग्रामीण मंडल के सह प्रभारी वीरेंद्र बघेल, कृष्ण कुमार शर्मा, विवेक सिंह, सर्वेश तिवारी, संजय राजवाड़े, सागर विश्वकर्मा सहित समस्त ग्रामवासी उपस्थित थे।

कलेक्टर के आदेश के बाद भी नहीं हुई ग्राम सभा

छ.ग.फ्रंटलाइन जरही। कलेक्टर ने बीते दिनों 14 अप्रैल को ग्राम पंचायतों में ग्राम सभा का आयोजन कर ग्राम पंचायत से जुड़े सभी बिंदुओं पर चर्चा करने आदेश दिया था, लेकिन जनपद पंचायत प्रतापपुर के अंतर्गत आने वाले ग्राम पंचायत चंदरपुर में कलेक्टर के निर्देश का असर देखने को नहीं मिला। कलेक्टर द्वारा 12 अप्रैल को आदेश जारी कर जिले के प्रत्येक ग्राम पंचायतों एवं उनके आश्रित ग्रामों में कोविड-19 से बचाव के समस्त गाइडलाइन का पालन करते हुए, 14 अप्रैल को प्रत्येक ग्राम पंचायत मुख्यालय एवं उनके आश्रित ग्रामों में ग्राम सभा आयोजित करने कहा था। छ.ग. पंचायत राज अधिनियम 1993 की धारा 129 (ख)(3) के तहत गणपूर्ति के साथ-साथ ग्राम सभा में सदस्यों की शत-प्रतिशत उपस्थिति करवाने का दायित्व सरपंच, पंच एवं सचिव को दिया गया। इसके बाद भी ग्राम पंचायत चंदरपुर में 15 अप्रैल, शनिवार को ग्राम सभा का आयोजन करने का आदेश जनपद पंचायत प्रतापपुर ने जारी किया गया, सभी को सूचना दी गई लेकिन 15 अप्रैल को ग्राम सभा का आयोजन नहीं किया गया। ग्राम सभा के लिए करीब 50 प्रतिशत क्षेत्रवासी पहुंचे थे और ग्राम सभा स्थल पर करीबन पांच घंटे तक बैठे रहे। यहां ना तो ग्राम प्रभारी सचिव पहुंचे और ना ही पंचायत के जनप्रतिनिधि। चंदरपुर के कुछ ग्रामीणों ने दबी जुबां में कहा कि ग्राम सभा की जानकारी समय पर नहीं दी जाती है। ग्राम सभा नहीं होने से जानकारियां भी गांव के लोगों को नहीं मिल पाती है। समग्र सूची का वाचन, डाटा सत्यापन, अपडेट पात्रता पर्ची का विवरण एवं पेंशन हितग्राहियों को समग्र पोर्टल के माध्यम से पेंशन विवरण नहीं हो पाता है। इसी वजह से गांव के लोग सरकार की महत्वाकांक्षी योजना से वंचित हो जाते हैं।

स्वामी, प्रकाशक एवं मुद्रक- मनीष पाठक द्वारा स्पीड प्रिंटर्स व आफसेट पुराना पोस्ट ऑफीस रोड दर्रीपारा अम्बिकापुर पिन नं. 497001 (छत्तीसगढ़) से मुद्रित एवं प्रकाशित। संपादक- कमलेश मिश्रा